



~~LA, 24~~

200
82702

M

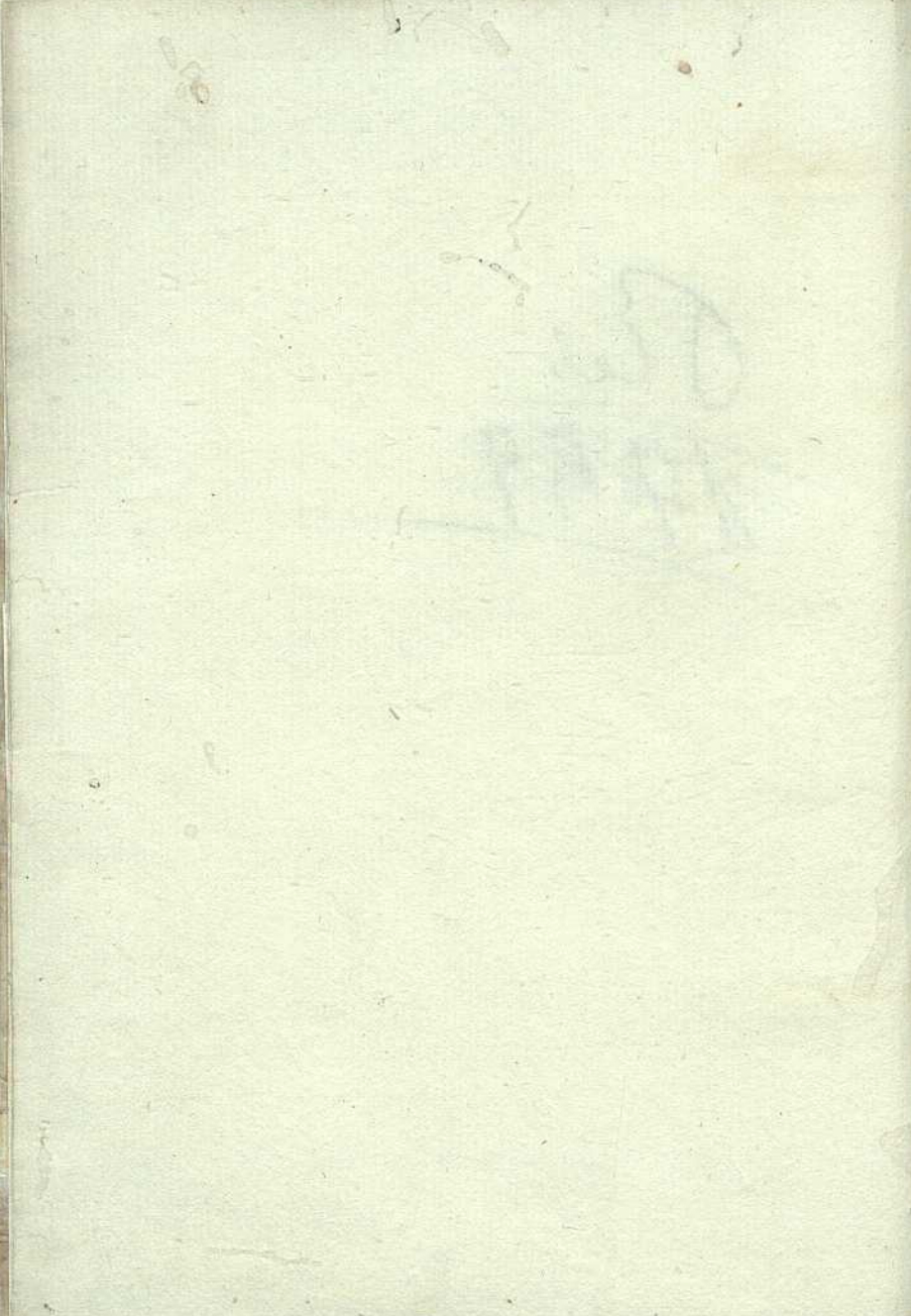
83

8794

821
17.59

Res

1759



CALENDARIVM ROMANVM IN

1890

membrum 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861.

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

69.05.1941/19, 21 November 1941

omnibus (p. 11)

4 13-01 K00 010 m2b

214711

© 1994 by the American Psychological Association

110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050 1051 1052 1053 1054 1055 1056 1057 1058 1059 1060 1061 1062 1063 1064 1065 1066 1067 1068 1069 1070 1071 1072 1073 1074 1075 1076 1077 1078 1079 1080 1081 1082 1083 1084 1085 1086 1087 1088 1089 1090 1091 1092 1093 1094 1095 1096 1097 1098 1099 1100 1101 1102 1103 1104 1105 1106

0194925: 0194925

THE DEGREE

五、六、七、八

1721

1874

1



CALENDARIVM ROMANVM. IN

quo plurimi festi dies sanctorum secundum consuetudinem Disiiponen Ecclesie adiecti

sunt. Hoc a reuerendissimo atq; illu

strissimo principe. D. Alphonso

Cardinali et Infant. et c. ab

omnibus ecclesijs eius-

dem diocesis. et a

singulis

Sacerdotibus in horario offi

cio obseruari decretum est

viii. Idus. Septemb.

Anno a Christ.

nat. M. D.

xxxvj.



Ianuarus habet dies. xxxj. Luna. xix. Flor
horas. xvi. Dies vero. viij.

iii	A kl. Yanua. 1	Circuncisio domini. dup. maius.	
	iiii Nonas. 2	Octaua. S. Stephani semidup.	
vi	v. Id. 3	Octaua. S. iohannis semidup.	
	vi Id. 4	Octaua innocentium semidup.	
xix	e Idus. 5	P. vigilia Epiphanie dñi.	
viii	f viij. Idus. 6	Epiphania domini. dup. maius.	
	g viij. Id. 7	De octaua.	
xvi	A vi. Id. 8	De octaua.	
v	b v. Id. 9	De octaua.	
	c iij. Id. 10	De octaua.	
xiii	d iij. Id. 11	De octaua.	
ii	e Idus. id. 12	De octaua.	
	f Idus. 13	Octaua epiphanie. semidup. Omnia.	
x	g xij. kl. febr. 14	felix in pincis presb. z mar. lectōes.	
	A xvij. kl. 15	Abauriabo. z conf. semidup. omnia.	
xviii	b xvij. kl. 16	marcelli ppzmr. o. o. lco. 8. B. Dñe puc.	
vii	c xvij. kl. 17	Antonij abb. solene gñaliter. lectōes.	
	d xv. kl. 18	Paſce virg. z mar. o. o.	
xv	e xiiij. kl. 19	Marj. Barthe. z ceterorum mſz. o. o.	
iiii	f xij. kl. 20	Severianij mar. solene gñaliter. lectōes.	
	g xij. kl. 21	Agnetis xg. z mſ. semidup. o. o. Vig.	
xii	A xj. kl. 22	Glicetij mſ. dup. ma. o. lco. totu offi.	
i	b x. kl. 23	Adelphonsi epi z conf. solene totu offi.	
	c ix. kl. 24	Fabianij mar. o. o. lectōes. 20. huius.	
ix	d viij. kl. 25	Conuersio. S. pauli. dup. minus. o. o.	
	e viij. kl. 26	Anastbasij mar. o. o. z lectōes. 22. tur.	
xvii	f vi. kl. 27	Iohannis chrylostomi doctoris epi z cō.	
vi	g v. kl. 28	Agnetis. 2. nō trāſſetur. o. o. z lectō.	
	A iij. kl. 29	Octaua. S. vincentij. dup. min. sicut i d.	
xiii	b iij. kl. 30	Basilij epi z cōf. l. l. tur.	totu offi.
ii	c prid. kl. 31	Lyri. z iohannis mar. tur.	

E Febuarius habet dies. xxviii. Lun. .xxix.

Hor. ho. as. xiiij. Dies vero. x.

- | | | |
|-----|-------------------|---|
| d | kl. Febua. 1 | Ignatii epi & mar. Lectiones. |
| e | iiij. Nonas 2 | Purificatio bte ma. Ag. dup. mai. Dia. |
| f | iiij. Non. 3 | Blasii epi & mar. nō trāffertur Lectio. |
| g | prid. nō. 4 | Silberti conf. |
| A | Nonas. 5 | Agathe vi. mar. semidup. Omnia. |
| b | viiij. Idus. 6 | Dorothee virg. & mar. |
| c | viiij. Id. 7 | Juliani martyris. totum offi. |
| d | vi. Id. 8 | Euentij episcopi & conf. |
| e | v. Id. 9 | Apollonie virg. & mar. non trāffertur. |
| f | iiij. Id. 10 | Scolastice virg. & mar. |
| g | iiij. Id. 11 | Pauli primi eremite conf. 10. ianuarij. |
| A | prid. Id. 12 | Agimij pape & mar. 11. ianuarij. |
| b | Idibus. 13 | Brigide virg. 10. huius. |
| inc | xxvi. kl. mar. 14 | Valentini presb. & mar. Ofo. |
| d | xy. kl. 15 | Faustini & iouite mar. |
| e | xiiij. kl. 16 | Juliane virg. & martyris. |
| f | xiiij. kl. 17 | Samini episcopi & conf. |
| g | xij. kl. 18 | Constantie virg. |
| A | xi. kl. 19 | Sabini presb. & mar. |
| b | x. kl. 20 | Euphrosine virg. |
| c | ix. kl. 21 | Summachi pape & conf. |
| d | viii. kl. 22 | Cathedra. S. petri. dup. minus. Dia. |
| e | vii. kl. 23 | Sirinei mar. & monachi. Vigilia. |
| f | vi. kl. 24 | Barthe apli. Dup. minus. Ofo & lectioes |
| g | v. kl. 25 | Victorini & aliorum martyri. |
| A | iiij. kl. 26 | Victoris episcopi & mar. |
| b | iiij. kl. 27 | Eleandri epi & conf. Ofo & lectioes. |
| inc | prid. kl. 28 | Romani abb. & conf. |

BL **C** Martinus habet dies. xxxj. Luna. xxx.
 Horboras. xij. Dies vero. xij.

ij	d kl. Martij. 1	Albini episcopi z conf. semidup.
	e vi. Monas. 2	Simplicij pape z conf.
ij	f v. Mon. 3	Martini z asterij mar.
	g iij. Mon. 4	Lucij pape z mar.
xix	A iij. Mon. 5	Leopoldi epi z con.
viii	b Pndie. 6	Martiani episcopi z mar.
	c iionis. 7	Thome de aquino cōf. no transfertur
xvi	d viij. Idus. 8	perpetue z felicitatis xg. z mf. heri
v	e viij. Idus. 9	Quadragesima miz. ofo z lectiones.
	f vi. Idus. 10	Alexandri z Bay miz.
xiii	g v. Idus. 11	Firmini abb. z conf.
ii	A iij. Idus. 12	Gregorij pp z cōf. dup. min ^o ofo. z le
	b iij. Idus. 13	Leandri episcopi z conf.
x	c Pndie. id. 14	zacharie pape z conf.
	d Idibus. 15	Longini mar.
xviii	e xvij. kl. Aprilis. 16	Agapiti archiepiscopi z conf.
vii	f xvi. kl. 17	Patritij epi z conf.
	g xv. kl. 18	Anselmi episcopi z conf.
xv	A xij. kl. 19	Joseph conf. dup. maius lectiones.
iiii	b xij. kl. 20	Joachim conf. dup. maius.
	c xij. kl. 21	Benedicti abb. z cōf. dup. min ^o dcoes
xii	d xj. kl. 22	Paulini episcopi z conf.
i	e x. kl. 23	Victoriam z aliorum mīm.
	f ix. kl. 24	Gabrieus Archangelus dup. mai ^o . o
ix	g viij. kl. 25	Annunciatio vte marie. xg. dup. ma. c
	A viij. kl. 26	Joannis monachi z conf.
xvii	b vi. kl. 27	Sirti pape z conf.
vi	c v. kl. 28	Eustasij abb. z conf.
	d iij. kl. 29	Reguli episcopi z conf.
xiiii	e iij. kl. 30	Quirini martyris
iii	f Pnd. kl. 31	Valbine virginis.

3L [Al. illis habet dies. xxx. Luna. x. ix.
Mor horas. x. dies vero. xiiij.]

g kl. Aprilis. 1	Marię egyptiace.	Seria. 2. postosticę
h iij. Nonas. 2	Theodosie x. z mř.	in albis sit officiũ
b iij. Non. 3	Ricardi. epi z conf.	gaudioz bñe marie
c prid. Mo. 4	Isidori epi z conf.	tubdup. maiori.
d nonas. 5	Cilicenti com. d. pre.	
e viij. Idus. 6	Euagrii episcopi z conf.	
f vij. Id. 7	Thimotei z diogenis mřz.	
g vi. Id. 8	Perpetui epi z conf.	
h v. Id. 9	Procori diaconi. z mar.	
b iij. Id. 10	Apollonii z alioz mar.	
c iij. Id. 11	Eustorgii epi z conf.	
d prid. Id. 12	Victoris epi z mar. brachareñ.	oso z lc.
e gaubus. 13	Euphemie virg.	
f xvij. kl. 14	Yburtij z valeriani z maximi mřz.	
g xvij. kl. 15	zenonis monachi z conf.	
h xv. kl. 16	Fructuosi archiepi brachar. z cõf.	oi. lc.
b xv. kl. 17	Anceti pape z mar.	
c xij. kl. 18	Prefecti presbi. z mar.	
d xij. kl. 19	Thimonei epi z mar.	
e xij. kl. 20	Victoris pape z martyris	
f x. kl. 21	Simeonis mar.	
g x. kl. 22	Sorberis z Baij pp. z mar.	Lectioes.
h x. kl. 23	Georgij mar. nō trāfertur. ořo lectio.	
b viij. kl. 24	Heliti episcopi z conf.	
c viij. kl. 25	Marci euangeliste dup. minus. omnia.	
d vi. kl. 26	Cleti pp z marcellini pp z mar.	lectioes.
e v. kl. 27	Heraclij z aliozum mar.	
f iij. kl. 28	Vitalis martyris. Lectioes.	
g iij. kl. 29	Petri mar. ord. predicator. nō trāfert.	
h prid. kl. 30	Marentie vidue matris sc̃i Agilij.	

KL **D**atus habet dies. xxij. Luna. xx.
Hor. horas. viij. Dies vero. xvj.

ij	kal.	May.	1	philippi & iacobi aploz dup. min^o. of.
	cyf.	Non.	2	Athanasij epi & conf.
xix	dy.	Non.	3	Inuentio. S. crucis. dup. minus. cia
viii	euij.	Non	4	Donice matris. S. augustini.
	f iij.	Non.	5	...ca. euētijs & theodoli mī. 3. hui^o of
xvi	g iij.	Id.	6	Joānis ante por. latinā dup. min^o. c
v	A	Id.	7	Joannis. episcopi. & conf.
	b viij.	Idus.	8	Apparitio. S. Michaelis. semidup.
xiii	c viij.	Id.	9	Gregorij nazianzeni epi & conf.
ij	dy.	Id.	10	Gordiani & epimachi mī. ofo & lectōe
	e v.	Id.	11	Torquati epi & conf.
x	f iij.	Id.	12	Heret Archilei & pancratij. mī. ofo.
	g iij.	Id.	13	Marie ad martyres. dup. min^o totū
xviii	A	Id.	14	Bonifatij martiris lectiones.
vii	b iij.	Idus.	15	Kularij. Abbatis & conf.
	c xviij.	Kal.	16	Clementis confes.
xv	dy.	kl.	17	Colocernij & alioz mar.
iiii	e xv.	kl.	18	Clementij & aliorum martyrum.
	f xiiii.	kl.	19	Pudentiane virg. Lectio.
xii	g iij.	kl.	20	Bernardine conf.
i	A	xij.	21	Abanti discipuli xpi. mar. ofo & lecti
	b ij.	kl.	22	Julie virg. & mar.
ix	c x.	kl.	23	Theopompi epi & mar.
	d ix.	kl.	24	zoli episcopi & aliorum martyrum.
xvii	e viij.	kl.	25	Urbani pape & mar. Ofio & lectio.
vi	f viij.	kl.	26	Eleuthery pape & mar. Lectio.
	g vi.	kl.	27	Joānis pp & mar. Lectio. 8. R. Dñe. p
xiiii	A	v.	28	Germani episcopi & conf.
iii	b iij.	kl.	29	Petri celestini conf. 19. huius.
	c iij.	kl.	30	Felicis pape & mar. Lectio.
xi	d pad.	kl.	31	Petronille virginis lectiones.

A iij

KL Junius habet dies .xxx. Luna .xix.
Nox horas .viij. Dies vero .xvij.

e kl. junij.	1	Nicomedis martyris.	
f iij. Mon.	2	Marcellini petri z erasmi m ^r z.	O. l. cōs
g iij. Mon.	3	Joannis presbiteri	
A. Pri. Mon.	4	Enecomis abbatis.	
b. Homs.	5	Bonifatij mai.	glorū eius
c viij. Idus	6	Philipi diaconi z conf.	
d viij. Id.	7	Pauli episcopi cōstātinopolitani z cōf.	
e vi. Id.	8	Medardi epi z conf.	
f v. Id.	9	Primi z feliciam mar.	O. l. cōs.
g iij. Id.	10	Sidonij epi z conf.	
A iij. Id.	11	Barbnabe apli.	Dup minus o. l. cōs.
b prid Id.	12	Basilidi cirini naboris z nazarij m ^r .	O. l. cōs.
c Idibus.	13	Antonij conf. dup. maius totū officij.	
d xvij. kl. Julij.	14	Basilij episcopi z conf.	
e xvij. kl.	15	Viti z modesti atqz crescētie m ^r z.	O. l. cōs.
f xvij. kl.	16	Consortie virg.	
g xv. kl.	17	Ulmarij confessoris.	
A xij. kl.	18	Marci z marcelliani m ^r .	8. R. hec ē. O. l. cōs.
b xij. kl.	19	Servastij z pthasij m ^r .	8. R. hec est. O. l. cōs.
c xij. kl.	20	Octava. S. antonij. semidup.	
d xi. kl.	21	Siluerij ppe z m ^r .	l. cōs. 8. R. Dñe pue.
e x. kl.	22	Paulini epi.	lectio.
f ix. kl.	23	Albini martyris.	Vigilia.
g viij. kl.	24	Matinitas. S. Joānis bpta. dup. ma. oia	
A viij. kl.	25	De octava.	
b vi. kl.	26	Joānis z pauli m ^r z.	solēne. fere. oia. cū cō
c v. kl.	27	De octava.	(mem. octave.
d iij. kl.	28	Leonis pp nō trāssertur cū cōm. octave.	(o. l. cōs. Vigilia.
e iij. kl.	29	Petri z pauli aplorū.	Dup. mai. oia.
f pad. kl.	30	Comemoratio. S. pauli. apli.	Dup. min. oia

(S. marcialis)

KL Julius habet dies. xxxij. ⁷ na. xxx.
Mor boras. viij. dies vero. xvj.

- ix **S** kl. Julij. 1 Octā. s. joē mis bptē semid cū com aplo
viij **A** vj. Non. 2 Visitatione bte marie. dup. maius oia.
vj **b** v. Non. 3 De octaua. cū cōme. aploz.
xvj **c** iij. Non. 4 De octaua. cū come. aploz.
v **d** iij. Non. 5 De octaua. cū cōme. aploz.
xij **e** id. No. 6 Octā. aploz petri z pauli dup. min⁹. o
ij **f** Nonis. 7 De octaua. (lectōe
ij **g** viij Idus. 8 De octaua.
x **A** vj. Id. 9 Octaua visitationis. dup. min⁹.
x **b** vj. Id. 10 Septē fratū mī. 8. lx. Dec est vera lco.
x **c** v. Id. 11 Pij. pape z mī. lectio.
xvij **d** iij. Id. 12 naboris z felcis mī. of. Notag. tertia b
viij **e** iij. Id. 13 Anacleti pp z mī. lco. ca mēsis Julij f
x **f** id. id. 14 bonevcture doct. z cōf. offm angeli cū
x **g** Idibus. 15 Quirici z iulite mar. disub duplici n
iij **A** xvj. kl. Augusti. 16. Aleri conf. iozi cū com. dñi
vj **b** xv. kl. 17 Juste z ruphine virg z mī. totū offic
xij **c** xv. kl. 18 Symphrose cū septē filiis mar. lectōes.
ij **d** xij. kl. 19 Marine virg. z mar.
ij **e** xij. kl. 20 Margarite virg. z mar.
ix **f** xij. kl. 21 Praxedis virg. lectio.
ij **g** xj. kl. 22 Marie magdalene. semid. p. omnia.
xvij **A** x. kl. 23 Apollinaris epī z mar. oio.
vi **b** ix. kl. 24 Christine virg. z mart. lectōes. Vigili
x **c** viij. kl. 25 Jacobi apostoli dup. maius. oio. lectōe
xij **d** viij. kl. 26 Anne dup. maius. omnia.
ij **e** vi. kl. 27 Pantaleonis mar. lectio.
ij **f** v. kl. 28 Iazarij. celsi. victoris z inocētij. mī. of. l
x **g** iij. kl. 29 Barthē. virg. nō trāffertur. oio lectōe
x **A** iij. kl. 30 Abdon z Sennen. mar. oio lectōes.
ix **b** pad. kl. 31 Adartialis. epī. 30. Junij.

KL Augustus habet dies. xxxj. Luna. xxx.
Hor horas. x. Dies vero. xiiij.

- ij** kl. augusti. **Petri** ad vincula dup. minus. **Omnia.**
vi d iij. **Mon.** **Stephani** pape z martyris. **oro z lectōes.**
e iij. **Mon.** **Inuentio. s. stephani** p. b. **oro lectōes. no**
f **Pr.** **Mon.** **Iustini** presb. z mar. **(trāster.**
ij **g** **Homs.** **5** **S. marie de m.** dup. minus oia.
vi **vij.** **Id.** **6** **Transfiguratio dñi** dup. manus. omnia.
b **vij.** **Id.** **7** **Festum nominis iesu.** dup. mai. **lc. Bame**
tis mar. coru offm.
c **vj.** **Id.** **8** **Ciriaci** largi z **sinaragdi** m. **oro z lectō.**
d **v.** **Id.** **9** **Romani** mar. **ectio. vigilia.**
vi **e** **iiij.** **Id.** **10** **Laurentij** mar. dup. manus oia.
ij **f** **ij.** **Id.** **11** **Tiburtij z susane** m. **oro lc. cū com. octē**
g **Pr.** **id.** **12** **Clare** virg. cum com. octaue.
vi **h** **Pr.** **id.** **13** **Hipolyti z ioc. ei.** m. cū com. octē **of. f**
ij **b** **xix. kl. Septeber.** **14.** **Eusebij** p. s. b. z cōf. cū com. octaue.
(Ofo. lcō. vigilia.
c **xviij. kl.** **15** **Assumptio brē marie** x. g. dup. mai. oia.
vi **d** **xvij. kl.** **16** **Rochi** conf. cū com. **S. lau. z oct. assup.**
c **xvj. kl.** **17** **Octa. s. lauretij** semidup. cū com. assup.
f **xv. kl.** **18** **De octaua.**
ix **g** **xiiij. kl.** **19** **De octaua.**
vi **h** **xij. kl.** **20** **De octaua.**
vi **b** **xij. kl.** **21** **De octaua.**
vi **c** **xj. kl.** **22** **Octaua assumptionis** dup. minus.
d **x. kl.** **23** **Bernardi** abb. z conf. **lcōes. 20. huius.**
xiiij **e** **ix. kl.** **24** **Bartholomei** apli dup. min. **oro lectōes.**
ij **f** **viiij. kl.** **25** **Ludouici** conf. regis francorū.
g **vii. kl.** **26** **zepherine** pape z mar.
ix **h** **vi. kl.** **27** **Christophori** mar. **25. Julij.**
b **v. kl.** **28** **Augustini** epi z conf. dup. min. **oro lc.**
xix **c** **iiii. kl.** **29** **Decollatio** joānis b. p. t. semid. quasi oia
viiij **d** **iii. kl.** **30** **Felicis z adaucti** m. **Ofo lectōes.**
e **Pr.** **kl.** **31** **Felicis, Siplicij, faustini z beatricis** m.
30. iulij **oro lectōes.**

KL September habet dies. xxx. Luna. xix.
Nox horar. xij. Dies vero. xij.

- vi** f kl. Septeb. 1 Duodecim fratrum martyru.
v g iij. Monas. 2 Antonini martyris.
iiii h iij. Mon. 3 Abachabeoru miz lectoes. 1. Augusti.
iii b iij. Mon. 4 Domini conf. oio lectoes. 5 Aug.
ii c iij. Mon. 5 ... felicissimi z agapiti. m. 6. aguti
d viij. Idus. 6 donati epi z conf. oio z lectoes. 7. Au
i e viij. Idus. 7 Sipliciani epi z cof. oio z lectoes. 8. au
f vi. Idus. 8 Natiuitas. S. marie virg. dup. ma. o
xviii g v. Idus. 9 De octaua.
xvii h iij. Idus. 10 De octaua.
b iij. Idus. 11 De octaua.
xv c iij. Idus. 12 De octaua.
xiiii d iij. Idus. 13 De octaua.
e xviii. kl. Octobris. 14 exaltatio. s. crucis. dup. min.
com. octa. o
xiii f xvij. kl. 15 Translatio. s. vinceti dup. mai. totu o
ii g xvij. kl. 16 Octaua beate marie dup. min.
xi h xv. kl. 17 Agapiti mar. oio lectoes. 18. Aug.
x b xij. kl. 18 Helene regine. 18. Aug.
c xij. kl. 19 Lodouici epi z conf. oio lectoes. 19. au
xvii d xij. kl. 20 Eustachij z socioz ei. m. solen no t
fer. in Thigili
vi e xij. kl. 21 Barthei apli z euageli. dup. min. oio
f x. kl. 22 Octa. s. vinceti. dup. mi. totu offm. su
xiii g ix. kl. 23 Linip. z mar. lectio. (in t
ii h viij. kl. 24 Timothei. hippoliti. z simphoriani. m
b viij. kl. 25 Firmini. m. (oio. lect. 22. au
xi c vi. kl. 26 Ciprianiz iustini miz. oio. lectoes.
x d v. kl. 27 Cosme z damiani m. dup. min. oio.
e iij. kl. 28 Hermetis mar. lect. 28. aug.
xviii f iij. kl. 29 Dedicatio michaelis arch. dup. ma. c
g iij. kl. 30 Hieronimi psb. z cof. dup. min. oio.

R October habet dies. xxxj. Luna. xxiij.
Mox horas. xiiij. Dies vero. x.

A kl. Octobr. 1	Gerisime marime. z iulie dup. min ⁹ totu
b vj. Nonaz. 2	Remigii. epi z conf. (officiu.)
c v. Non. 3	Egidij abb. 10. 1. Septembris.
d iiij. Non. 4	Francisci conf. dup. minus. ord. lectoes.
e iiij. Non. 5	Hadrianus. 1. lectoes. 8. Septemb.
f Pri. No. 6	Borgonij mar. 2. ratio z lectiones.
g Nonis. 7	Sergij. Bachi. Marcelli z pulei m ^r . oio.
H viij. Id. 8	Abartij pape z conf.
b viij. Id. 9	Dionisij. Rustici z eleuterij. martyz.
c vj. Id. 10	Gerbonij epi z conf.
d v. Id. 11	Prothi z hyacinti m ^r . 11. Septeb. of. lc.
e iiij. Id. 12	Cornelij z cypiani m ^r . oio. 14. septē.
f iiij. Id. 13	Alcomedis mar. oio. lecto. 15. Septeb.
g Pradie. 14	Calixti pape z mar.
A gdiibus. 15	Euphemie. lucie z geminiam m ^r . oio. lc.
b xvij. kl. Nouebz. 16	Isidori. conf. oio. lc. (16. septē.)
c xvj. kl. 17	Auricij z socioz ei ⁹ m ^r . of. lc. 22. septē.
d xv. kl. 18	Luce euageliste dup. min ⁹ . oio z lectoes.
E xiiij. kl. 19	Septē m ^r . ord. minor. lectoes. 18. huius.
f xiiij. kl. 20	Serene virg. z m ^r . solene g ^{ra} . Sacthere
g xij. kl. 21	ne. Dup. mai ⁹ totu offm.
A xi. kl. 22	Undecim mil. virg. omnia semicup.
b x. kl. 23	Hilarionis abb. lectoes. heri.
c ix. kl. 24	Geraldij conf. 12. huius.
d viij. kl. 25	Chrysostomi z varie mar. oio z lc. 25. hui ⁹
E viij. kl. 26	Crispini z crispiniani m ^r . oio z lectoes.
f vi. kl. 27	Euaristi pape z mar. lectiones.
g v. kl. 28	Uinceti z sabine. christetis. m ^r . Eboresi.
A iiii. kl. 29	8. Ik. hec est vigilia oio z lect.
b iiii. kl. 30	Simonis z iude apoloru. dup. min ⁹ .
c Prid. kl. 31	Iuonis confessoris 26. huius.
	Victoria christianoz. dup. mai ⁹ totu offm.
	Quintini martyris. Vigilia.

C Nouember habet dies. xxx. Luna. xxi.

November. 3. xvi. Dies vero. viii.

on. ci	d. kl.	Novemb. 1	Festivitas omnium sctorum. Dup. ma. 2
xv	e. iiii.	Nonas. 2	Comemoratio omnium fidelium defunctorum. De
ij	f. iij.	Non. 3	De octava.
	g. Idus. No. 4	De octava.	
x	a. Idus.	De octava.	
	b. viij.	Idus. 6	De octava.
xviii	c. vii.	Idus. 7	De octava.
vii	d. vi.	Idus. 8	Octava omnium sctorum. dup. ma. 9
	e. v.	Idus. 9	Dedicatio basilice saluatoris. dup.
xv	f. iiii.	Idus. 10	Triphobis respicij et niphbe mtr. ofo. le
iiii	g. iij.	Idus. 11	Martini episcopi semidup. Dial.
	a. Idus.	Idus. 12	Martini pp. et mtr. lectio. 8. h. Dne p.
xii	b. Idus.	Idus. 13	Bucij episcopi et conf.
i	c. xviii.	kl. Decembus. 14	Cesarij. mar. ofo. 1. huius
	d. xvij.	kl. 15	Vitalis et Agricole mar. 4. huius
ix	e. xvi.	kl. 16	Leonardiconf. 6. huius.
	f. xv.	kl. 17	Quatuor corona. mtr. ofo. lectio. 8. hui
xvii	g. xiiii.	kl. 18	dedicatio basilice. petri et pauli. du. n
vi	a. xiii.	kl. 19	Elisabeth vidue semidup. ofo. lectio
	b. xii.	kl. 20	Theodori mar. ofo. lectio. 9. huius
xiiii	c. xi.	kl. 21	Presertatio virg. marie du. mar. of
iii	d. x.	kl. 22	Lecilie virginis et mar. semidup. of
	e. ix.	kl. 23	Clemetis pp. et mtr. solenne g. al. ofo.
xi	f. viij.	kl. 24	Grifogoni mar. ofo. lectiones.
xix	g. vii.	kl. 25	Catherine x. g. et mar. semidup. ofo.
	a. vi.	kl. 26	Petri alexandrini epi et mar.
viii	b. v.	kl. 27	Benne martyris. Lectio. 11. huius.
	c. iij.	kl. 28	Jacobi intercisi mar.
xvi	d. iij.	kl. 29	Saturnini mar. ofo. lectio. Vigili
v	e. Idus.	kl. 30	Andree apli dup. minus. Omnia.

December habet dies. xxxj. Luna. xxx. Flor. heras
xvi. Dies vero. viij.

f kl. Decemb. 1	Pōtiani pp̄ z m̄r. lco. 8. R. Dñe p̄ue. 19. no
g iij. Mon. 2	Bibiane virg. z mar. nebris.
A iij. Mon. 3	Felicitatis mar. oio. 2. Mouebis
b id. Flo. 4	Barbare virg. z mar.
c nonis 5	Geraldī archiep̄i. zachareñ. totū officiu
d viij. Idus. 6	Nicolai ep̄i z cōf. semidup. oio. lcoēs.
e viij. Id. 7	Ambrosij ep̄i z cōf. dup. min⁹. oio. z lcoēs.
f viij. Id. 8	Loceprio br̄e marie virg. dup. maius.
g v. Id. 9	De octaua.
A iij. Id. 10	Abelchiadis pp̄ z mar. lco. cū com. octa.
b iij. Id. 11	Damasi pape. oio lcoēs. cū com. octaue
c iij. Id. 12	De octaua.
d Idibus. 13	Lucie virg. z mar. semidup. cū com. oc- (taue. q̄ totū officiu.
e iij. Id. 14	De octaua.
f xviij. kl. 15	Oct. Loceprio br̄e xg. marie dup. mi.
g xvij. kl. 16	Sabbe abb. 5. hui⁹. (ix. pp̄ua.
A xvij. kl. 17	Lazarī cōf.
b xv. kl. 18	Comemoratio br̄e marie virg. dup. maius
c xij. kl. 19	Leocadie xg. z m̄r. toletae. 9. hui⁹. oio. z lco
d xij. kl. 20	Eulalie. virg. z mar. emeriten. 10. hui⁹. oio. lco.
e xij. kl. 21	Vigilia. Thome apli dup. minus. oio. lcoēs.
f xij. kl. 22	Cliff ep̄i z cōf. 1. hui⁹.
g x. kl. 23	Anasthasie mart. 25. hui⁹.
A ix. kl. 24	Vigilia natiuitatis domini.
b viij. kl. 25	Stetitūas domini iesu xpi. dup. ma. oia
c viij. kl. 26	Stephani p̄thomar. dup. mai⁹. oia.
d viij. kl. 27	Joānis apli z euāgeliste. dup. mai⁹. oia.
e v. kl. 28	Scōrū innocentū. m̄r. z semidup. oia.
f iij. kl. 29	Thome archiep̄i z mar. Solēne lcoēs.
g iij. kl. 30	Trāslatio. s. iacobi apli dup. mi. totū off.
A iij. kl. 31	Siluestri pape semidup. oio. z lcoēs.

Hec subscripta factoru festa. **2^a** in breuiario Romano
continetur. et de **1^a** ebra. adu est in gula in quibus reperi
tur breuiarijs diuerse consuetudines. breuiariata sunt.

- I**anua. **22** S. Vincētius habet totū officiū in breuiario
lusbriensi. Compostellano. et Ebozeni.
23 S. Idel. **2^a** in breuiario Salusb. Bracha
Ebozeni. **lect.** in cōpostellano. totū officiū.
29 Octaua. S. Vincentij in breuiario salusb. **lect.**
Febua. 27. Eleander in salusb. **lect.** in bracharen. vero. **lect.**
12. Victor in bracharen et cōpostella. **ofon. et lect.**
16 Fructuosus bracharen. Archip. in breuiario
Apul. 12. charen. **lectio. et oratione.** in salusbrieni. et cōp
tellano. **lectio.**
Festus gaudiorum beate Marie virg. **dup.** fu
ria. 2. post. dominicam in albis.
13 S. Maria ad martyres in salusb. **Lectioes.**
Maii. 21 Mantius in ebozeni. **dup. lect. et ofon.** in cōp
orationem.
Julij. 17 Iusta et rupbina in salusb. et cōpostella. **lect.**
in Ebozeni. **lectio. et ofonem** in bracharen. **Ofon**
August. 7 Festum nominis iesu in salusb. **dup.**
Septē. 15 Translatio. S. Vincentij in salusb.
22 Octaua eius in salusb.
1 Gloriosissimus maxima et iulia. in salusb. **lect.** in
postellano et bracharen. **oratione.** in Ebo:
lect. et ofonem.
Octob. 20 Berena in salusb. bracharen. et ebozeni. **Lectio**
et ofonem in cōpostellano. **oratione.**
25 Crispinus et Crispinianus in salusb. **lect.** in E
ren. **lect. et ofonem** in bracharen. **Ofonem.**

27. S. Vincētius. Sabina Chriſtetis. in Saluſb.
lect. in Compoſt. & Eboꝛeſi. lectio. & orationē
in Brachareſi. *Orationem.*
30. Victoria chriſtianorum. *dup. manus.*
5. S. Geraldus Archiepiſcopus brachareſi. in
Saluſb. lect. in Eboꝛeſi. Lect. & orationē. in
compoſt. lect. & orationē. Inuitatorium. Ad
magt. añ. in Brachareſi. totum officiū.
19. Leocadia in cōpoſtel. & Eboꝛeſi. lect. & orōnē.
in Brachareſi. *Orationem.*
20. Eulalia in ſaluſb. lect. in compoſt. Brachareſi.
& eboꝛeſi. lect. & orationem.
30. Trāſlatio. S. iacobi i ſaluſb. lect. i brachareſi.
orōnez lect. & mas. ad hñs. & magt. in eboꝛeſi.
orōnem & lect. in compoſt. totū officiū.

In ſabbatis totius anni. dicetur officiū beate *Marie* vir
gins niſi feſtū duplex. aut ſemiduplex. aut ſolēne occurrat.

De ſancto cuius fuerit inuocatio alienius eccleſie fiat du
plex. & ſodie. in eadē eccleſia. Quamuis in hoc Calendario.
a ſuo loco tranſferatur.

In ceteris vero omnibus vnusquiſq; breuiarij *Romani*
regulas ſequatur.

In vigilia scti Vincen-
centij martiris. *an.* Assumpt⁹ exequileo.
cū reliquis de laudib⁹. *ps.*
dixit dñs. cū reliquis. *In*
sine. ps. Laudate dñz oēs
gētes. *Lap.* Beat⁹ vir in
uētus: est sine. qre in comu-
ni vnus marti. *ymnus.*

Vir istī martir glo-
riosus. flos sctō
rūroseus. spōse
dei bellicosus fi-
dei qz clipeus. *M*orte vin-
cēs preciosa. dacia nū im-
piū. in hac die p̄ciosa. celi
scandit solium. *L*eo fremit
sed nō tremat. agnus eius
furias. et pugnando corde
premit. minas et iniurias.
*A*ucta vincit elementa. si
dei cōstātia. dira perferēs
tormenta. veri dei latrā.
*H*er ater obscuratur tene-
brofī carceris. miles christi
quo feratur. testis super as-
peris. *S*ed vt stella matu-
rina carcerē vincentij. mor-
perlustrat lux diuina. igne
sui radij. *O* horus levis pre-
paratur. presidis imperio.
in quo sancti corpus datur
vulnerū remediū. *V*acia
nus emolūt. inter hec sup-
plicia. cui christ⁹ elargitur
digna palme premia. *H*ic

nos christe venerātes hym-
nis psalmis cātib⁹. sac gau-
dere tibi dantes. laudes in
celestib⁹. Amen. *v.* Gloria
et honore coronasti eū dñe.
R. Et pstitisti. *Admag.*
an. Sacra hui⁹ diei solē-
nitatē humili celebrem⁹ de-
uotione: qz in victus chri-
sti martir vincētius tirāno
deuicto isignē victorie pal-
mā celo gaudēs itulit. *Pro*
Adesto dñe supplica-
tionibus nostris: vt
qui ex iniquitate nra reos
nos esse cognoscim⁹: beati
vincētij martiris tui inter-
cessiōe liberemur. *P*er do-
minū nrm *Ad matutinū in*
uitatorij. Vincentē mun-
dū adorem⁹ dominū. *p.* In
quo pressuras mundi mar-
tir vicit vincētius. *ps.* T-
nite exultemus. *R.* an⁹.
Christi martir glorios⁹. *t*
supra. *In primo nocturno.*
an. Sctūs vincētius apue-
ricia studijs literarū tra-
ditus superna sibi prouidē-
te clemētia: gemina sciētia
efficacissime claruit. *ps.*
Beatus vir. *an.* Sāctitate
quoqz in signis diaconi ar-
ce suscepta: vices pontifi-
cis diligēter exequabatur.
ps. Quare frum. *an.* Gla-
rierius igitur eps. *reut.*

223
nus
rij.

vincentius spe fruendi vi-
ctoria diuinitus subintrin
confessione deitatis alacri-
ter cucurrerunt. **ps.** Dñe
quid multiplicasti. **v.** Glia
z honore coronasti eū dñe.
R. Et constituisti eū. **2. cō. 1.**

Passio sancti ac
beatissimi vincē-
tyleuite z mar-
tyris christi qui
passus est valencia in ciui-
tate sub datiano preside.
xj. kalend. february. era.
ccc. xvj. Probabile satis ē
ad gloriam sancti vincētij
martiris: quod descriptis
passionis ipsius gestis: ti-
tulū inuidit inimicus. Un-
de fide reddimus plena re-
latione gestorū que littera-
rū apicibus ānotari iudex
non immerito noluit: quia
vic. se erubescere audiri.
Ma. ualis siquidē pro-
uidencia est malle erratū
auferre de medio testimo-
niū probitatis. Sed quo-
niā nobile martiris trium-
phū noticie fidelīū trade-
re disponimus: dignū est
ut et generis ipsius nobi-
litas breuiter intinuetur.
Erat itenim patre entio
progenitus: qui fuit a gre-
ti nobil. ssimi consulis fili.
De. vero eius enolla.

ex osca vrbē nescitur pro-
creata. **Tu aū. R.** Sacra
pretentis diei solēnitatem
humili celebrem⁹ deuotio-
ne: qua inuict⁹ christi mar-
tir vincentius tirāno de-
victo. **p.** In signē victorie
palma celo gaudēs intulit
v. Per acto passionis suo
venerando triūpho ange-
lorū cetibus comitatus. **p.**
In signē victorie. **2. cō. ij.**

Qui a pueritia studiis
litterarū tradit⁹: su-
perna providente clemen-
tia: que sibi eū preuidebat
vas electionis futurū: ge-
mina sciētia sub beato va-
lerio cesar auguste ciui-
tis amittite efficacissime
claruit. **Ac** quo etiā sancti-
tate in signis diaconij ar-
cem suscepit. **Et** quoniam
idez episcopus impeditio-
ris lingue fuisse dignosce-
tur. **Tradito** doctrine mi-
nisterio venerabili vīcen-
tio: ipse orationi et diuine
cōtemplationi sedulus in-
sistebat. **Ac** vero memora-
tus archidiaconus vices
sepe pontificis diligēter z
oportune exēbatur. **Tu**
autem dñe miserere nobis.
R. Sanctus vincentius
christi martir puldēte sup-
na clemētia. q̄ sibi eū preui-

debat vas electiōis futurū
P. Gemina sciētia efficacil
time claruit. **V.** Scititate
quoq; insignis diaconi jar
te suscepta: vices pōtificis
diligenter exēbat. **P.** Ge
mina sciētia. **Lctō terrē.**

Quam igitur apud ce
sar augustā ciuitatē
vt multoz sinceritas et si
gnata veritatis verba tes
tantur daciano cui dā pre
fidi gētili et sacrilego ado
minis et principibus suis
diocletiano videlicet z ma
ximiano seuiendi in chris
tianos forte occasio cecid
isset et ei ob latranti pro
phane crudelitatis rabies
aspīrasset: episcopos ac p̄f
biteros ceterosq; sacri or
dinis ministros spū nequi
tie exagitatus capīpcepit
Protinus ergo valerius
eps z vincētius archidia
conatus fidei soliditate z
spe fruende victorie subni
xi in confessione deitatis
alacriter concurrerunt. tā
to feliciores se futuros esse
credentes: quanto acriora
tyranni supplicia pia lōga
nimitate certassent euice
re. Tu aut. **R.** Leuita vī
cētius dixit beato valerio
si iubes pater sc̄tē respon
sis iudicē aggrediar. iam

tibi fili carissime diuini
bi curā cōmiseraz. **P.** Nūc
quoq; profide qua astam
responia cōmitto. **V.** Ibi
enim gemina sciētia pollē
ti. ac supermi amoris igne
feruēti celestis olim doctri
ne minister iuz delegaui. **P.**
Nunc quoq;. **V.** Gloria p̄i
P. Nūc quoq;. **In. ij. noct.**
an. Tanto nāq; feliciores
se esse credebāt q̄to āplio
ra tyranni supplicia pia lō
ganimitate certassent euī
cere. **ps.** Cū inuocare. **an.**
Leuita vincētius dixit bea
to valerio. si iubes p̄i sc̄tē.
respōsis iudicē aggrediar
ps. Verba mea. **an.** Gā tibi
fili carissime diuini verbi
curā cōmiserā: nūc quoq;
pfide qua astam? respōsa
cōmitto. **ps.** Dñe dñi. n̄r.

R. Coronā d̄lapi p̄cioso.
Unde certa **L. cō. iij.**
minis ac penaz dila
tio. remunerationis eis vi
debat diminutio. At datia
n̄ iudex sc̄tōs dei primova
lētiam sub carcerali custo
dia z famis misia: et cathe
naz stridore ptrahi p̄cepit
vt eos veratione. itineris
frāgeret. et facilius subige
ret iniuria: quos videbat
non posse superari a pena

Qui cum manibus et ceru-
icibus immensa ferri pōde-
ra sustinerēt: et per omnes
artus iam tunc mortis sup-
plicia paterentur: cūq; eos
defecisse iam crederet iugi
inuria fatigatos et tādū
a publica cōuersatione se-
clusos: nec corpore preua-
lere nec spiritu: timens ne
seuitie sue dāna pateretur
pduci iussit e carcere: nol-
lēs eos ante tormenta vitā
finere. Tu autē dñe mīse.

R. Ecce iā i sublimē agor
et omnes principes tuos
seculo altior: tyranne despi-
cio nolo vt gloriā meā mi-
nuas: nec dāna inferas lau-
di. **p.** Parat⁹ sum enim ad
omnia tormenta pro salua-
toꝝ nomine sustinenda. **x.**
Insurge ergo et toto mali-
gnit̃is spiritu debacha-
re: vide is me dei virtute
plus posse duz torquor: q̃
possis ipse qui torques. **p.**

Paratus sum. **Lectio. v.**

Quibus proponebat
qd nec mortuis par-
ceret: fideorū suorū culturā
suscipere remissent. Nunc
pauefactus a cōspectu eo-
rum qd integri corpore et
viribus essent: et inter sup-
plicia fortiores. ait suis.
Et qd estis largiori passu

indulxistis et poru. **A**dira-
datur enī furore cecus rō-
bustus. Ne quos de⁹ pa-
uerat. Et mox conuersus
ad ep̃m: quid agis inquit
tu valeri: qui sub nomine
religiōis cōtra principes
facis? Nescis qui regalia
decreta spernūt: deuota pe-
riclitantur? Iusserūt dñi
orbis: et principes. vt dijs
libamina persoluatis. nolē-
tes dignitatem veteris cul-
ture nouis et in auditis le-
gibus profanari. Tu autē
dñe miserere. **R.** Assump-
tus ex equo leuiter vin-
centius: atq; ad patibulū
raptus. tortores suos pene
preueniens. **p.** Moras car-
nificum arguēdo ad penā
alacriter pperabat. **x.** In-
trepidus itaq; dei athleta
candentis ferri machinaz
vltro conscendebat. **p.** Mo-
ras carnificū. **Lectio. vi.**

Quid de quod monem⁹
obsequenter attende
quatinus tuo exēplo infe-
riores facile suscipiant. qd
te qui religiōis huius cer-
neris esse episcopus. vide-
rint nō spreuisse. Sed et tu
vincenti verbis meis salu-
briter obaudi: quē et nobi-
litas generis: et decor cō-
mendat gratissime iuuen-

tutis. itaq; vestre diffini-
tionis sententiam in cōmū-
ne edicite: vt aut consentie-
tes honoribus āplificemi-
ni. aut contēnentes: torne-
torum supplicijs subdāmi-
ni. Tu aut dñe. *R.* Christ-
miles gloriosus leuita vin-
centius. vt tribunal sponte
rogū conscendit intrepid⁹
p. Cuius salis crepitātis
per corp⁹ minutie. *p.* Spar-
sim ibant atq; prūne dena-
bantur sanguine. *x.* Inter
hec manet in mor⁹ ille dei
famulus. orans christuz in
sublime erectis luminibus
p. Cuius salis. *x.* Gloria
patri. *p.* Sparsim. *an. m.*
noctur. an. a. Beatus vincē-
tius: cuius iam mēs cōscia
erat corone dixit dacioano.
hactenus ate habitus ser-
mo denegāda fide porauit
ps. In dño cōfido. *an.* Ne
phariū tamen apud chris-
tianoz prudentiā esse cog-
nosce deitatis cultū abne-
gādo blasphemare. *ps.* Do-
mine quis habi. *an.* Profi-
temur enim christiane reli-
giōis nos esse cultores: ac
vnius veri dei per manētis
in secula famulos ⁊ testes
ps. Dñe in virtute. *x.* Ada-
gna est glia eius in saluta-
ri tuo. *R.* Gloriā ⁊ magnū

decorū impones super euz

Secundum Iohannem.

In illo tēpore. Dixit
Iesus discipulis suis
Amen amen dico vobis. ni
si granū frumenti cadens
in terra mortuū fuerit: ipz
solū manet. Si aut mortuū
fuerit: multū si uctū aſtert
Et reliq. *Homilia de isto*

Quia eiusdē. *Lctō. vij.*
Unq; reticeret ep⁹
erat enī mire simplicita-
tis et innocentie eruditus
sciēcia: s; vt premisum⁹ ipe
ditioris lingue ait vincēt⁹
Si iubes pater respōsis iu-
dicē aggrediar. Et beatus
valeri⁹. dudū fili charissi-
me diuini xbi curā tibi cō-
miserā: s; et nūc profide q̄
astamus. respōsa cōmitto
Tūc vincētius cui⁹ mei.
tota iā corone cōsci. erat
cōuersus ad daci. nū: hac-
tenus inquit ate habit⁹ ser-
mo denegāda fide porauit
Sed nefariū apd christia-
noz prudētiā esse agnosce
deitatis cultuz abnegādo
aliq̄tinus blasphemare. Et
ne telōgius p̄trahā p̄fite-
mur nos christiane religio-
nis esse cultores: et vnius
ac veri dei p̄manētis in se-
cula famulos ⁊ testes. Tu
aut. *R.* Beat⁹ dei athleta.

vincētis horredo clauus
ergastulo carceris. psalmi
deo et hymnū angelorū fre
quētia robo: artus letus di
cebat. **P** Quomiz vallatus
caterua venerāda foueba
tur obsequio et mulceba
eloquio. **D**ant ergo lau
des deo altissimo: et resonā
te organo āgelice vocis mō
dulata suauitas pcul dis
fūditur. **P** Quorū. **lco. viij.**

Leius noie contra
exquisita callidita
tis tue argumenta:
spīritalia cōstanter arma
pugnatur: excipimus: mi
nas tuas et supplicia non
metuētes. Supplicijs eniz
tuis erudimur ad coronā:
morte deducimur ad vitā
Seruiat proinde diabolice
fidelitati mortura caro
in p...: qm homo interior
fidē in... meratā suo serua
bit auctori. Ille etenim ve
nenatissimus serpens et in
satiabilis homicida: chris
tianā innocentia tormētis
et mortib⁹ vos cogit appe
tere. qui paradisi felicitatē
primis inuidēs hominib⁹
imortalitatis spoliatos di
gnitate mortis miserabilie
inodidit ac substrarit. Tu
aut dñe. **R** Agnosce o viū
ceti inuicti sime. pcul noie

fideliter decertasti. **p.** Ipse
tibi coronā pparatā: uat
cens qui te fecit victorē in
pemis. **E**sto igit iā secu
rus de premio: qz mor de
posito onere carnis: nō
... is addendus collegio. **p.**
Ipse tibi coronaz. **R** Gloria
patri. **p.** Ipse tibi. **lco. ix.**

T Die malignitatis as
tucia: idola p deo co
lūstituit. dolēs illuc homi
nē posse obediendo redire:
vide superbiēdo nōscitur
cōtrūisse. Ille est quē cū sa
tellitibus suis a corporib⁹
humani diuina inuocatio
ne eucimus. cui vos huma
nis figmentis ritū profanū
cultus exsolūstis: et noua
dementia creatori creatu
ram pferitis. Exarsit enī
diabolus aduersus chris
tianā fidē: et dū cōtemm se
ac dispici videt ingemit.
Jamqz pte ira pene extra
se positus: dacion⁹ ptes
dit. **A** mouete hinc: epis
copū istū. Iustū est eniz eū
subire exiliū quonā impe
riale contēpsit edictū. Bra
uiora aut in rebellē qui in
cōtumeliā publicā venit.
exhibere tormēta. **A**nimo
sitati etenim ei⁹ video inse
renda esse supplicia maio
ra: qz quicquid sibi accē

furus est pro pena. ipse pie
sumit ad gloriā. applicate
ei eculeo: ac in eis dulten
ter: et toto copore dissipate
hanc penā ante ipsa tormē
ta sustineat. Tu autē dñe.

Antiphona. Antiph.

Assumpt⁹ exequileo
leuita vincentius atq; ad
patibulū rapt⁹ moras car
nificū arguendo ad penā
olacriter properabat. ps.

Dñs regit. reliquias. an.

Inrepidus itaq; cādētis
terri machinā vltro cōscē
dens ac manēs imotus ere
ctis in celū lūmīnibus dñs
precabatur. an.

Hinc hor
rendo carceris clausus er
gastulo dei athleta angelo

rum venerando fouebatur

obsequio: et mulcebatur al

loquio. an.

Agnosco vin

centi inuictissimē: quia p

cuius noīe fideliter decer

tasti: ipse tibi coronā prepa

ratā seruat in celestib⁹. an.

Dantur ergo laudes deo

altissimo: et resonāte orga

no angelice vocis modula

ta suauitas procul diffun

ditur. Cap. Beatus vir q

inuentus est. *Antiphona*

O vincēt illeus lux neu

ma. totius hispanie.

Speciale sidus neuma reg

ni portugalie. *H* unde pre

ces dulci neuma. celi regē
glorie ne labamur in pro
bleuma. sathane nequitie.

Posselle vitatis crebris

in miraculis. tue fulget sū

ctitatis. virtus plena titu

lis. *U*ssus cecis a natura.

claudia gressus redditur

vis auditis eius cura. sur

dis claudia paliditur. *U*n

gua mutis referatur. plet

gata penitus. os loquelaz

modulatur eius prece celi

tus. *C*lures male peruerā

tur. spiritū demonij. sacro

nutu liberantur. martiris

vincentij. *P*e ferēdi sū

tatē tā gaudi in numeri. ei⁹

poscūt sanctitate. statiz fa

cti liberi. *C*li deus qui tot

bona. facis mirabilia. per

vincētē nos corona. ineter

na gloria. Amen. *Fr.*

yt palma florebit. *S*i

cut cedrus libani multipli

cabitur. *Antiphona. an.*

*E*gre

gius. martir dei vincentius

diris tormētoz. supplicijs

p christo alacrie supatis.

ac felici pugne agone cōf

tāter explecto tāde p̄ciosā

resolut⁹ in mortē triūphās

spūz reddidit. *Oro. q̄revis*

*P*er horas dici ante laud.

Ad. ly. vi. in. Cap. 7. R. 10.

biema dñi de cōi vni⁹ mar

tiris. Ad vesperas. Antiph.

Assump. tus ex equineo. et c.
cu reliquis de laud. ps. Di
xit dñs. cu reliquis in fine
ps. Credidi ppter. Cap.
hymni. et c. v. r. Ad mag
ana. Beat. vincētus ap
plicatis tormētis alacri di
vultu pñcia roborat. dixit
hoc est qđ semp optaueret
votis omnibus exquirit.
Ora vt sup. In primis vñs

In vigilia sancti
Ilesonfi epi. ad vs. ana.
Angelica cupiens. cu reli
quis o laud. ps. Dixit dñs
cu reliquis. i fine. ps. Lau
date dñs oēs gñs. Cap. Ec
ce sacerdos magn. qre in
cōi vñs cōi pñtificis. hy

Eli cōfessoris.
festū venerandū
nobis vt est moris
adeſt celebrādū.
I qu. us canoris. nobis
est imitandū: debitū ho
noris illesonso dandū. U
bs toleti gaude. tui glōsa
tanti pñs laude. eris tā fa
mosa. Patrono applaude
vñs iperiosa et pñcūctis
laude. es pñciosa. I llesonse
tuos. inua prece pia. fac iu
net vt suos. nos virgo ma
ria. I llesonse chaste decus
tue laud. instat chor. iste.
pie hūc exaudi. S it la. pñ
dec. nato. cōpar vñs spūs

his vñs. Amē. Ora p no
bis beate illesonse. Ps. Ut
origm efficiamur pñtifiōi
bus christi. Ad mag. a
decus ātistitū bonor. tā
cerdotū illesōse debitū. de
ri tui votū pñtita deo hoī
cuius tui matris virgin. ve
ra das testimonia et ipetra
ta venia. ex gratia. fac nos
certos de gloria. Oratio.

Deus qui beatū illesō
suz archipresulē tuū
aureola decoratū virginis
tue mñs especialiter obse
quijs deputasti: vt virgo
virgini deserviret pñta qđ.
vt eius precibus et meritis
sordib. expiati desideratā
qua itur ad patriā recōci
liatōs graz consequimur. p.

Admiraturū. Inuitatorū
Illesonse cōfessoris sectā
tes vestigia. p. Christū cor
dis oris laudem. melodia
ps. Clemente exultem. Hy

Inde denota hñnos
decātemus et mēte to
ta festū celestemus. intima
vota illesōso demus. vñs
patrono. N uic vt remota.
p hūc supplicem. culpas et
vota. digna deo demus lau
des. et tota mēte iubilemus
musice tono. S tirpe mētē
illesōsus natus: eno fūge
ti. moribus o. mat. oipote.

ti fuit adoptatus electioe
Urbipollēti eugeni? dat?
presul in gēti fama octo-
tus. adolescētī fida est pre-
lat? correptioe. **M**ēte agni-
na paret hic docēti. docto-
doctrina. fructū iā ferenti
hūc disciplina. supueniēti.
cēset instruēdū. **O**eitas tri-
na vnaq; da gēti. nūc ma-
tutina. vota p̄soluētī. v̄t v̄is
diuina. aſſiſtat credenti ad
derigēdū. **S**it la? p̄ri. **III.**
noct. añ. **P**rimo suscepte
solēnitati nocturno solēnē
exhibeam? ſctiſſimo illeſō
ſo vigiliā qm̄ primeno eta-
tis ſue ſe talē exhibuit quē
ſi dñs eius adueniret apra-
uis opibus vigilantē inue-
niret. **ps.** **Beatus vir. añ.**
Anni nāque puerilib? pue-
rilia i ſe viro q̄ſi iā euo ma-
turus innocue viuēdo mi-
rabilliter trāſcedebat. **ps.**
Quare frumue añā. **P**er
primā enim innocētie ſtolā
iā ſancti ſpūs illustratus
grā ſe ad alterā immortalita-
tis peruenire diuinitus no-
uerat. **ps.** **Dñe** quid multi-
plicati. **x.** amant eū dñs z
ornauit eū. **x.** **Stolā glie.**
Ecce dapes **Lctō. i.**
melliſui illius dñi
illeſonſi. aqua; de pa-
radīſo dei rapiens z per to-

tā beſperiā. **ps.** **gens.** in
ediā nōſtrā ingēti ſatiauit
cloquio. **H**ic impar meritū
ſanctiſſimi illius dñi iſido-
ri de cuius fonte adhuc cū-
entul? puriſſimos latices
bibit. **L**u aut. **x.** **H**ac ſan-
ctiſſimi ſūme ſedis toleta-
ne preſulis eugeni ſanct?
illeſonſus deditus institu-
tis. **s.** **P**rima ab eo littera-
rū rudimenta formāq; vi-
nendi diligenter edidit. **x.**
Moribus illius mores ſu-
os informās ad ſcendū de-
ſiderio ſuo. **Lectio. ii.**
Dum directus a ſcō
ac venerabili Euge-
nio: toletane ſedis metro-
politane epō: ad ſupradic-
tū doctore biſpalenſez me-
tropolitanum ep̄m. ſibi iā
ſciolus videbat. a deo
ab eo tentatus z eſt. **ps.** **ut**
eſt. et vt ferunt tē orali ſer-
ro conſtitutus vt ſi quid ei
de erat ſcētie plenius inſ-
trueretur. **L**u aut dñe. **x.**
Altioribus diſciplinis mi-
noribus iā puect? inbiās
beati iſidori eruditiffim?
doctōis ſubiectus dogma-
tibus ſpūalibus doctrine
mellicū ſerculū. **s.** **Quāto**
dulcius inuenit tanto au-
dius deguſtauit. **x.** **Quo**
t̄pore congruo admirabil.

ficās. **p.** Deo se totū. **lcō. v.**

Qui ab inuente etate
eunuchus permanes
magnum in se habitaculum
parauit qui non manubrio
manus: sed diuino secatus
est gladio. Nec ingenio fer
rameto. Resecuit libidine
sed promeruit sanctitatem
munere celesti. Tu autem do
mine. **R.** Cumque odorifera
sanctitatis sue forma redo
leret. **p.** Primitus abbas
effectus pontificalem tole
tane sedis prime dignita
te est adeptus. **v.** Iustitie
namque meritis et gratia do
nis grat⁹ erat oib⁹. **lcō. vi.**

Qui subito dono sup
no aflatu his tan
tis talibusque predecessori
bus suis equiter clares quod
illis clausum fuerat ipse re
seratum est. Sic enim ha
bitator suus spirit⁹ egit ut
quod iste celabat intus. ille
patefaceret foris. Tu au
tem domini misere nobis. **R.**
O zamora ciuitas regia
nulla gratior nulla iocun
dior. **p.** Iocundare gratu
lare tam beato confessore
facta beatio: atque tam cele
bris facta celebrior. **v.** In
te enim specialius multis
miraculorum signis coru
cauit in auditis amplius.

p. Iocunda egrania. **In**
tercio. 10. urno. aña. In
tantum viri memoria ultime
vigilie celebriter exequa
mur debitum qui in ultimo
uite vigilando vigilanter
et orando mirabiles ac ioc
undos assecutus est exitus. **ps.** Domine quis habita
bit. **aña.** Hic namque iuxta
pauli vocem currens. et cur
rendo decertans. sic cucur
rit. ut comprehenderet. sic
certauit ut nec succumber
ret. **ps.** Domine in uirtute tua.
añ. Hic igitur sui cursus
transcursu stadio si
tamini exacto prelio com
preso fruitur brauius triu
phali. potitur premio. **ps.**
Domine est terra. **v.** Tu es sa
cerdos in eternum. **R.** Secun
dum ordinem melchisedec.

Lectio septima

Et ibique parat⁹
adiutor fortissimus
occurrens ut iste ordi
naret quid in laudibus vir
ginum panderet ille reuela
ret. Quid mirum in athle
ta ostenderet ut inde fides
eius meritum coram homi
nibus declararet: et labo
res in agone spirituali de
donariis non euacuaret.
Sic egit ut quod per tot
annos populo desideratib⁹

nō ostensum fuerat iste pa-
tescaceret primus. Tu autē.
R. Cū beatus illesonius
ad beate leocadie tumulu-
s flexis genib⁹ oraret. **P.** Re-
ferato tumulo ipsa se de-
mōstrauit illi illius oracu-
culo. **R.** Cuius vestimenti
partē culto regis rescata
retinuit corā omni populo
P. Referato. **Lectio. viij.**
Et reliquias scē ac
deo dicatē virginis
sue leocadie adueniente in
sedere regia sua festiuitate.
oibus astantibus presenta-
ret ante sepulchrū eius ge-
nibus prouolutus tumulū
in quo sanctū eius co:pus-
culū vsqz hodie tumalatu
est exiliret. et opusculū qd
vir. xxx. iuuenes mouere
P. Tent nō humanis mani-
bus. angelicis eleuatū
veluz qd sancte martyris
mēbra tegebat viuēs foras
submitter. Tu autē dñe.
R. Specialis illa inter ag-
minavirginū virgo illa di-
uinitatis mater incorrupta
beato illesonso visa corpo-
raliter. **P.** Illi d thesauris
filij sui veitē dedit precio-
sam in qua sibi deseruaret
soli specialiter. **R.** Ubi pri-
us in auitū audite mira-
culum. **P.** Illi d thesauris.

R. Eliapri. **ps.** illi. **Leō. ix.**
T veluti manib⁹ bo-
minis extensum cōs-
pectui eius virgo pulcher-
rima obsequens presenta-
ret: clamātibus episcopis
principibus presbiteris. ac
diaconibus. clero atqz om-
ni populo. Deo gratias in
celo. deo grās in terra ne-
mine tacente. Tu autē dñe.
In laudibus aña. Angeli
cam cupiens sanctus ille-
sonius ducere vitā mundū
cū suo flore totuz deserēs
in carne ⁊ preter carnē vi-
uere disposuit. **ps.** Dñs re-
gnauit **cu ceteris. an.** Lau-
dibus virginuz ipse virgo
illesonius semp intentus
admirabili quodā genere
dictandi color coloratum
scripsit d virginitate libel-
luz. **an.** Legitur et multos
iuliano episcopo viro sacū
dissūmo atqz religiosissimo
testante beatus illesonius
alios scripsisse libellos. **an.**
In bti illesonsi matutinis
laudib⁹ sit bñdictus deus
a q cōdescēdit ois bñdictio
aña. Quē laus decet oia
laudemus dñz in facti sui
illesosi glīosis actiōib⁹ mi-
rabiliter gloriosum. **Cap.**
hymnus ⁊ R. dñr. sicut in
vesperis. **vt ā.** Ad bñs aña

O inuenta christi clemencia
cuius providentia beatus
illeson⁹ sedis r⁹
matu meruit obtinere illi⁹
supplicationes exaudire di
gneris pro nostris ad re de
lictis clementer supplican
tis. **Oratio.** Deus qui beatu
illesonsum. **ut supra.** **Per**
horas diei aⁿe. laud. **Ad**
lij. vj. it. cap. 2. R⁹is brevia
dñr de cōmuni vnius con
fessoris pontificis. Ad v⁹.
aⁿa. Angelicā cupiens. cū
ceteris de laud. ps. Dixit
dñs. cū reliquis. in fine ps.
Aemento dñe. Cap. h⁹u⁹
2. v. 3. Ad magnificat.
aⁿa. O venerāde pastor il
lesonse apuerit a xpi verus
imitator. ipsi christo regi
nostro cū ipso regnās in ce
lestibus supplica supplici
ter pro nostris excessibus.
Oratio ut supra.

In vigilia sancti iu
liani et basilisse marti. Ad
vespas aⁿa. Preses dies
sit celebris. cū reliquis de
laudi. ps. Dixit dñs. cū re
liquis et in fine ps. Lau
dare dñm oēs gentes. Ca
pl. Gustorum anime in ma
nu dei. qre in cōmuni plu
rimor martyrū. Hymnus

Erne revoltissi
me iuliani me
riū verillum no
bis imprime. de
tuorum militū. **Q**ulta tor
mentorū genera fustes se
ras incendium. per te vicit
et vulnera christe redēptor
omnium. **D**etracta cute
capitis. puer et sanctus se
dum. artūte petunt semitis
iesu saluator seculi. **C**cu
bunt tandem gladio. ad ip
sorum consortiū. nos dictu
ri cū gaudio. veni redēp
tor gentiū. **T**um per equa
supplicia. sancti cū malis
obediunt. techis scō. ing
nancia. verilla regis pro
deunt. **P**atri nato paracē
to. sit laus qui nobis diu
nit⁹. iuliani det merito cha
risima sancti spūs. Amen.
R. Letamini in dño et ex
tate iusti. **R.** Et glo
in omnes recti. **Ad magt.**
aⁿa. Iulia re nobilis doc
tor martyrū. m. bilis virgo
q̄ delectabilis fulget cum
celicolis in trinis aureolis
igitur te precibus supplici
bus deprecamur et seculis
hijs seculis periculis ne
subdamur. **Oratio.**

Deus mundi creator
Detrector: qui hūc diē
beatorū iuliani et basilisse

sociorumque eorum unum martyrio
consecrasti. cōcede propi-
tius. ut omnes qui marty-
rij. eorum merita veneramur
intercessionibus eorum ab
eternis gehēne incēdis li-
beremur. Per dñm nostrū.
Ad matut. Inuitatorum.
Laudem⁹ regē gratie. **P.**
Qui iulianū hodie locat ī
throno glorie. **ps.** Glemite
exultemus dño. **Hymnus.**

Iulianus caligine. ple-
no clusus in carcere.
celi letatur lumine. iam lu-
cis orto fidere. **S**anctus
inācti supplicia. sed fir-
mat hūc diuinitus. infidei
cōstācia. a patre vñgenit⁹
Post certamen erimū. mi-
rabilis milicie. tuū repor-
tat premiū. iam christe sol-
uticie. **O**rigus gaudens
au. olis docto. martir cū
virgi. e. laudatur a christi
colis. a solis ortu cardine
Oritatio. et gloria. I. tu
post tot d. crimina. iuliano
nos socia. o gloriosa dña.
amen. **In primo nocturno**
añ. In thalamo virgineo
illibati cōiugij lux celi ful-
get roseo cū odore vel lilij.
ps. Beat⁹ vir. añ. Virgo
sentit et socio sic se reddit
affabile sentis inquit quē
sentio odorem admirabile

ps. Quare fremuerūt. añ.
Gnose sponsi benignitas
sic respondeat his omnibus
sit cōdigna virginitas vir-
go fouet sermombus. **ps.**
Dñe quid multiplicati. **R.**
Letamini in dño et exulta-
te iusti. **R.** Et gloriamini
oēs recti corde. **Lection. j.**

OIta vel passio san-
ctorū ac beatissimo-
rū martyrum Iuliani et basil-
isse. et comitū eorū. qui pas-
si sūt in ciuitate antiochia
sub Martiano preside die
vj. id⁹ Januarij. Era. ccc.
xxxij. Beati martires secu-
lū vl tomēta supātes. hoc
nobis muneris reliquerūt.
qđ gesta passionū secū fer-
re nō posunt sed luctatib⁹
firmū reliqūt et exēplū effe-
cti sunt erratib⁹ via cecis
lumen titubantibus credu-
litas. Omnes prorsus vir-
tutū suarū signa declarāt
ac gremiū sactitatis inclu-
dunt. De hac archa iusti-
cie nullus errare potest. nī
si qui incredul⁹ permanet.
Nos autē qui hec legitis
et auditis credite nobiscū.
oia possibilis esse credētib⁹.
Ideoq; sine aliqua he-
sitatione hereditariū no-
bis bonum qđ imitemur
martires sancti reliqunt.

Tu autē dñe. **R.** Julianus
coniugio basilisse cōiun-
tur s; a carnis cōtagio ma-
culose disūgit. **p.** Mund⁹
mundo vestigio mundū ie-
ctari intitur. **R.** Virginalē
liliuz cōseruās cōsiliū chri-
sti cōplectitur. **p.** Mundus

Obscuro vos. **2. cō. ij.**
Itaq; oēs fratres; hec
audiētes; vt intento corde
inteligatis. quanta sit glo-
ria mūdūz relinquere; z vt
p angustā viā eorūde scō
rūz valeamus sequi vesti-
gia. Ut legendo gesta eoz
vera esse dicatis q in euā-
gelio veritas proteitatur
dicēs. Qd beatiōres sunt
qui nō viderunt z credide-
runt q̄s vidētes z credētes
Nos enī q̄ scīm⁹ z oculis
nrīs vidimus; martīz ges-
ta pposse descripsim⁹. **Tu**
autē. **R.** ij. Felices nuptie fe-
lix cōiūgiū qd imundicie
nescit cōtagiū. **p.** Hinc rex
mūdicie pmitterēs pmiū as-
stat cū acie celoz ciuiū. **R.**
Hinc marie felix p̄sentia
cū virgīnū astat frequētia

Uinc rex. **lctō. iij.**
Ide ergo z nobis
aliqd b̄itudinis credimus
p̄futur. Vos autē melior
spectat glia; qui auditis z
creditis posse implere dñz

in sc̄tis suis. **h. c. q. d. n. scri**
pta cogno. **al.** Bti igitur
juliani martīz nō primū
passionē in timabo; s; q̄lī
ab infācia sua se deo cha-
erhibuerit nō tacebo. **Hec**
Luc audiētes credite dicti
nrīs vt credēdo discatis; q̄-
lis sit merces credulitatis
Hic autē iulian⁹ nobili exor-
tus familia; illustris erat i
sclo. Quē parētes; vnicū pi-
gn⁹ vīscerū suoz; dulcē sus-
ceperūt sobolē. Quē oī do-
ctrina z sapiētia ita ibue-
rāt vt nō dialecticū euz nō
rhetoricū fulgeret i gemū
oiumq; actorū mūdī sapiē-
tiā ac si bon⁹ athleta chris-
ti thesauro cordis sui tene-
bat captiuā. Et sic vtebat
mūdo; tāq; nō vteret. **Tu**
autē. **R.** Aure scripta pp̄-
lat cedula p̄tor mūdī
carnis vīcula. **p.** Julian⁹
qd sit p secula cū b̄tis q̄ ca-
rēt macula. **p.** p̄p̄o fauēs
in celi culmine. **maria** sit
virgo x̄gine. **p.** Julian⁹. **R.**
Glia. **In. ij. noct. aña.** Hic
orbātur ābo parentib⁹ hic
monach⁹ cū decē milibus
hec cū multis degit virgī-
nibus. **ps.** Dñe quis habi-
tabit. **an.** Cū tūba virgī-
nea felix abbatissa i sede
fiderea sedet basilissa. **ps.**

Conserua me. *an.* **B**ona
chis martiribus ferme de-
cē mille vt rosarum florib⁹
celos ornat ille. *ps.* **D**ñi est
terra. *⁹* **E**xultent iusti in
conspectu dei. *⁹* **E**t delec-
tentur in leticia. *lectio. iij.*

Legerat enim magi-
strum omnium christia-
norum: apostolū paulū dicen-
tē. Preterit enī figura hu-
ius mundi. ⁊ ne cum ipso
mundo mundus ipse peri-
ret: sic se deo charum exhi-
bebat. vt sapiētiam mundi
stultitiā reputaret. Opta-
bat enim in pretereūte mū-
do: sine solitudine esse cū
christo. Erat enim amator
fidei christiane: ecclesie sã-
cte liminibus ad herens.
Tu autē dñe miserere. *⁹*

Marcianus martyrib⁹ mi-
nime erret supplicij inde
iubet in gentibus vii san-
ctos incendiū. *⁹* **T**ibi cer-
tis tempo-
rib⁹ dei vacant
preconijs accedentes lan-
goribus gaudēt curati va-
rijs. *⁹* **E**xultet celū laudi-
bus resultet terra gaudijs
⁹ **T**ibi certis temporibus
lectio. iij.

Suctorū ergastula
nullo iter mitebat die
cum sanctos dei aduicēdū
percurreret. Quasi bonus

negociator thesaurum re-
debat in corde suo: oim
electorum imitans auctus
Student singulorū virtu-
tes. cū gratia sanctitatis
exercere. Florebat inciusa
in visceribus perfecta cla-
ritas: q̄ foras mittit timorē
Et ita se ab omnib⁹ vicijs
et cōcupiscencijs castraue-
rat: vt recte deo clamiret.
Tu autē. *⁹* **D**ñi sequi desi-
derat proleziulianus inter-
dum accelerat penas mar-
cianus. *⁹* **I**lle penas tolle-
rat. fuit hic in sanus. *⁹*
Penas sanctus sufferens
gaudet cruciatus hostis il-
las inferēs auget cruciat⁹
⁹ **I**lle penas. *lectio. vi.*

Quandiu sum in hoc
mūdo: peregrino: a
domino. Et quia apud ho-
mines latere valebat. quod
christo placere cupiebat: ce-
labat propositum celabat
et sanctum desiderium. **H**ūc
parentes cum viderent tā-
ta animi intētionē christia-
ne religionis cultorib⁹ ad-
herentem: cōuocant ad se
venerabilem iuuenē: et hui⁹
verbis hortantur. **O** dulcis-
sime nobis et venerabile pi-
gnus: audi genitorū tuorū
salubre consiliū. quod per
venerabilem beatū paulū

apostolum magistrum om
nium christianorum: dictis
spiritualibus de tem...
volo iuvenes nubere. filios
filiasq; procreare pater fa
milias esse nullam dantes
occasionem maligno. Tu
autem dñe. *R.* Laceratur
corpuseulum fuste nodoso
ceditur cedēs amittit ocu
lus sed ipsi cesso redditur.
P. martianus miraculū mi
ratur. *R.* Et incredulū cor
indurans confunditur. *R.*
Nichil posse probatur ido
la visum prece reddit chris
ti cola. *P.* Martianus. *R.*
Gloria patri et filio. *P.* Et
in credulum. *An. m. uoci.*
an. Vincit ferro scūs
constringitur tāq; reus fo
ris producitur vox preco
nis illum prosequitur. *ps.*
Exultate iusti. *an.* Albis
viris considerans puer sā
ctum circumdatum credit.
curr it. et properās reliquit
schollas dogmatū *ps.* Bene
dicā dñm. *an.* Plāgit pa
ter arctatur anxi clamat
mater plorās vberius sed
pro chris to spernit hos fis
lius. *ps.* Deus noster refu
giū. *R.* Iusti autem imper
petuū viuunt. *R.* Et apud
dñm est merces eorū. *Euā*
gelium. Secundū iucan.

In mo tēpore. Des
cendēs iesus de mō
te. stetit in loco cam
pestri et turba discipuloꝝ
eius. et multitudo copiosa
plebis ab omni iudea et hie
usalē. et maritima. et thū
ri et sidon. Et reliq;. *Hom*
lia lectis eiusdē. Lco. vii.

P. Rogare nō solum
vt nobis consenciās
deprecamur: quantū
vt legi dñice obediens esse
cognoscaris. Ad hec bea
tus Iulianus respondēs
parentibus dixit. Nec vo
luntatis nec etatis tēpore
est: vt faciā quod hortan
i. Ad hec parentes respō
derunt. Annorum es circi
ter decem et octo. quomō
do ergo te excusare pote
ris: nec coniugiū sociari
Tu autē dñe. *R.* Car
li clausi caligine co
mortā
tur dei solamine. *P.* Amō
celis mix. et cū lumine fra
grat odor plei. et dulcedi
ne. *R.* Videns malicia vice
na talia credit celestia lau
dans magnalia. *P.* Naz de
celis mirtum. *Lco. vii.*

P. Volumus nunc vt de
tēpore causeris. vo
lumus enim te vnus vxo
ris esse virum: vt procrea
tione concessa cuꝝ pariter

fueritis ex vno consensu
vacetis deo: cessantibus
vel degentibus incitamen
tis carnis. vt vna volunta
te cum tibi sociata fuerit:
salutaribus monitis adhe
reatis. Tu autem dñe mi
sere. **R.** Efflans virus vi
pereum. hostis penas ex
aggerat vt succendat sul
fureum incudis ignem pe
peras sed eius pectus fer
reū furor ingēs exasperat.
p. Nam sanctis estum fla
meū nil nocere considerat.
R. Dum cernit hec fieri co
temnēs terrores credit pa
rens pueri relinquēs erro
rem. **p.** Nā fecis. **Lcīdaz.**

Hec agēdant parētes
eius: qualiter eorum
semen suscitaretur. quod
iam finē habere iam secre
ta. At. nisi pro citatione re
susci. retur. Cumq; parē
tuz molestias nō sustineret
et amicorum. Asiniū per
suasiones perhorrederet.
Tunc beatus iulianus sua
dentibus hoc respōsum de
dit. Ne promittendi mihi
est facultas: nec negādi po
testas. Hoc quod hortami
ni potestati domini mei co
mitto. Pro qua re dixerum
septem inducias peto. Et
secūdum quod ipse digna

tus fuerit inspirare: a me
responsū accipietis. Tu
... dñe. **R.** Victor victis
hostibus sit confors coro
ne que datur victoribus ce
li regione iuliani precibus
iesu pie bone. **p.** Nos cum
celi ciuibus post hāc vitaz
pone. **R.** Per quem fructū
vita viuificas spirans mē
tes reddes viuificas. **p.** Not
cū cell. **R.** Glia pñi. **p.** Nos
cū celi. Te deum laudam?
In laudibus. añ. Presens
dies sit celebris. iulianus
qua iubilat erectoq; de te
nebris auroa lucis rutilat
ps. Dñs regnat. **cū reli.**
quis. Añ. Quidaz sancti
transeunt per ignem pur
gati quidam celos adeunt
ense decollati. **añ.** Fons
emans oritur per quem
fiunt sani egrī lepra mori
tur prece iuliani. **añ.** Bene
dicam? iugiter eterni pa
tris filium qui ministra
uit largiter sancto suum
auxilium. **añ.** Adultos pa
ganos idola templum vas
tans explicitus est emse sic
celi colla deum collaudat
celitus. **Capitulum.** Iusto
rum anime in manu dei sūt

Hymnus.

Ululani digni? ce
lebretur solemnitas.

Illustra nos interius. o lux
 beata trinitas. **S**erua re
 uirginalia. vota uirgo duz
 conseruat. sponso spondes
 magnalia. vox clara ecce
 intonat. **S**ic per muru mar
 tirium. monachis decem mi
 libus. ornat ornatum celest
 rium. exultet celum laudi
 bus. **N**ec solio fidereo. uir
 ginali cum agmine. cantat
 ore uirgineo. gloria tibi do
 mine. **T**riuo deo sit gloria
 uirtus honor qui meritis.
 Iuliani det inclitis beata
 nobis gaudia. Amen. **Ps.**
 Exultabunt sancti in glo
 ria. **R.** Letabuntur in cu
 bibus suis. **Ad bñs. añs.**
 Benedictus misericors sit
 rex iesus quem mudi cordis
 iulianus absqz nebula per
 secula contemplatur cuius
 sine tedio fastidio cu gau
 dio consortio delectatur.
Oratio. Deus mundi crea
 tor. ut sup. **Ad horas diei**
dicantur ase. de laus. Ad
iii. vi. z. ix. Cap. et R. ia bre
ue dñr de comuni plurimo
rum martyrum. Ad uespas
omnia fiat sicut impulsis
uelpis. sed ad magnificat
dicatur añs sequens. Ple
bs fidelis laude magnifi
ca magnificu christum ma
gnifica iulianum pena mi

rifica qui perducit ad reg
 na celica. **ps.** Magnificat
oratio. ut supra.

In festo scilicet Leandri
episcopi et confessoris
sit totum officium de comu
ni uirtus confessoris ponti
ficis. perter orationem et
lectiones q̄secuntur. Oratio.

275
 brua

Quod opus deus.
 ut beati Leandri
 confessoris tui at
 qz pontificis: ve
 neranda solemnitas et de
 uotionem nobis augeat et
 salutem. **Per. d. L. ii. i.**

Leander beatissimus
 seueriano patre geni
 tus: natione carthaginen
 sis prouincie hispanie pro
 fessione monachus: et ex
 monacho hispalensis. et
 sic prouincie bethic. consti
 tutus episcopus uir suauis
 eloquio et ingenio prestan
 tissimus: uir. quoqz tanto
 atqz doctrina carissimus.
 Tu autem dñe miserere.

Ut etiam **Lectio. ii.**
 fide eius atqz doc
 trina tota gens go
 thorum ab arriana imma
 nia ad fidem catholicam
 conuerteretur testate bea
 to gregorio in libro dialo
 gorum in quo ait. Sicut

multorum qui ab hispania
rum partibus veniunt rela-
tione cognouimus. Tu autē
dñe misere nobis. *Lectio. ii.*

Rex hermigildus
rex leonigildi regis
gothorum filius ab arria-
na heresi ad catholicam fi-
dem viro reuerendissimo
leandro hispalensi episco-
po predicante dudum mihi
in amicicijs familiariter in-
cto comersus est quez pa-
ter eius arrianus vt ad eā
dem heresim rediret et pre-
mijs suadere et minis ter-
ro et conatus est. Tu autē
domine misere. *Lectio. iii.*

Quāz ille constātissi-
me responderet nun-
q̄ se veram fidem posse re-
linquere quam semela bea-
t. andro agnouisset: iras-
tus ē. Per eum priuauit re-
gno reb. sqz omnibus spo-
liauit: et in arcta illum cus-
todia conclusus: collum
manusqz ill. is ferro liga-
uit. Tu autē dñe. *Lectio. v.*

Ep̄it idem hermigil-
dus iuuenis rex: ter-
renum regnum despiciens
et forti dñiderio celeste que-
rēs in cilicijs iacere vincu-
latus. Tu autē. *Lectio. vi.*

Et omnipotenti deo
ad confirmandum se

preces effundere tantoqz
sublimius gloriā transeun-
tis mundi despiciere: quan-
to et religat⁹ cognouerat
nichil fuisse qd potuit au-
ferri. Tu autē dñe misere.
*Tres vltime lectēs leg. in
tur de homilia sancti gre-
gorii ppe que incipit. Lec-
tio sancti euangelij fratres
charissimi sollicitate nos. et c.
Super euangelij fin. ma-
theu. In illo tempore dixit
iesus discipulis suis para-
bolam hanc. Homo quidā
peregre. et c. quer e in comu-
ni vnius cos. pontificis.*

In festo sancti Vi-
cto. is martiris. fit totū of-
ficiū de comuni vnius mar-
tiris preter orationem et le-
ctiones que secūtur. *Ofio.*

Resta q̄s omni-
potes de⁹ vt qui
bti victoris mar-
tiris tui natalis-
cia colimus a cunctis malis
imminētibus eius interces-
sione liberemur. Per dñm
nostrum. *Sermo sancti au-
gustini episcopi. Lectio. i.*

Sancti martiris victo-
ris fratres charissimi
fortissimā et gloriosissimā
passionem celebrare solēni-
ter iuuat: et non segniter

12. ap-
lis.

predicare. Quidm^o animo
et cognitione perspeximus
quanta pertulerit: que au-
dierit: queq; respōderit: et
quodā modo ante oculos
mirandum spectaculū cōs-
titutū est. Tu aut. *Lectio. ij.*

Inder iniquus: tortor
cruentus: martir inui-
ctus: crudelitatis ac piera-
tis certamine. et hic insa-
nia: et inde victoria lectio-
ne personāte auribus nr̄is
exarsit charitas in cordib⁹
nostris. Amplecti oscula-
ri si posset fieri dilaniata
illa membra vellemus: que
tantis pēnis sufficere mira-
bamur et ineffabili affectu
cruciari videbamus. Tu
autē domine. *Lectio. iij.*

Quis enim velit vide-
re semētē carnifices
et hominē in corpus huma-
nū amissa humanitate sur-
rētem. Quē cernere libeat
diuaticatos machinatiōe
arctus tormenta natura si-
gurā arte immanitatis ere-
ctaz ossa extendendo sepa-
rata excozando nudata.
Tu aut domine. *Lectio. iij.*

Quis non auesetur:
quis non exhorreat:
omnia feda. et horrenda in-
sticia sancti victoris marti-
ris faciebat: et ipse pro fide

pro pietate: p^r spe futuri se-
culi in charitate chr̄isti: tā
mirabili fortitudine tetraz
et funestam tormentorū et
vulnerum faciē decore glo-
rie perfundebat. *Lectio. v.*

Deniq; in eodem ipso
vno spectaculo studi-
um persecutionis dimisi-
mus. illum delectat marti-
ris pena: nos causa: illum
quod patiebatur nos quia
patiebatur: illum cruciat⁹
nos virtus: illum q; in do-
loribus diutissime teneba-
tur: nos q; in doloribus mi-
nime frangebatur: illum
vtiq; persecutorem ibi sua
pascebat immantitas vbi
torquebatur sancti marti-
ris veritas. *Lectio. vi.*

Victor sanctus qui p^r
destinatione idoli
minū sicut a gētibz oca-
batur: cum statuat ipsius
idoli ornatum adorare no-
lisset ad quā iuxta flumē
ciuitatis nomine. Ille mul-
titudine gentiliū deduce: et
omni sece sordidum abhor-
ruisset: comprehensus est et
adductus est ad presidem
Cumq; christianū se esse p-
fiteretur: decollatus est post
multa crudelitatis tormen-
ta. Et quia cathecuminus
erat celo in chr̄isto sanguis

nis effusio baptismate co-
ronatus est per gratiā dñi
nostrī iesu christi qui est su-
per omnia in secula seculo-
rum. Amē. *Tres vltime le-
ctiones leguntur de homi-
lia sancti gregori epī. sup
euangelii secundū lucam.*
Si quis venit ad me et nō
odit patrem. &c. *vt in comu-
nius vnius martiris.*

In festo sancti fru-
ctuosi archiepiscopi bra-
charēsis ad vespas. *Cap.*
Ecce sacerdos magnus.
Isa. 54. 7. Iste confessor. 7.
Amavit eū dñs. &c. *Ad ma-
gnificat. añ.* O beate fruc-
tuose oīum corde ore voce
cantande o patrone singu-
laris amabilis intercede p-
his ad dñm. *Oratio.*

Quoniam sumus omēs
deus: vt beati fru-
ctuosi cōfessoris
trī. qz pōtificis
venerand. solēntas et de-
uotionem nobis augeat et
salutem. Per dñm. *Letera*
alia. 7. cantur de communi
vnius cōfessoris pōtificis
preter lectiones. Lectio. i.

Distās antiquas mū-
di tenebras superne
veritatis noua irra-
diavit claritas: et a sede ro-

mana prime sacte ecclesie
cathedra fidei catholice
dogma. 7. flagrans rutila-
ret immensitas: atqz ex egi-
pti orientali provincia ex-
celentissima sacre religio-
nis primicarent exēpla: 7
huius occidue plage ex-
gue perluceret extremitas
tis pīpīe claritatis egre-
gias diuina pietas duas
illuminauit lucernas isido-
ruz reuerendissimū scilicet
virū hispalensez epīm atqz
beatissimū fructuosum ab
infantia imaculatum 7 ius-
tum. Tu autē dñe. *Lectio. ii.*

Tu autē oris nitore
clarens insignis indu-
stria sophistice artis indep-
tus premicās dogmata re-
ciprocavit romano: um.
Hic vero in sanctissime re-
ligionis proposito sps scī
flama succēs? ita in cūctis
spūalibus exercitat? oīb?
operibus sanctis pfectis
emicuit: vt patrū se facile
coequaret antiquorū meri-
tis thebeorū. Ille actiue in-
dustria vite vniuersā ex-
trinsecus erudiuit hispa-
niā. hic autē contēplatiue
vite per itia vibrāte fulgo-
re micās intima cordiū illa-
minauit arcana. Tu autē
domine mīfere. *Lectio. iii.*

Le egregio rutilās
eloquio in libris cla
runt edificatōis.
hic autē culmine virtutum
coruscās: exēplū reliquit
scētē religionis: et innocui
gressus secut⁹ est vestigia
precūctis: dñi nostri salua
toris. Quis cū tātum ine
fabilia sint virtutū prodi
gia: et nostra nūcupare nō
valet inertia: quantū fide
li narratione cognoui pau
ca de principio eius et sine
discernēdo prestringā: hic
vero beatus fructuosus et
clarissima regali progenie
ort⁹ sublimissimū culminis
atq; ductis exercit⁹ hyspa
nie proles: dum adhuc pue
rulus sub parētibus dege
ret. Cōtigit eo vt tempore
pater eius cū secū habens
inter montiū cōuallia ber
gidensis territorij gregū
suorū requireret rationes.
Tu autē dñe. *Lectio. iij.*

Quāter autē suus gre
ges describebat: et
pastorū ratioēs dis
cutiebat: hic vero puerul⁹
inspirante dño pro edifica
tione monasterij apta loca
pensabat et intra semetip
sum retinens nemini mani
festabat. Post decessum
igitur parentum abiecto se

culari habitu: ton. oq; ca
pite cum religionis initia
suscepisset: tradidit se eru
diendū spiritualibus disci
plinis scitissimo viro cona
tio epō. Cūq; aliquanto
tēpore sub illius dgeret re
gimine peruenit vt quadā
die possessionē ecclie igres
si ipsi⁹ preeūtes pueri cel
luli cū ei ad manēdū hospi
ciū pparassēt. Tu autē. *ic. v*

Quidā d supretorib⁹
scōle ipsi⁹ adueniēs
interrogauit dicens. Quis
occupauit habitacul⁹? Res
pōderūt. fructuosus. Sta
timq; infama et temeritate
frustratus. iussit eius sarci
nullā foris p̄icere. et sibi ibi
dē pparare. Qd ille patie
ter sustinēs siluit. Cū enim
in tēpeste noctis silētio
quiescerēt: subito idē hos
piciū ab ira furoris. dñi ve
niēs ignis succēdit. cū in
tus eodē. habitaculo ignis
vt assolet min. se haberet.
recto videlicet iudicio do
mini: vt idē habitaculū qd
tipo superbie turgid⁹ et sur
paretorante scō adolescē
te cū ingentis periculi per
turbatione atq; infuria et
ventura tribulatione dese
reret. Tu autē: domine
miserere nobis. *Lectio. xij.*

Dicit hec reuertens
ad locum illum soli-
tudinis supra memo-
ratum: deuotione q̄ dudū
paruulus elegerat iam per-
fectus impleuit. Nam cōf-
truens cenobiū cōpultē se-
iusta diuina precepta nihil
sibi reseruans: oēm faculta-
tē suam ibidem cōferens:
illud locupletissime dita-
uit: et tā ex familia sua q̄ ex
diuersis cōuersis hispanie
partibus sedule concurrē-
tibus, illud agmine mona-
chorum affluentissime com-
pleuit. Et sic scriptum est
quia semp̄ sanctitatē emu-
latio insequitur inimici: et
cōtra bonitatē pugnat ma-
litia: illico inuidus vir im-
quus sororis eius maritus
et qui hostis stimulis inf-
tigatur: corā rege prostra-
tus fuit, ens surripuit ani-
mū eius, vt eadez pars he-
reditatis a san- monaste-
rio auferre. et illi quasi
pro exercēcia publica expe-
ditioe cōferreret. Tu aut.

Secundum mattheū.
In illo tempore Dixit
dñs iesus discipulis suis.
Vigilate q̄ nescitis qua
hora dñs vester vētur⁹ sit
Et reliq̄. **Homilia de hysto-
ria. Lectio septima.**

Post hec videlicet licet
inuict⁹ p̄tra volūtātē
italian⁹ toris merore de p̄s-
sus perneciter resistēdo in-
sede metropolitana dono
dei ordinatus est pontifex
Tanto igitur suscepto ho-
nore p̄stinā non deposuit
cōuersationē: sed in eodem
habitu in eodēqz solite ab-
stinētie rigore persistens re-
siduū vite sue tēpus in ele-
mosynarum dispensatione
atqz monasteriorū cōsuma-
uit edificatione. Inter duz
inter bracharensem vrbē et
dumentse cenobiū in cacu-
mine modici montis preci-
puum edificauit monaste-
riū vbi suū sanctū humanū
fuit corpus. tanta illi sunt
intētio in sc̄tā eccliaꝝ edi-
ficatione: sicut vir dei cas-
siani abbatis ei⁹ p̄mū dis-
cipuli cognoui relatiōe: vt
cū ante multo tēpore suū
precognouisset sanctū im-
minere obitu. Et cum illi
multa esset cepta operatio
edificationū: propinquāte
se illi vite presentis occasu
nō solū diuino tēpore siue
intermissioe operabat sed
etiā nocturnis horis lāpa-
dib⁹ accēsis in eodē opere
perseuerabat: ne de hoc se-
culo discedēs opus sc̄tū

Saucus mancius in ce-
na cū discipulis recu-
buit. Post q̄draginta dies
dño celos ascendēte: vidē-
tibus discipulis iste cū eis
stetit. Postea per regiōes
predicando verbū dei dño
auxiliāte in hyspanie par-
tes directus est: et de regio-
ne in regionē eborā venit:
nō solū humilitatē: sed ma-
gis hominib⁹ ostēdebat ho-
norē. Tu autē dñe. *Lectio. ij.*

Quāq; idē beatissim⁹
mancius ad hispaniā
in prouincia lusitanie adue-
nisset: in eborēsi territorio
ceperūt senientiū iudeorū
corda sacrilega obcecatio-
ne cōpellere vt fidelis po-
pulus christi iudaice sup-
sticiōis et cōfessionis se sub-
mitteret volūtati. Tu autē.

Ad hec san- *Lectio. iij.*
ctus mancius intre-
pidus miles chri-^{sti} armat⁹
fidei galea lorica in pec-
tore crucis collocās signū
confidentī sermone respon-
dit. Falsos deos audire nō
possum: testis mendax esse
nō debeo: p amore dei mei
quē iudei crucifixerūt sup-
pliciu nō recuso: mortē autē
quero per quam mihi vite
eternitas conferatur. Tu
autē domine. *Lectio. iij.*

Hoc audiente validio
ira diaboli seruatorum
suorū cepit corda succen-
dere: a quibus rapitur ad
suppliciu deuotus dei fa-
mul⁹ detractozq; omni cor-
poris indumēto diu arcta-
tur membris extēsis: sumū
vinculis innumeris plaga-
rūctib⁹ verberatur. Sed
ne parū esset tanta perpes-
sus diuersa vinculorum ge-
nera. omne corpus eius as-
tringi iubet. Tu autē. *lc. v.*

Quāq; adduct⁹ fuis-
set ante validiūz pre-
fectum: et ante iudeos qui
eū accusabāt dixit validi⁹
Audi manci: cessa ab hac
predicatione et adora deos
nostros vt viuere possis.
Quod si nō feceris: graui-
oribus interficiā te tormen-
tis. Ad hec māci⁹ respōdit
Tormenta et supplicia tua
nō timeo: deū viuū et verū
colo et adoro: et ipm timeo.

Tunc pre- *Lectio. vi.*
fectus validus ira
cōmotus. fecit eū fustibus
cederet in eculeo suspēdit
multis tormētis lacerari.
Et cū defecissent qui eum
lacerabāt: dixit validius.
Requiescat paululū: et re-
cogitabo quomodo eū mor-
te pessima interficiam. Sā

et us mancus cōfideus in
dñs dixit. Dñs mibi adi-
tor est. nō timeb quid fa-
ciat mibi homo. Tūc brūs
martir orauit ad dñz dicēs
Gratias tibi ago dñe qui
me fecisti vincera tormēta
carnificū: et benedictū no-
men tuū de⁹ meus in secu-
la. Et vox de super dixit ei
Veni dilecte mi ad me: ac-
cipe coronā quā tibi dñs p-
parauit. Et ille dixit. Pa-
ter in manus tuas cōmēdo
spīritū meū. Et hec dicēs
beata anima exiit de cor-
pore. Tu autem dñe mise.

*Tres vltime lectiōes legū-
tur de homilia sancti Gre-
gorij pape super euāgelij
secundū lucā. Si quis ve-
nit ad me et nō odit patres
suū et matrē. z vxorem. zc.
vt in cōmuni vnius martī.*

*In festo sanctarū
virginum et martir. Iuste
et Rufine. Ad vs. Capl.
Fratres. Qui gloriatur in
domino.*

*17. in
4.*
Lauda mater ec-
clesia. nunc voce
imperterrita hac
die tam egregia
iusta pulchra facie. O ioge-
niani diabolica. cultura ca-
ssa turpis. hec carmina me-
lodica. iuste capte fortiter.

*Quis alma per premia.
hoc est nali tēpore. hec an-
nua sollemnia. collamus le-
to pectore. Rutos carne
misera. iesu iuste gratia. su-
per excelsa sidera. nos tuo
visu facia. S it sūmo patri-
glia. sit nato dec⁹ z iperū
sit flammī laus sobria et
nūc imperpetuū. Amē. R.
Adducētur regi virgines
post eā. R. Proxime eius
offerētur tibi. Ad mag. añ.
Simile est regnū celoz de-
cē virginibus q accipiētes
lampades suas exierūt ob-
uiā sponso z sponse. Dio.*

Deus qui virginalis
pudicitie titulo z sa-
cre passiōis verillo. beatas
iustā z rufinam martires
tuas glorificasti: da nobis
sic sacre castitatis flor. as
exornari: vt cū fruct. dono-
rū opere superne beatitudi-
nis attr. amus cōsortiū.
Per dñm. *1. matutinum
Invitatorij. 1. egē virgī-
nū dñm. quere in cōi. hyn⁹.*

Laudem⁹ regē celicū.
psalētes hymnū meli-
cū. per meritū opificū. iuste
tā meritū. hec virgo flexis
genibus. cū ceteris virgi-
nibus. exora sacra precib⁹.
pro seruulis supplicibus.

Antiochena dñā. regnās in

celi machina. sint nostra p
te nomina. in virtute scrip
ta pagina. *O* fyna duce vir
gine. iusta dante flamine.
fac nos in poli culmine. po
tu vero flumine. *V*icamus
bina credula preceisa voce
cinula. sit virtute et laus
sedula. iesum per cuncta se
cula. Amen. *In primo noc*

tur. an. Media nocte cla
mor factus est ecce sp̄sus
venit exite obviam ei. *ps.*
*D*ñe dñs noster. *an.* Pru
dētes virgines acceperūt
oleū in vasis suis cū lāpa
dib⁹. *ps.* Celi enarrāt. *an.*
Tunc surrexerunt oēs vir
gines ille et ornaverūt lāpa
des suas. *ps.* Dñi est terra
Adducentur regi virgi
nes post eā. *R.* Proxime.

Allo bea. L. c. 16. j.
Lay virginū iuste z
rufine q̄ palle sūt in
ciuitate hispali sub dioge
niano p̄side. *Alis augus*
ti. Magn⁹ est et plurimuz
laudabilis cōstantie virt⁹
que passionis tolerātia co
ronat⁹. Iusta siquidem z
rufina femineo sexu fragi
les z mediocri paupertate
pertenuēs patientes caste
religiose curā domus sue
gerebant nihil habentes z
oia possidentes. Tu autē.

R. Audini vocē de celo ve
niente venite oēs virgines
sapietissi. *re. p.* Oleū recon
dite in vasis vestris dñs sp̄s
suis aduenerit. *Media no*
cte camor fact⁹ est ecce sp̄s
suis venit. *ps.* Oleū. *L. c. 16. j.*

Erant aut illis vsus
mercandi fictiliū vas
cula. de quo questu indigēs
tia inopū satiabāt. Sibi qz
tātū qd ad victū z tegumē
tuz sufficeret procurabant
Quotidianis orationibus
pure opere impēdebāt. scie
bant enim se nō frustra ne
qz incassum deuotā mentē
exhibere deo. Sed qz semp
aduersarius vetustissim⁹
inimicus in seruos et ancil
las dei emulationis et in vi
die sue flāmas obiectat: gē
uissimas penas indicit. vt
tormētis leuētib⁹ fixas mē
tes euertat. ungulas z gla
dios cōminat. vt aias ter
reat innocentes z dicata
deo corda cōturber. Sed q̄
bus debebatur in tāto cer
tamine seuissima pena: si
mul aderat. z parata victo
ria. Tu autē. *R.* Feliciter
virgines vincūt mundū. *p.*
Que post victoriā vici nō
norūt. *Abtē* de pliore deūt
et hostē victrices mouēdo
deuincūt. *Que post. L. c. 16. j.*

Intēpus certami-
nis gloriosi seruebat
et diuinū amē pu-
gna celestis vgebat spiri-
tualis agonis studium pa-
rabatur. neq; deferri diu-
tius poterant spectacula.
Inter hec quippe quia a do-
mino agebatur: cū sanctis
sime femine iusta et rufina
distrahendorū vasculorum
gererent curā occurrit eis
nescio qd monstrū et imane
portentū quod perditorū
gentiliū turba: salomonē
appellat: postulans sibi ab
his aliquod beneficiū dari.
Que cū resisterent et dare
nolent dicentes nos deum
colimus nō manu factum
istud idolum. quod nec ocu-
los: nec manus. neq; pe-
des habet neq; spiritus vi-
uentē in se. Tu autē dñe. **R.**
Uerus pudicitie auctor et
custos qui ex virgine nat⁹
multos excitasti ad sanctū
amorē castitatis. **P.** Christe
fortitudo spes et corona
virginum beatarum virgi-
num nos oratione mente et
corpore custos cōserua. **R.**
Fons vite et origo lucis p-
petue atq; omnis bonitatis
auctor. **P.** Christe fortitu-
do. **In secundo noctur. añ.**
Laus et honor iesu christo

culus dono sacte virgines
honoratur semper interris
et gloriā habent perpetuā
in celis. **ps.** eructauit. **añā.**
Gaudent felices puelle q̄
contagis se seruauerūt
atq; transitorias volunta-
rias pro christi noie respue-
runt. **ps.** Deus nr̄ refugiu
añ. Rogamus vos virgi-
nes beate vt nos precibus
vestris sacrosctis iugit cō-
mēdare dignemini christo
dño. **ps.** Magnus dñs. **R.**
Abedī nocte clamor fact⁹
est. **R.** Ecce sponsus venit
exite obuiā ei. **Lectio. iiii.**
Sed si eget aliqua sti-
pe: aut inopiā patitur
accipiat a nobis. **Itā** nos
ei hoc aliter nō dam⁹. Ille
vero que informa zabulil-
tens humeris suis idol⁹
baiulabat ita turbu-
lectus est: vt quicunq; in
vfu vascu-
mercandi ha-
bere poterat. tunc sanctis
sime iusta et rufina omnia
penitus contereret et fran-
geret. Ille religiose et nobi-
les femine nō damine paup-
tatis cōmote. sed ad dñm. nē
dū tāti dedecoris mala ido-
lum repulerunt. Statimq;
ad terram corruit cōmuni-
tum. Tunc velut admissū
sacrilegium videbatur: et

diuulgabatur ore gentiliū
Reasq; illas et morti ob-
norias tanti criminis pro-
clamabant. Tu autem do-
mine miserere nobis. **R.**
Simile est regnum celorū
decem vīginibus; que acci-
pientes lampades suas. **p.**
Exierunt obuiam sponso
et sponse. **R.** Prudētes ve-
ro virgines acceperunt o-
leum in vasis suis cuz lam-
padibus. **p.** Exierunt obui-
am spōso. **Lectio quinta.**

Erat autem tempore
illo diogenianus pre-
ses deditus ritui et obser-
uationi gentiliū. Ad cui-
us aures cum rei geste nū-
tus cucurrisset: iubet pro-
tinus deuotissimas femi-
nas in arctissima carceris
re: iudici custodia. et eas de-
ad ciuitatem hispalensem
deduci. Appositis idoneis
copiosissimis custodib⁹.
Cum in eadem autem ci-
uitatem venissent. iubet
eas sub tormentorum me-
tu et supplicij subugari.
Sicut igitur deuote et di-
cate deo femine in conspe-
ctu crudelissimi iudicis dio-
geniani. Et cum nec dum
ad huc penalle illud reorū
lignum per moras itineris
cucurrisset: telarias deferri

iubet. ne tanti furoris cru-
delitas aliqua interuenie-
te dilatare languesceret.
Tu autem dñe. **R.** Quinq;
prudentes vīgines acce-
perunt oleum in vasis suis
cum lampadib⁹. **p.** Media
autem nocte clamor factus
est ecce sponsus venit exite
obuiā christo dño. **R.** Tūc
surrexerunt omnes virgi-
nes ille et ornauerunt lam-
pades suas. **p.** Media autē.

Suspēduntur **Lctō. vi.**
Statim non ad penam:
sed ad gloriā. Ungulis ve-
rari iubetur: maderāt vis-
cera cruore purpereo: sed
ad martiriū proficiebant.
Presidis interrogatio ad-
millum sacrilegium nūcia-
bat. Sed confessio sancta-
rum martirum nihil aliud
quā christum dñm rerum
omnium inuocabāt. Quas
cum diogenianus vidisset
hīlares vultu et letis ani-
mis exultare. et tanquam
nihil fuissent perpesse do-
loris: ita pñtiat. Adhuc
eas inquit maiori squalore
et carceris custodia et fa-
mis inopia cruciate. Tu
autem dñe. **R.** Media no-
cte clamor factus est ecce
sponsus venit exite obuiā
ei. **p.** Tūc surrexerūt omē

nes virgines et horn. is
lampadibus suis intraue-
runt cū eo ad nuptias. **℟.**

A Media autē nocte clamor
factus est ecce sponsus ve-
nit. **℟.** Tūc surrexerūt. **℟.**

Gloria p̄ri. **℟.** Tūc surre.

In. iij. nocturno. añ. Lau-
s tibi dñe rex om̄ps q̄ castis
virginibus tibi placentib⁹

preparasti gaudia sempit-
terna. **℟.** Cantate. **primo**

añ. Assit nobis virginū
sc̄tārum benigna precatio
que nos a cunctis defen-
dant aduersis et in christi

confortēt seruitijs. **℟.** Do-
minus regnavit exultē. **añ.**

Generāde estis sc̄tē virgi-
nes que carnis desiderijs
restitistis et in iesu christi

seruitio permansistis ip̄m
rogate vt nobis indignis
propitius esse dignetur in

hoc seculo atq; in futuro.

℟. Cantate. **℟.** Tūc sur-

rexerunt omnes virgines.

℟. Et ornauerūt lāpades

suas. **Secundū matheum.**

In illo tempore. Di-
xit iesus discipulis
suis Parabolā hāc

Simile est regnū celorum
decem virginibus que acci-
pientes lāpades suas erie-

runt obuiam spon̄o et sp̄o

se. **Et reliqua. Homilia 8**

hystoria eundē. Lectio. vii

Post aliquantos autē
dies cū ad mōtis mar-

moniani locum diogenis-

nus ire disposuisset. iussit

sanctissimas feminas per

aspera et fragosa loca nu-

dis pedibus propare. Qua-

rum erant pedes calciati

meu glorio pacis. Nihil il-

lis durum nihil asperum vi-

debatur. sed totū illud iter

quasi puluerem conculca-

bant. Interea cum iam tē-

pus immineret promerēde

victorie. et tot cruciatibus

differri non posset digna ⁊

adeo debita corona Iusta

sanctissima afflante in car-

cere aiaz et purū deo cōmē-

dās sp̄z obtulit p̄secratā.

Tu autē. ℟. Offerent regi

virgines dño post eā pr̄ i-

me eius offerentur r̄. **℟.**

In leticia et exultatiōe. ℟.

Specie tua et pulchritudi-

ne tua in. **℟.** pspe pcedet

regna. **℟.** In. **℟.** **℟. cō. viij.**

Quāq; hec ad dioge-

nianum presidem obi-

cio carceris pertulisset cor-

pus eius in altissimū valdē

puteum precipitari p̄ce-

pit. Quod cū cognouisset

factum est eo tēpore vir re-

ligiosus. qui est antistes sa-

binus extractus de puteo

sc̄tē iuste corpusculuz in
misterio hispalēsi honorifi
ce collocauit. Beatissima
vero rufina que in carcere
remanserat iussione dioge
mani presidis fractis cer
uicibus dignuz deo emisit
spiritum. Lūius corpus in
amphiteatrū de ferri man
dauit: vt illic flāmis atro
cibus cremaretur. Tu autē
dñe. *R.* Has virgines et
fidei corporis cōmendat in
tegritas. *P.* Has vite sue
sinceritas et meritorū exul
tat sublimitas. *R.* Nomen
ergo sempiternuz dabit ei
dominus quod nō peribit.

P. Has vite. *R.* Gloria p̄ri.
P. Has vite sue. *L. et d. r.*

Omnis siquidem cor
pus et sic igni cōbu
ritur: sed deuotū deo
p. honorificentia est se
pultus. Sic sancte dei mar
tires cōsimiles passione
quolibet e. discrepan
tes vniū amen glorie bea
titudinem consequentes.
expectāt ecclō celerem io
cunditatē. Abserentur nūc
c. isque abrahe meruerūt
iā sinib⁹ collocari. Regnā
te dñō n̄ro iesu christo qui
martires suas in pace sus
cepit Qui est honor et glo
ria virtus et imperiū in se

culi seculorū. Amen. Tu
autem dñe. *R.* Innumera
būs v̄giniū chorus spre
ta libero. az pro pagine. *P.*
Dum spōso qui in celis est
peremū mēte actu et ha
bitu applicari. maluit. *R.*
Ecce horētem mundū des
pectis mētib⁹ calcauerūt.

P. Dū sponso. *In laud. an.*

Pudentes virgines
acceperunt oleum in
vasis suis cum lampadib⁹
ps. Dñs regnauit. *ch. r. li*
quis. an. Prudentes vir
gines aptate lāpades ves
tras ecce spōsus venit exi
te obuiam ei. *an.* Tunc sur
rerunt omnes virgines

ille et ornauerunt lāpades
suas. *an.* Virgines dñi do
mino benedicite in eternū

an. Virgines sancte dei
orate pro nobis vt celerum
veniam per vos accipere
mereamur. *Lap.* Fratres.

Qui gloriatur. *quere. an. co*
mun. virgi. hymn. Lau
da mater ecclēsia. *vt supra*

R. Adducentur regi vir
gines. *Ad hās an.* Simile
est regnum celorum decez
virgi. *vt supra. oratio ta*

me vt ē. Per horas di. *an.*
laud. Ad. iij. vi. ix. Cap. et
R. ia. breuia dicuntur de
comuni virginum. Ad v̄s.

an̄a. Prudentes virgines
oprate. cū reliquis h̄e laud.
vt supra. psalm̄. & sc̄ta ma
ria. Cap. Hymnus. et. x. z
omnia alia dicuntur sicut
in primis vesp̄is. vt supra.

CIn vigilia dulcissi
mi nois ie. u. Ad vs. an̄a.

ASolis ortu vsqz
ad occasū lauda
bile nomē dñi ie
su bñdictū. alla.

ps. Laudate pueri. **An̄a.**

Om̄is enī q̄cūqz inuoca
uerit nomē dñi. saluus erit
alla. **ps.** Dilexi qm̄. **an̄.** Di

rupisti dñe vincula mea: ti
bi sacrificabo hostiam lau
dis. et nomē tuū inuocabo
alla. **ps.** Credidi propter.

An̄. Illuc enī ascēderūt
trib⁹ tribus dñi testimoniū
israel ad cōfitendū nomini
dñi alla. **ps.** Letatus. **an̄a.**

In cōspectu angelorū psal
lā tibi adorabo ad templū
sanctū tuū et cōfitebor noi
tuo dñe. al. **ps.** Cōfitebor. ij

Humiliauit se. **Cap.**

metipsum dñs iesus
factus obediens vsqz ad
mortē: mortē autē crucis:
propter qd̄ et deus exalta
uit illum: et donauit illi no
men qd̄ est super omne no
men: vt in nomine iesu om̄

ne genu flectatur. celestīū
terrestriū et isernoz **h̄ym⁹.**

Exultet cor precordijs
sonāte iesu nomine:
precellit in delitijs: omni
plenum dulcedine. **I**esus
confortans miseros: iesus
qui sanat scelera: iesus de
terres inferos: iesus fugās
inortifera. **I**es⁹ sonās sua
uiter: i metro prosa carmi
ne: qui lauat nos alacriter
mulcens suo solamine. **No**
men excelsū resonat: ies⁹
in ore omniū: et cor cū voce
consonet: vt sonet omne vi
ciū. **I**esu salus peccantiū
adesto nostri: precibus: sis
director errantium: et parce
nostris actib⁹. **N**omen tā
nos muniat: preseruans a
periculis: z in bonis per
ciat: a motis culpe incutis

Tibi christe sit gloria: sul
gens hoc sacro nomine: bo
nor tuus i. n. r. i. a. iesu be
nigne domine. **G**loria tibi
domine qui nat⁹ es de vir
gine cū patre sc̄to spiritu.

Nom̄is terra adoret te
de⁹ et psallat tibi. **R.** **ps.** sal
mū dicat nomine tuo dñe.

Ad maḡ. an̄a. Ego autē
in dño gaudebo et exulta
bo in deo iesu meo: quia se
cit mihi magna qm̄. volēs
est z sanctū nomē ei⁹. alla.

Deus qui glorio-
sissimū nomē iesu xpi
vngemū filij tui fecisti fi-
deib⁹ tuis sumo suauita-
tis affectu amabile ⁊ mal-
gnis spiritibus tremēdum
atq; terribile. concede pro-
piti⁹: vt oēs qui hoc nomē
iesu deuote venerantur in
terris. sancte consolatiōis
dulcedinē in presenti perci-
piant ⁊ in futuro gaudij
exultationis ⁊ in termina-
bilis iubilatiōis obtineāt.
Per eundē dñm. **Ad mari-**

tum imitatorum. Honore-
mus exaltemus iesu dei fi-
liū. **Ps.** Exultantes iubilem⁹
regi regū omnia. **Ps.** Veni
⁊ exultemus. **Hymnis.**

Iesu dulcis memoria
dans vera cordis gau-
dia: sed super mel ⁊ oīa: dul-
cis ei⁹ presentia. **Q**uā cani-
tur suauis: aī⁹ itur nīl so-
cundius: nīl cogitatur dul-
cius: q̄ ie. is dei fili⁹. **I**esu
spes penitentibus: q̄ prius
es petentibus: quā bonus
te querentibus: sed quid in
v. membris. **I**esu dulcedo
cordium: sōus vite lumen
mentiu: excedis omne gau-
dium: ⁊ omne desiderium.
Recle. gna potest dicere.
nec l. tra exprimere: exper-
tus nouit credere: quā sit

iesu diligere. **I**esu rex ad-
mirabilis: ⁊ triūphator no-
bilis: dulcedo ineffabilis.
totus desiderabilis. **Q**uāne
nobiscum dñe: nos tuo re-
plens lumine: pulsa noctis
caligine: tua pasce dulcedi-
ne. **G**loria tibi dñe: qui na-
tus es de virgine. **In pri-**

mio nocturno. an. **I**ncur-
rib⁹ ⁊ hi eneuīs nos autē
in nomine dñi dei nostri in-
uocabimus. **ps.** Exaudiat
te dñs. **an.** **A**demor: ero no-
minis tui dñe in omni gene-
ratione et generatione. **ps.**
Exultauit cor. **an.** Secun-
dum nomen tuū iesu domi-
ne sic et laus tua in fines
terre. **ps.** Magnus dñs. **v.**
Laudabo nomen dei cum
canto. **ix.** Et magnifica-
bo eū in laude tua. **Acto. i.**

Quā festum festo suc-
cedit leta mēs trās-
fertur: ⁊ terra iubilat diffu-
sis gaudijs plenis honore
Heri celebrauimus iesu in
celso montis vertice trāsfi-
guratum: hodie in imis ter-
ris humiliatū. **H**eri qualis
apud patrem erat iclus: p-
debat corporis sui cādores:
hodie celebramus quomodo
latens diuinitas opera-
tur nostra sub humili natu-
ra sacramēta salutis. **H**er-

ri quales eramus securus
spem: suo ostendit splendore:
hodie quales securus dñi s. dñe
beato debemus: uere mo
re. Meri suam nobis chari
tatem comedauit ad pmiu
hodie ministratur sua cha
ritas ad meritum. Illa in
patria: ista in via. Illa in
gloria consumante: ista in
doctrina cum gratia mise
ricorditer cooperante.

Tu autem domine misere
re nobis. **R.** Tu es chris
te rex meus et deus meus
qui mandas salutes iacob

P. Ante inimicos nostros
vtilabimus cornu: et in no
mine tuo speremus iustur
gētes in nobis. **R.** Exurge
dñe adiuua nos. et redime
nos propter nomen tuum.

P. Ante inimicos. **Lectio. ij.**

In hac solēnitāte cha
rissimū nostra spes to
ta erigitur: fides augetur
charitas diffunditur: sum
me et indiuidue trinitatis
alma magestas magnifice
cōmendatur. Et iubilā
tibus celestis curie ordi
bus in mētis excessu famu
lantur etherei ciues. Ro
sei applaudunt martires:
quia dñi iesus est in animo
robur victores se inclitos
noscunt. Et confellores cā

di laudant cum canore
iubilo dñi iesus ut mel dul
ceicit in ore. At dñi melos
suauis iesus pullat virgi
neas aures: filie hierusalē
cauentes cursitant: hymni
lice gaudent: cateruatim
exultant et in simul omnes
primordia salutis dicentes
Jesu nostra redēptio amor
et desiderium. Tu atē do
mine misere nobis. **R.**

Saluos fac nos dñe deus
uolter et congrega nos de
nationibus. **P.** Ut confitea
mur nomini tuo scō. et glo
riemur in laude tua. **R.** Et

sperent in te qui nouerunt
nomen tuū: quoniam nō de
reliquisti querentes te dñe.

P. Ut cōfiteātur. **Lectio. iij.**

Hec est illa pleclara
festiuitas quam p
tres diu suspirā. ut:
longe ante predixerūt pro
phete. multice significauē
runt figū. Ac tādē ille
paranympbus gabriel ce
lestis nūciauit marie. Qd
enim ex te nascetur sanctū
vocabitur filius dei: et no
men eius iesus. Jēsus fōs
uite signat⁹: qui quatuor
in riuos se diffudit per pla
teas. Jēsus a deo notus sa
ctus est: sapientia iusticia.
sāctificatio atq; rēptio.

In predicatione sapientie
iusticia in peccatorum abso-
lutione in conuersatione san-
ctificatione in passione redē-
ptio. Unde scriptum est.
Tres riuus fluxerunt a iesu
verbum doloris in quo cōfesi-
o: sanguis asperisionis in
quo afflictio: aqua emūda-
tionis in qua cōpunctio de-
signatur. Tu autē dñe. **R.**
Osculetur me osculo oris
tui quia meliora sunt vbe-
ra tua vino fragrantia vin-
guetis optimis. **P.** Oleum
effusum nomē tuū. **P.** Ideo
adolescentule dilexerūt te
R. Trabe me post te curre-
mus simul in odorē vinguē-
torū tuorum. **P.** Oleū effusū
R. Gloria patri. **P.** Ideo.
In. ij. nocturno antiphona.
Iesus in nomine tuo saluū
me fecit: et in virtute tua iu-
dicame. **ps. i. ps. 3. ant. Sic**
psalmū dicam nomini tuo
in seculum seculū reddā
vota mea de ore indīe. ps.
Eraudi deus deprecā. ant.
Sit nomen ei⁹ benedictus
in secula qui natus est de
virgine maria. ps. deus iu-
dica. R. Benedic aīa mea
dño. R. Et omnia q̄ intra
me sūt not̄ scō ei⁹. lectō. iij.
Hoc est nomen qd̄ pau-
lus portabat corā gē-

te. et regibus vt lucer-
nā super candelabrū. **Ab-**
rahāe enim ac suauissi-
mū. Unde quidam ait. Si
scribas. si conseras: nō sa-
pīt mibi nisi legero ibi iesu
Si disputas aut conseras
nō sapīt mibi nisi sonuerit
ibi iesus. Iesus ergo nomē
dulce et dilectabile: nomen
confortans peccatorē: et no-
men beate spei. Ergo ies⁹
esto mibi iesus. Tu autēz.
R. In semita iudiciorum
tuorū dñe sustinuius no-
men tuū et memoriale tuū i
desiderio anime. p. Anima
mea desiderauit te i nocte
sed et spūs meus in precor-
dijs meis: de mane vigila-
bo ad te. R. Ueretues de⁹
absconditus de⁹ israel sal-
uator. p. Alia. Lectio. v.

DEc pretereat nos hu-
ius sacratissimi nois
multa virtuositas. Hoc est
nomen quod cecis contu-
lit visum. surdis auditum.
claudis gressum. sermonē
mutis. vitam mortuis: to-
tāq; diaboli potestātē de
obsessis corporibus virtus
huius nominis effugauit.
Nec profecto mino. is ex-
cellentie et sublimitatis est
q̄ virtutis. Unde scriptus
est Nomen saluatoris mei

fratris mei: carnis mee. ian-
guinis mei. *Rom. sec. illis*
absconditū: sed *in* sine secu-
lorū reuelatū. *Thomen mi-*
rabile. nomen in estimabile. no-
men in estimabile. immo eo
mirabilius quo inestimabi-
le eo magis gratū quo gra-
tuitum. *L u aut domine. ix.*
Obsecro autē vos fratres
per nomē domini iesu chris-
ti. *p.* Ut idipsū dicatis om-
nes et nō sint in vobis scis-
mata. *x.* Discedat ergo ab
iniquitate omnis: qui nomi-
nat nomē dñi. *p.* Ut idipsū.

Hoc autē nō. *L. cto. vi.*
Nomen impositum est ei
ab eterno ab āgelo: et a pa-
tre ioseph. Ab eterno cū ie-
sus a potencia saluādi sal-
uator: interpretatur. Ab an-
gelo: cum ab habitu saluā-
di saluator: dicitur quod ei
conuenit a sue conceptiōis
principio a pīe suo ioseph
hoc nomen impositum est:
cū ab actu passionis et no-
stre redemptionis future
iesus saluator appellatus
est. *L u autē dñe. ix.* Iesus
nazareus rex iudeorū fili
dei viui miserere mei: iesu
fili dauid miserere mei. *p.*
Ut videam voluntatē dei.
p. Et visitē templum eius.
x. Aspice in me et misere-

re mei: secundum iudicium
diligentium nomen tuū do-
mine. *p.* Ut videā. *x.* Glo-
ria patri. *p.* Et visitē tem-
plū. *yn. iij. nocturno. añā.*
Adiuua nos de⁹ salutaris
noster: et propter gloriam
nominis tui domine libera
nos et propitius esto pecca-
tis nostris propter nomen
tuum. *ps.* Deus venerunt
gentes. *Añā.* Confitebor
tibi dñe deus meus in toto
corde meo et glorificabo no-
men tuū in eternū. *ps.* In-
clina dñe. *añā.* Affer te do-
mino patrie gentiū affer te
domino gloriā et honorem
affer te domino gloriam no-
mini eius. *ps.* Cantate. *j. x.*
Non nobis domine noi. no-
bis. *ix.* Sed nomini tuo et
gloriam. *Secundū math. v.*

In illo tēpore. Ange-
lus domini apparuit
in somnis ioseph dicens. Jo-
seph fili dauid. noli timere
accipere marie n coniugē
tuam. Et reliqua. *Rom.*

Lia orige. L. cto. vii.
Ioseph mariam no-
luit traducere. no-
luit eam diffamare: sed vo-
luit eam occulte dimittere.
Occulte eam a se dimittere
volebat sicut pius: sicut mā-
suetus: sicut mīh. *ors.*

Iuste humiliās se in omni
bus cauebat et timebat si
bimet illius tante sanctita
tis coniunctionem adhibe
re. Id circo dixit dimittam
eam ⁊ a cognatione mea. Ma
ior enim est eius dignitas:
super excellit ei⁹ sanctitas
nec mee cōgruit dignitati.
Nec autē eo cogitante. an
gel⁹ domini per visum ap
paruit illi dicens. Quare
dubitas ioseph? Quare im
prudenter cogitas. Quare
irrationabiliter meditaris
Deus est enim qui genera
tur. Qd enim nascetur ex
ea de spū scō est: quia scilī
cet huius natiuitatis coo
perator spirit⁹ sanctus est.
Ite quidē est de quo scri
ptura p̄nūciauit dicens.
Puer natus est nobis: et fi
lius datus est nobis. Pa
riet inquit filium ⁊ voca
bis nomen eius iesum. Tu
autem dñe. *Ecce concipi
es et paries filium. Et vo
cabitur nomen eius iesus*
*Hic erit magnus et fili
us altissimi vocabitur: ⁊
dabit illi dñs deus sedem
dauid patris eius. Et vo
cabitur nomen.* *Lectio. viij.*
Et tu generat. et tu
Ioseph hunc genituz

vocabis iesum qui interpre
tati saluato. Ipse enim
saluuz facit populum suū
a peccatis eorū. Vocabis
inquit nomen ei⁹ hoc qd āte
fuit qd ante sc̄la nominatū
est. Nō tu ei impone; nomē
nec ex te ei vocabulum cōs
titueris: sed nomina et voca
exultādo iesum. id est salua
torem eum esse testare. Ex
tēpore iesum cepisse salua
re ne consideres: sed etiam
antiquissimū saluatorem.
Ipse enim saluū faciet po
pulum suū a peccatis eorū.
Tu autē dñe misere nobis
*Cū appropinquasset ie
sus hierosolimīs turbe autē
que precedebant et que se
quebantur clamabant dicē
tes osanna fili dauid bene
dict⁹ qui venit in nomine
dñi. Rex israel osanna in
excelsis. Domine saluū
me fac o domine benepro
perare benedictus qui ve
nit in nomine domini. Rex
israel. Gloria patri. Rex
israel.* *Lectio. ix.*

*Quo etenim per hoc
verbum preclara de
signantur: qd ⁊ deus fuerit
et dñs prius ante incar
nationem christus: et quod
populus eius ab eo saluan
dus iam tunc annuntiaba*

tur. Et ideo dictū ē. ꝑꝑꝑ
saluet populū suū a pecca-
tis eorū vt vere deus. Deī
enim est virtutis a peccato
saluare. vel peccata dimit-
tere. Iuste ergo filius dei
habens populū suū ve-
nit vt dictū est ipsū libe-
rare a peccatis atq; salua-
re siue ex iudeis siue ex gē-
tibus. De quo ipse per pro-
phetā iam fuerat elocu-
tus dicens. Dominus dixit
ad me filius meus es tu.
ego hodie genui te. Pete
ame et dabo tibi gentes he-
reditatem tuā: et possessio-
nem tuā terminos terre.
Ipse saluabit populū suū
a peccatis eorum sangui-
ne videlicet suo cunctis re-
dimens morte suade mor-
tis eos liberans potestate.
Tu autē domine misere no-
bis. *In laudibus. Añā.*

Uocati est nomen ei⁹
iesus quod vocatum
est ab angelo priusquā in
ytero conciperet alleluia.

*ps. Dñs regnauit. in reu-
quis. añā.* Laudate nomē
dñi nostri iesu christi quo-
mā suauis est ipse ⁊ in eter-
num misericordia ei⁹ alla.

añā. Benedicā te dñe iesu
in vita mea. et in nomine
tuo leuabo man⁹ meas alla

añ. Iusti tulerūt spolia im-
piorū ⁊ decantauerunt no-
men tuū dñe et victricē ma-
nū tuā laudauerūt pariter
dñe deus voster. *añ.* Iuue-
nes et virgines senes cū iu-
nioribus laudēt nomen dñi
q; exaltatū est nomen eius
solius alleluia. *Capitulum.*

Omnibus qui inuocāt
nomen dñi nostri iesu
christi in omni loco ipsorū
et nostro: gratia vobis et
pax a deo patre nostro et
domino Iesu christo. *ix.*

Deo gratias. *Hymnus.*

Iesu auctor clemētie
toti⁹ spes letitie: dul-
coris sōs ⁊ gratie: vere cor-
dis delicie. Iesu decus an-
gelicum: in aure dulce can-
ticū: in aure mel miris: in
i corde nectar celicū. Iesu
flos matris virginis: fa-
nus mire dulcedinis: de-
cus humani generis: da lu-
cem veri iūminis. Iesu so-
le serenior: et balsamo sua-
uior: omni dulcore dulcior
pre cūctis amabilior. Iesu
lūmina benignitas: mira-
cordis iocunditas: incomp-
rehensa bonitas: nos irri-
gat tua charitas. Rex vir-
tutum rex glorie: rex insig-
nis victorie. iesu largitor
gratie: honor celestis curie.

Te celi chorus predicat:
tuas laudes replicat: iesus
orbem letificaret nos deo
pacificat. **G**loria tibi do-
mine: qui natus es de vir-
gine. **V.** Sit nomen domini
benedictus. **R.** Ex hoc nūc
et vsqz in seculum. **Ad vñ-
dict? añ.** Ioseph fili dauid
noli timere accipere mariā
coniugem tuam. quod enī
in ea natum est de spiritu
sancto est. pariet autem fi-
lium et vocabis nomen ei?
iesum: ipse enim saluum fa-
ciet populum suū a pecca-
tis eorum. **Oratio.** Deus q
gloriosissimū. **z c. r. s.** **Per
horas diei añe de laud. Ad
iij. Capitulu.** Omib? qui
im. cant. **z c. r. s.** Laudabo
n. ien dei cum cantico. **p.**
Alla alla. **v.** Et magnifica-
bo eū in laude. **p.** Alla alla.
v. Gloria patri. **v.** Bene-
dic anima mea dñō. **R.** Et
omnia que in me sunt
nomini sancō eius. **Ad. vi.**
Dne quod. **Capl. s.**
cumqz facitis in ver-
borum in opere. omnia in
nomi. e domini nostri iesu
christi facite. gratias a gē-
tes deo et patri per ipsum
R. deo gratias. **R.** Bene-
dic anima mea domino. **p.**
Allelu. **all. v.** Et omnia

que intra me sunt nomini
sancto eius. **p.** Alla alla. **v.**
Gloria patri. **v.** Nō nobis
dñe non nobis. **R.** Sed no-
mini tuo da gloriā. **Ad. ii.**
Enuncia. **Capl. s.**
mus autez vobis fra-
tres in nomine dñi nostri
iesu christi: vt sub traba-
tis vos ab omni fratre am-
bulante in ordinate: et non
secūdū traditionem quam
acceperūt a nobis. **R.** Nō
nobis domine non nobis. **p.**
Alla alla. **v.** Sed nomini
tuo da gloriā. **p.** Alla all.
v. Gloria patri. **v.** Sit no-
men domini benedictū. **R.**
Ex hoc nūc z vsqz in secu-
lum. **Orō. vt supra.** **Ad ves-
peras. añ.** Vocatum est no-
men eius. cum reliquis de
laud. primum et omnia alia
dicuntur sicut in primis
vesperis vt supra. **Ad ma-
gnificat. añ.** Erurgens au-
tem ioseph a somno fecit si-
cut preceperat ei angelus
domini z accepit coniugē
suam et non cognoscebat
eam donec peperit filium
suum primogenitum et vo-
cauit nomen eius Iesum.
Alleluja alleluja. **Oratio.**
Deus qui gloriosissimum
nomen. **z c. r. s. supra.**

In translatione sancti
vincentii. *Antiphona.* Ad
vesperas. *Antiphona.* Extollamur
creatori cum reliquis de lau
dibus. *Psalmus.* Dixit dominus cum
reliquis. In fine. *Psalmus.* Lau
date dominum omnes gentes.
Capitulum. Beatus vir qui in
uetus est. *Quere in comuni
vnius martiris. Hymnus.*

Felix osca cōgau
deat. in vincti
tione. cesara
gusta fulgeat. ex
leuitico numine. *O* corat
valētia. ipsius in martirio
prepollet portugalīa. tran
suecto in nauigio. *U* lisbo
na preficitur. hys grandi
nō in merito: qua triūphās
extollitur: celebriter ex debi
to. *G*lorificetur trinitas. ut
a promptu supplicij. saluet
canentes vnitās. interuen
tu vincentij. Amen. *O*ra
pro nobis beate vincenti.
R. Ut digni efficiamur p
missionibus christi. *Ad ma
gnificat. Antiphona.* Legislator
latuit olim sanctum gratie
thesaurum quem noluit re
ferari hodie dariq; dispo
suit sacris portugalie pa
trorum iudicijs. *Oraio.*

Deus q̄ hodierna die
gloriosum martirem

vincentium insignes
miraculis transtulisti: pre
sta quesumus. ut qui sacre
translationis memoriaz ve
neramur. eius precibus in
ternam beatitudinē trans
feramur. *Per dominum.* *Ad ma
gnificat. Inuitatorium.*
Exaltemus bellicosum lau
dibus vincentium. *P.* Quē
creator gloriosum transtu
lit in solis. *Psalmus.* Venite exul
temus. *Hymnus.* Felix os
ca cōgaudeat. *Antiphona.* In
primo nocturno. *Antiphona.* Vir
beatus munitioni panditur
mirifice trepidanti visioni
cum faue angelice. *Psalmus.* Bea
tus vir. *Antiphona.* Intrepidus in
phasello certos ducit comi
tes obtinendi feruens: lo
portū petunt sospites. *P.*
Quare fremuerunt. *Antiphona.*
Eadem corp⁹ exhumatur
altis fossū rupibus quo
cōperto collaudatur chris
tus in succinibus. *Psalmus.* Do
mine quid multiplicati. *R.*
Gloria et honore coronasti
eum domine. *R.* Et consti
tuiti eū sup opera. *Lectio.*

Scripture declarāt
reges esse felices
qui iuste imperāt
nihilq; locūtur re
bus humanis esse commo
dus q̄ si deo mīse. *Ante ha-*

beant potestatem: qui ei
scientiā regendi populos
cōsecuti sunt. Illorū vero
potentiam qui deū timent.
diuigunt ⁊ colunt qui plus
amāt illud regnum vbi nō
timent habere cōsortes qui
etiam suam potestatem ad
dei cultum maxime dilatā-
duz: diuine maiestati samu-
lam faciunt: nom tam sibi
prestatur quā subditis. In
hijs quidem laudum preco-
nijs Regis alfonfi strenui-
tas ad modū insignis ef-
fulsit. qui suam potentiam
ad ecclie dilatationē. adeo
frequentibus bellis exer-
cuit. vt ⁊ cum sit etate ma-
turus sensu. non solum vi-
cijs. sed et ceteris sedeat
regibus formidabilis. Ho-
l. isqz maluit cum eo paces
aut amicitiam experiri: q̄
belluz. Lusitania quoqz ri-
tulis eius ascribit qđ potis-
sima pars eius a hostibus
fidei libera populisqz reple-
ta fidelibus: vberes domi-
no gratias ⁊ sacrificia lau-
dis exsoluit. Si loca quis
diligens contemplator ins-
pexerit: que rex prefat⁹ il-
lustris. aut diuinis cultib⁹
contulit ⁊ religioni. aut q̄
mentibus ⁊ populis ad reg-
ni firmitatē. ⁊ hostium in

inuationez. seu ampliauit
seu de nouo constituit: pro-
fecto fatebitur: quantum
humano l. debet iudicio. ipi
diuinam gratiam huius vi-
testatum contulisse felicē.
Tu autem dñe. **R.** Ad ap-
tatur testamenti dudum ce-
ca veteris series in euidentē
qđ si archa federis. **p.** Le-
uita vincentius. **R.** Archa
fertur quod archano duc-
toqz ductore sano transfer-
tur subtilius. **p.** Leuita
vincentius. **Lectio. 14.**

Quam ergo me mate-
ria superet de bene-
ficijs scribere proponētē
que patria portugalie nu-
tu dei dum ille rex illustris
Alfōsus regnaret accepit
omissis alijs quibus nostri
facultas ingenij minime
sufficit: pauca interim que
diebus illius ciuitatē vli-
bonam: per diuine pietatis
intuituz supra q̄ credi pos-
sit extollunt: relatum sum-
plicitis sermonis attingam
Sicut igitur litteris ⁊ nar-
ratione maioruz certissime
creditum est: beatissimus
athleta dei vinceti⁹ apud
Valentiam martirio coro-
natus ibiqz sepultus fuit.
Tunc quando sub rege
Roderico fere per totam

hispaniā sarracenis irruē-
tibus christiana ita int-ri-
ret: quidāz viri religiosi tu-
ciora loca querentes. in lo-
co remotissimo versus occi-
dentem qui latine dicitur
caput sancti vincētij de cor-
tio. arabice vero elquenicie
tal corabbud est ecclia co-
rui. prefati martiris ossa sa-
cratissima cōdiderūt. ceilu-
lasqz quantas ille locus an-
gustus. et in mare porrectus
excipere posset extruxerūt
In quibz a viris religio-
sis per aliquod tempus ad
honorez dei martiri glorio-
so seruitum est. et eius obse-
quium non sine diuinis be-
neficijs est cū multa deuo-
tione peractum. Tu autē
dñe. **R.** Ut cum sacru pas-
su graui munus archa clau-
ditur et inmissus praue na-
ui claritas diffunditur. **P.**
Astra cum fragrantia. **R.**
Assistentes admirātur grā-
de mirum contemplantur
que sit tanta gratia. **P.** A-
stra cū fragrantia. **Lectio. iij.**
A vir prefatus Rex
Alfonso iam tum
apuro admodum commē-
dabilis. et famose indolis
adolescens sepe victis hos-
tibus. et regibus superatis
vrbibus quoqz vastatis et

captis. mauris esse terror
cepisset ad locum p̄nomin-
atum vt inde secum bea-
tissimū corpus afferet: vir-
tute tam fidei q̄ gentis ar-
matus accessit. Sed regis
eiusdem pia deuotio. non
tam incuria seu minus pro-
pense labore q̄ ipsius mar-
tis voluntate: cassa est.
Libet igitur super re ista
regis ipsius rationē atten-
dere qui dicit id circo beas-
tum martirem a rege se nol-
le fuisse repertum. quia sibi
placitum fuerat: ab Ellis-
bonensi populo potius ve-
nerari. Et contra regius
animus. Brachare. seu Lo-
limbre si sacrum corpus si-
bi repertum referret. con-
dere proponebat presertim
cum nec dum pietas diuina
sibi contulerit Ellisbonam
Regi tamen non inutilis
pij labori cura fuit. Tu
autem domine miserere no-
bis. **R.** Impletes profes-
sunt celeri vestigio co-
rui qui vere leguntur pre-
sentes martirio. **P.** Verus
stupor cernitur. **R.** Lum-
res carens ratione in se-
met conditione rationis fū-
gitur. **P.** Glens. **R.** Gloria
patri et filio. **P.** Glens stu-
por. **In. ij. nocturno. Antia.**

Flauis que fiti n tormentis
cessauit oppressio: et iussu
cuncti potentis placatur
concussio. *ps.* Cum inuo-
carem. *ana.* Plangēs visu
caruit os qui furtiz tulerat
sed cū hoc restituit perditū
recuperat. *ps.* Verba mea
ana. Ex optato redierunt
vlisbone portui: seqz feli-
ces senserunt tanto dono p
frui. *ps.* Dñe dñs noster. *v.*
Posuiste dñe super caput
eius. *lx.* Coronam de lapi-
de precioso. *Lectio. iiii.*

Item placitam deno-
tionis obtulit: et ora-
tionis hostiā domino. in me-
morā beatissimi martiris.
Cuius ope atqz suffragiis
ac am esse credibile est: qđ
e dem tempore rex prefa-
t⁹ qđ plurimos christianos
qui mulsaranes quasi mix-
ti arabes nuncupantur: ab
infidelium seruitute. terre
restituit christiane. Inter
quos duo fratres: viri reli-
giosi etatis prouecte: et ha-
bitus monachalis qui in lo-
co prefato. et seruitio beatif-
simi martiris suas etates
concorditer egerant adue-
cti sunt. Qui dum honeste
et religiose diu virissent
Ulisbone quam plures ad
maxime scire curantes no-

ticiam loci ybi ab anteces-
sori'us suis beatum vincē-
tium posuim didicerāt: di-
ligentissime docuerūt. Ac-
cidit aut post aliquod tem-
pus cū iam haberetur cer-
titudō definita loco: ū. et tā-
dem volēte deo pacis fede-
ra inter regem sepe dictum
et mauros cōfirmata esset
ad locum securius iter effi-
cerent: quidā bono animo
et spū acti diuino. nauigia
parant. collectisqz necessa-
rijs: maria tentant. pericu-
la superant: et ad locum op-
tatū felici nauigatione per-
ueniunt. ybi vigilijs et ora-
tionibus insistentes. cura lo-
ca presignata terram ape-
riunt corpusqz preoptatuz
post multuz laborem per di-
uinā reuelationē inueniūt
nauiqz desiderabilez sarcis-
nam deponētes cū quibus
gaudijs. quib⁹ deniqz gra-
tiarum actionibus quā leti-
qz hilares famuli dei rede-
ant psequi facile dictu nō
est. Tu aut dñe *lx.* Noctis
dñ fillentū tum seruarent
omnia. reponūt vincentiū.
P. Urbis in ecclesia sacre
iuste virgins. *v.* Felix te-
net munio functus deside-
rio cacumen regiminis. *P.*
Urbis in ecclesia. *Lectio. v.*

Quomodo quidam p[er]
Quartus lumine v[er]us
recepit per beati vincetiū
Hierūtamen. silentio
dandum nō est: quod de so-
cijs vn⁹ qui aderat sibi ipi
quod accidit euenisse cōfesi-
sus est. sibi videlicet de sa-
cris martiris ossib⁹. quod-
dam os dū multo metu hos-
tium raptim colligerentur
se furtiue tulisse. Quo fac-
to tandiu permansit v[er]su
priuatus. quo reliquijs os-
sium partib⁹ partem quā
tulerat: trepidus admodū
et mestus adiungeret. statim
qz suū oculis officiū impe-
trata venia redditum est.
Qualiter mare reddidit se
placabile in transitu beati
vinceti. Sed certe nec hoc
sine beneficio extumandū ē
accidisse diuino. qđ mare
circa partes illas ventis
semp horret et vndis. Sed
tunc. ita semitte redeunti-
bus ⁊ placabile prebuit: ac
si nullis vnqz solitum fue-
rit motibus agitari. Tu
autem dñe. **R.** Tūc rumor
intonuit aduentus vinceti
turbe serus irruit in cōcur-
su gaudij. **P.** Laudes tonāt
varias. **R.** Christo cur ele-
gerat vrbē cui trāstulerat
martiris reliquias. **P.** Lan-

ues tonans.

Lectio. m.

Translatione beati
vincentij et de intelli-
gionibus diuersis. et cōsu-
ctum circa eā. Veniūt igitur
ad v[er]sū bonam. et a gen-
te deo portus intrantes op-
tatos. leto remigellit⁹ at-
tingunt. onusqz sacratissi-
mū p[er] humeris imponen-
tes. e nam deponunt. Sed
ne violentia quorundā va-
leat in considerata nocere:
sub nocte quasi clanculis
gressibus ad ecclesiā beate
iuste virginis occulte de la-
tum est. Verum vbi ciuita-
ti manefactor ei tam excel-
lentis euentus innotuit: fa-
ctus est cōcursus in erimū
et armatorū viroꝝ. Ille
ad monasteriū quorund.
regularium extra ciuitatē
cōmorantium cū violentia
letigāt ⁊ cōtendūt debere
deponi. Alij sententia sa-
nore reclamant ad cathe-
dralem ecclesiā sacratissi-
mū corpus oportere defer-
ri. At vero Gonsalu⁹ egee-
quem in illis diebus. et an-
tedictus milicie prefecerat
extermature. vir vtiqz stre-
nuus ⁊ discretus mandat
emedio violentiā ⁊ litigiū
tollī. regisqz super re tanta
beneplacitum expectari.

Amen amen dico vobis
si granū frumenti ceciderit
in terra mortuū erit ipm
solum manet. Si autē mor-
tuū fuerit multū fructum
offert. *Ex rel. q. Romulus d.
historia eundem. Actio m.*

Et merito credit enī
ad suū id totum fieri
felicitatis augmentū. San-
det suā ciuitatem et terras
scilicet benedictione dei et
nutu sua speciali melicia
potestati redditaz christia-
ne suis temporibus tanto
martire sublimari. Sander
itaqz in super ecclesiam qz
ipse ad honore dei et memo-
ria bte virginis marie cōs-
tituit. et dictauit manuqz
propria sūptuqz fundatam
edificauit. et beneficijs am-
plioribus successu temporis
edificatā profecto dorauit
Hanc in qz gaudet. et alijs
vicinatis ecclesijs multis
diuine gratie docibz. et hīs
maxime presentibus marti-
ris gloriosi reliquijs excel-
lentissime preferendā. Diui-
na igitur pietate et prudē-
cia summa rex illustris pmo-
tus hortatur et mādāt. qua-
tin⁹ viri comēdabiles et stre-
mū ad locū i quo fuerat sa-
crū corpus inuēti. motū ee
lebet properaret. vt quicqd

aut pulueris aut tumuli ap-
paratus. aut ostiū esset et
aliorū in curia derelictum
ibi vigili curaz omni dili-
gencia reportaret. Quod
totum ea festinatione. et se-
licitate p̄fectū est. q̄ constat
hunc qui hoc iubebat hoc
exoptasse. Rediit et enim
qui missi fuerāt et sacos ci-
neres et ligna sepulchri. et
partē teste capitalis beati
martiris et cū reliquis par-
tibus vltis bone ingenti ei-
uū veneratione cōponūt.
Tu aut. *lx.* Flenit gaudēs
vt aduētū nouit felicissimū
rex alfonsus incrementū re-
putauit maximū. *p.* Digni-
tatis regie. *x.* Nota qz
poterant lachrimas q̄. e-
rāt in deuota facie. *p.* Dig.
l. cō. viii.
O Emiro et
suam odore lignoz.
arche in qua deuēctus fuit
corpus eius. Sed quanta
dulcedo miri odoris ligno-
rū existat adhuc in presen-
ti die volētibz experiri. si
propius admittāt. ut mira
fragrancia. et suauissimus
odor occurrat de suauita. e
odoris q̄ sensit quidā ar-
chidiaconus procedente a-
rūba vbi iacet corpus bea-
ti vincentij. Sed et hoc si-
lencio preterendū nō est qd

magister benedictus prece
ptor noster vir vita grauis
et moribus comendandus:
nuper expertus est. Qui-
dam more solito ad altare
iuxta quod ossa saccerrima
posita sunt. orando animo
propius accessisset. tanta se
sensit odoris et flagrantie
suauitate perfusum. quod
quasi stupore martis et ex-
tasi tactus. orationi tamdiu
se dedit quoad odor ille quasi
claritas summi cuiusdam
abscessit. *De die qua cele-
brabitur festum translatio-
nis beati vincenij et de mi-
raculis eius in generali.*
Scribitur itaque dies et gra-
ta memoria feliciter celebra-
ti in qua beatissimi corp⁹
vincenij ad vlsibonensem
ecclesiam constat esse transla-
tum. Que translatio iocun-
da celebrariq; statuitur. xviij
klis octobris. Anno domini
M. c. lxxiij. Regni autem re-
gis Alfo. si. xl. v. vite vero
eiusdem anno. lx. vi. Filioq;
regis eiusdem Sanctio con-
regnante decem et nouem an-
norum adolescente mirabi-
lis indolis. ab vrbis vero p^{re}-
fate captione. Anno. xx. vi.
Cum igitur ad totius reg-
ni felicitatem attineat. mar-
tirio adeo gloriosi p^{re}sencia

maxime populus vlsibone-
sis. vgi teneatur. debito di-
uinam clementiam super tam
excellenti beneficio laudibus
incessantibus benedicere
multis actionibus gratia-
rum extollere. Tu autem dñe.
R. Adornatus martir dei
celebus virtutibus pulchra
mire speciei largitur mor-
talibus. *p.* Virtutum insig-
nia. *v.* Cecis visum. clau-
dis gressum. quodq; rele-
uat oppressum. egrotis re-
media. *p.* Virtutu. *v.* Glia
pri. *p.* Virtutum. *L. c. x.*
Et per omnia sermo-
ne magnifico: predi-
care et licet enim ter-
ram habeant. virtute diuina
incomparabiliter bonam ter-
ram in quam omnium generum
fructum comendabilem oleo
vino. frugibus habundantem
Aere saluberrimam. vndatis
beneficio copiosam. Presen-
ti tamen celestis gratie do-
no ceteris potest nostro iu-
dicio sue vicinie ciuitatibus
atque pom. Propter presens
siquidem donum is qui est
maiestate mirabilis et in sa-
ctis suis gloriosus mirifi-
ce magna et magnifice mi-
rabilia per assuete bonita-
tis gratiam diebus singulis
operatur. Demonia siquidem

ab obsessis corporib⁹ effu-
gari muros loqui. claudis
gressum restitui in mari pe-
riclitantibus. subueniri ce-
cos illuminari. sublatis fur-
to pecunias mirabiliter red-
di mulieres adiutino euici-
no sanguinis fluxu sanari
tortos membra idest in mē-
bris rectos effici. ab huma-
nis corporibus varios lan-
guores expelli. qui diuine
gratie aut beatissimi mar-
tiris vincentij meritis nō
ascribunt: non solum dei be-
neficiorum ingrati. verum
etiam a fidelium numero
alienissimi sunt habendi.
Deprecabatis igitur mira-
culis ex ordine tractatur⁹
ne diuina beneficia poste-
riorum noticiam lateant. li-
cet eorum impediatur copia
proponentem. tamen sicut
hec et alia q̄ plura mira ge-
sta per beatum vincentiū
operante deo vera dignos-
cuntur: prout breuius pote-
ro explicabo. Cum ergo
eius tātis auditis miracu-
lis hinc inde populos fama
contraheret: et hos ad vidē-
dum res mirabiles. allos ad
glorificandum nomen dñi
conuocaret: plerosq; tamē
spes āplus pperat vt pie-
tate diuina. et vti vincentij

martiris ad egra corpora.
teu mētes spū veritas ma-
ligno. sanitas reducat. Tu
autē dñe. *In laudib⁹. añ.*

Extollamus creato-
ri creaturis digniori
laudes in hijs laudib⁹. *ps.*
Dñs regnauit. *cū reliquis*
añ. In nobis et ardor mē-
tis nouis crescat in cremē-
tis abiectis veteribus. *añ.*
Virtus pellat vicium sal⁹
purget saucium noctē dies
protin⁹. *añ.* Benedicāt vni-
uersa dño nos vice versa
benedicat dñs. *añ.* In psal-
mis et canticis iubiletur mu-
sicis martiri vincetio. *Ca-*
pūlu. Beatus vir qui in-
uētus est sine macula. *ly⁹.*

Quelli tonātis pre. cū
sacris refulget tū-
lis. qui transtulit vincentiū
crebris clarum miraculis.
Quem trāslatum rememo-
rat. vlt bona mirifice: tem-
plūq; decorat: exultans ho-
norifice. *V*auc. s promat
ecclesia: tanti patroni mer-
tis: et nobis pellens vicia:
donis fruatur solitis. *Glo-*
rificetur trinitas: vt ap̄ō-
ptu supplicij: saluet canen-
tes vinitas: interuentu vin-
centij. Amen. *V.* Ora pro
nobis beate vincenti. *R.*
Ut digni efficiamur p̄mis

sionibus christi. **Moyses.** **an.** Laboris oppressio hic
 subiecto careat traslato vi
 centio cuius ope prouebat
 christus nos in gloria seruet
 portugalia sacro tutam bra
 uio. **Oro.** ut supra. **Per ho**
ras diei. an. de laudibus.
Ad in. vi. ix. Cap. 13. et Rha
breuia dicuntur de coi. viii.
maria. Ad vs. an. Extolla
 mus creatori creaturis. et c.
 cum reliquis de laud. ut sup.
ps. Dixit dominus. cum ceteris. i
 fine. **ps.** Credidi propter
 Cap. hymn. et v. dñr sicut
 in primis vespiis. ut supra.
Ad magn. an. Spungator
 nobilis qui post pugnam te
 tras ferre dignatus es utilis
 portugalesium terre interce
 de te precamur ut hic tecum
 transferamur sursum in pe
 renio. **Oratio.** ut supra.

In vigilia sanctorum
martirum gloriosissimi. Mari
ne et Iulii ad vespas. an.
 Proficiebat siquidem per
 a. et c. cum reliquis de laud.
ps. Dixit dominus. cum reliquis
 in fine. **ps.** Laudate dominum
 omnes gentes. **Cap.** Iustorum
 aie in manu dei sunt. **Hay.**
 Sanctorum meritis. **v.** Letami
 ni in domino et exultate iusti.
R. Et gloriamini omnes rec

ti corde. **Ad magn. An.**
 Quia gloriosi martires
 christi beati etissime qui in
 amore dei maxima quoque
 iulia tormentum mortis vili bo
 na ciuitate accepistis iter
 cedite pro nobis ad domi
 num iesum christum. **Oro.**

Deus qui nos ad
 scitueris tui diem tre
 buis peruenire le
 tates: quique illi beatas ma
 xima et iulia in martirio so
 ciastis tribue quod: ut sicut ce
 lebramus officijs: inuenimur
 expleis. **Per dominum.** **Ad ma**
tuti. Inuitatorum. Sanctus
 verissimus martir beatissi
 mus quoque maritus: iuliet
 eritus deuotissimus. **p.** La
 udes dant supremo regi
 qui regnat altissimus. **ps.**
 Venite exultemus. **Hay.**
 Eterna christi munera. **que**
 in coi martir. **In i. noctur.**
an. Qui cum preceptis im
 perialibus fuisset admoni
 tus ut diuersis tormentis in
 terficiret eos qui sacrificare
 idolis distulissent. **ps.**
 Beatus vir. **an.** Tres christi
 nostro martires virissi
 mi. maxima et iulia paga
 ni tunc presulis persecutio com
 secrauit. **ps.** Quare fru
 a. **an.** Consumantur tandem

I. 2
 tob

gladio tormento maruili z
voce christi. cōfiteris q̄
mutare pena non poterat
spiritus em. morat in ce
lu. **ps.** Dñe quid multipli
cati. **R.** Letamini in dño z
exultate iusti. **R.** Et glo
riamini. **zc. Lectio prima.**

In tēporibus illis
cū per vniuersas
provincias ad ro
manū imperiū per
nētes. paganorū iussio prin
cipū in christianitatis per
secutionē deseruīret: nec es
set omnino in orbe angul⁹
in quo nō vere religiōis ar
dore idolorū cultura niteretur.
In vliſ bonensi ciuitate
q̄ in oceani littoze olim esse
conditā memorat: z reterit
antiquitas: tres christo no
stro martires. Verissimū
Maximā et Iuliā: pagani
tūc perfidis persecutio cō
secrauit. **Tu aut. R.** Cum
per vniuersas provincias
ad romanū imperiū perti
nētes. **P.** Paganorū iussio
principū in christianitatis
psecutionē deseruīret. **R.**
Nec esset omīno in orbe an
gul⁹ in quo nō vere religio
nis ardor z idolorū cultura
niteretur. **p. Paga. lectio. ij.**

Quā cū preceptis im
perialib⁹ fuisset ad

monitus vt diuersis tor
mentis interficeret eos qui
sacrificare idolis distulif
sent: preceptionis impie ne
fari⁹ executor. predicte vr
bis in digenas deduci ad
sacrificium per ministros
suos compulit. qd̄ fm ritū
paganitatis: recursu forte
temporis imminebat cōtra
dicētib⁹ penā: decipien
tibus premia promittens.
Tu aut. R. In vliſ bonensi
ciuitate q̄ in oceani litto
ze olim. **p.** Esse conditā me
morat et reterit antiquitas
R. Tres christo nostro mar
tires verissimū maximā et
iuliā pagani tūc presu
lis persecutio consecrauit
p. Esse conditā. **Lectio. ij.**

Quāq̄ inter alios
quos mundanarum
rerum blandimenta
deceperat adolere profa
nis altaribus. Verissimus
Maxima et iulia caperen
tur. discrepant s̄ quidem
sexus: sed animi virtute con
similes christianos se esse
christi credere. nec deuelli
posse ab ei⁹ ministerio sūt
p̄fessi. Quorū iudex cōfes
sione cōperta: parari secre
tariū iubet intromitti licito
res extendi martires. ad
moueri verbera colligari

ungulas. erponi equuleon
tédiculas imperauit. Sed
nihil horú dei famulos aut
terrui promissum: aut su-
perauit appositú. Tu aut
dñe. **R.** Qui cum preceptis
imperialibus fuisset admo-
nitus: vt diuersis tormētis
interficeret. **p.** Qui sacrifi-
care idolis distulissent. **R.**
Preceptionis impie nefa-
rius executor: prediſte v-
bis indigenas deduci ad sa-
crificiū per ministros suos
p. Qui sacrificare. **R.** Glia
patri. **p.** Qui sacrifi. **In. ij.**
nocturno. añ. In vltibonen-
si ciuitate q̄ in oceani lit-
tore olim esse conditam me-
morat et reterit atiquitas
p. Dñe quis habita. **añ. a.**
Terribilissimus maxima et iu-
lia capiuntur discrepantes
quidem seru animi virtute
cōsimiles christianos se ef-
se profitētur. **ps.** Cōserua
añ. Nec si tamen se uientis
iudicis est explecta crude-
litas nā inhumata reliquit
corpora et sanctorum molli-
b' aggrauata. **ps.** Dñi est
terra. **R.** Exultent iusti in
conspetu dei. **R.** et dilectē-
tur in leticia. **Lectio. iij.**
Proficiēbat siquidē
per dāna corporū vir-
tus animorum: et per mul-

tiplices ac succiduos sup-
pliciorū grauius. ad repro-
missam beatitudinem fides
in dñm tendebat.
Ardebat quidem iracūdia
persequentis. vt cum fidu-
cia martiribus inuentionū
suarum tormenta cōspice-
ret: et per omnes caliditatē
astutias mēs diabolo dica-
ta currebat. Sed vinci in
mundum astutia sanctorū
Terribilissimi Marime et iu-
lie agone nō poterat: quos
ad coronam celestis premiū
cooperantes paciēcia di-
uina mouebat. Tu aut dñe
R. Cūq; inter alios quos
vel mundanarum rerū blā-
dimenta deceperant adole-
re profanis altaribus. **p.**
Nec diuile posse ab eius
ministerio sunt professi. **R.**
Terribilissimus maxima et iu-
lia caperentur discrepan-
tes quidem seru sed animi
virtute cōsimiles: christia-
nos se esse profitentur. **p.**
Nec diuile. **Lectio. v.**
Onsumentur tandē
gladio tormēta mar-
tirū. vt vocem christū confi-
tentes: quam mutare pena
non potuit: spiritus emissus
intrat in celum. Et sic ta-
men se uientis iudicis est ex-
pleta crudelitas. Nam in-

humata reliquit corpora: et
sareis molibus cgg. aus-
ta. subiectioe laniari: affer-
ri iussit in peragum: ne im-
pese: sepulture testimonio:
exemplū confessionis ac fi-
dei ad posteritatis noticiā
perueniret. Sed prius ve-
neranda ad littus corpora
ante quam nūti reuertere-
tur: peruenierunt. Tu autē.

R. Quorum iudex profes-
sione comperta: parari se-
cretariū iubet. introuiti
littores: extendi martīres.

P. Admoueri verbera: colli-
gari ungulas: exponi ecu-
leorum tendiculas impera-
uit.

R. Sed nihil horū dei
famulos: aut terruit. pmi-
sum: aut superauit apposi-
tum. **P.** Admoueri. **Eccl. vi.**

Occurrit plebs deuot-
a cū gaudio: tāte rei
obstupefacta nouitate: fi-
de excitata martīrij: in ani-
mositate: corpora veneran-
da colligeret: et ad sepultu-
re locum cū maxīma reue-
rentia et veneratione trās-
ferre: nec illorū christiano-
rū: aut familiaris rei occu-
patio tenuit quēqz: aut se-
rus retraxit: aut infantia
prepediuit: quominus et ra-
ctus de esset officium.

Quis populi nos hodie

erēplum sequentes: annua
hec martiribus Venerissimo
Maxime et Julie festa per-
soluimus: vt eorū interces-
sionibus adiuenimur. Nec
credere debem⁹ defunctos
quos throno celesti nomi-
mus esse applicatos. Per
dominū nostrū iesum xp̄m
cui est honor et gloria. vir-
tus et potestas in secula se-
culorū amen. Tu autē dñe

R. Proficiebat siquidem
per damna corporū: virtus
animarū: et per multipli-
ces ac succiduos gradus.

P. Ad repromissam beatitu-
dinē fides in deū stabilita
tendebat.

R. Ardebat qui-
dem iracundia perseq⁹ en-
tis: vt cum fiducia mar-
ibus inuentionum suarū
tormēta cōspiceret.

P. Ad
repromissam.

R. Gloria patri

P. Ad repromissam. **In. iij.**

noct. aña. Sanctorū veris-
simi maxime et iulie agone
non poterat quos ad coro-
nā celestis premij coopera-
tes patientie diuina clemē-
tia manebat. **ps.** Exultate

iusti. **an.** Post hec fecit la-
nari: afferrī iussit eos im-
pella gū ne impense sepul-
ture testimonio exemplū
cōfessionis ad posteritatis
noticiā perueniret **ps.** Be-
b in

medicam dñm. **III.** Precen
tionis impie nefarius exe
cutor predictę vrbis indi
genas deduci ad sacrificiũ
per ministros suos cõpulit
ps. Deus noster refugium.
R. Iusti aut in perpetuum
viuet. **R.** Et apud dñm est
merces eorum. **Tres viti**
me lectiones leguntur de
homilia sancti gregori pa
pe. super euangelium secu
dũ lucam Cum audieritis
prelia et seditiones: **vt in**
cõmuni plurimorum mar
tirum. R. vii. Sanctorum
verissimi maxime et iulie
agone nõ poterat. **p.** Quos
ad coronam celestis premij
cor parate patientie diui
nę clementia. **R.** Consu
mantur tandem gladio tor
mẽta martirij: vt voce chri
stum confitentes q̃s muta
re penna non poterat spi
ritus missus intraret in ce
lum. **p.** Quos ad corona.
R. viii. **Ita** sic tamen se
lietis iudicis est explecta
crudelitas. **p.** Itam inhu
mata reliquit corpora: et sa
torũ mollibus aggrauata
R. Post hec fecit laniari:
afferri iussit eos impellagũ
ne impenisse sepulture testi
monio exemplũ cõfessiõis
ad posteritatis noticiã per

uenit et **p.** *Ilam inhumata.*
& L. *loria patri.* **p.** *Ilam in*
humata. **An.** *laudibus.* **an.**
P. *Reuerent siquidem*
per damna corporum:
virtus animorum: et p multi
plices ac succiduos suppli
ciorum gradus: ad repromis
sam beatitudinem fides in
deum stabilita tēdebat. **ps.**
Dñs regnavit. **cū reliquis**
an. *Quorum iudex profes*
sione cōperta: parari secre
tarium iubet introuitti lic
tores: extendi martires ad
inoueri verbera: colligari
ungulas: et pōnē eculorum
tendiculas imperauit. **an.**
Cumq; inter alios quos
vel mundarum rerū blādi
menta deceperant: adolere
profanis altaribus: nec di
uelli posse ab eius mīneite
rio sūt professi. **an.** *Qdaga*
norem iussis principuz in
christianitatis persecutio
ne deseruīret nec esset om
nino in orbe angulus: in
quo vere religionis ardor
et idolorum culture nitere
tur. **An.** *Occurrit plebs de*
uota cum gaudio: tate rei
obstupefacta nouitate: fid
excitata martirij ch: fia
nitate. **Capitū** *Iustorum*
anime. **Hymnus.** *Rex glo*
riose martirū. **& Exulta**

bunt sancti in gloria. **R.**
 Letabunt in cubilibus suis
Ad benedictus. añ. Corpo
 ra veneranda colligeret
 ad sepulture locum cum ma
 xima reuerencia: ac veneratione
 transferre nec ullum
 christianorum familiaris rei
 occupatio tenuit. **Oratio**
vt supra. Per horas diei
 añe de laudibus. **Ad. in. vi**
ix. Caplm. **R.** **Exa breuia di**
citur. de comuni plurimo
rum martirum. **Ad vespas.**
añ. Proficiebat siquidem
 cum reliquis de laudibus.
ps. Dixit dominus. curre
 liquis. **In fine. ps.** Credi
 di propter. **Caplm.** **Hym**
nus et v. dicuntur sicut
in primis vespas vt supra
Ad magnificat. añ. Cum
 per vniuersas provincias
 ad romanum imperium per
 tinentes paganorum iussis
 christianitatis persecutio
 ne deseruiret verissimum ma
 xima et iulia caperetur dis
 crepantes quidem sexu sed
 animi virtute conformes
 christianos se esse profiten
 tur nec diuelli posse ab ei
 ministerio sunt professi.

In festo sancte be
rene virginis et martiris
ad vespas. Capitulum.

Fratres. Qui gloriatur in
domino. **Hymnus.**

Collaudantes ve
 neremur beate
 sollemniter: nifi
 toto opere
 eius patrocina: vt cum ip
 sa gloriemur in celesti pa
 tria. **O** clara stirpe mans
 uit: virginis natiuitas: sed
 eam plus decorauit virtu
 tum nobilitas: in hac enim
 habitauit a primordio deitas
Uirgo sancta comproba
 tur: multis mirabilibus: na
 illius si tangatur melota
 criminibus: omnis languens
 liberatur a suis laboribus
Per quam gressum habet
 claudi: leprosi mundiciam
 per hanc iesu nos ex. **i**
 donans rex veniam: vt pos
 simus tue laudi dignam da
 re gloriam. **P**atri dentur
 atque prolis honor et glo
 ria cum spiritu deo soli per
 secula perennia: cum bea
 ta: qui nos potest: perducere
 ad gaudia. Amen. **R.**
 pro nobis beata **B**erena
R. **E**t digni efficiamur pa
 missionibus christi. **Ad ma**
gnificat. Añ. Absoluta
 carnali vinculo scandit ce
 lum: carens obstaculo: ubi
 sponsi persuens osculo so
 ciatur vitali pabulo. **Oio.**

Beate herene virgi-
nis et martiris tue io-
lenitate veneranda q̄s dñe
ecclesia tua deuota suscipiat
et fiat magne glorificatio-
nis amore deuotior: et tan-
te fidei proficiat exemplo.
Per dñm. *Ad matinu. In*
uitatoriu. Laude; ecclesia
christo multiplica. p. Here
ne gaudia qui dedit celica
ps. Venite exultem. Hy.

Allaudare studeam?
herenā cū cantibus:
q̄s laudādo demonstramus
fuisse virtutibus: si ad ple-
num desideramus de illius
actibus. **D**um oleo vas ser-
uauit per multas vigilas:
idcirco gaudens intrauit
ad lestes nupcias: vbi vi-
ta quas optauit percipit
delicias. **O** q̄s palam demō-
stratur virginis sanctitas
dum celis reuelatur iuue-
nis infirmitas. et per tactū
restauratur insperata sa-
nitas. **P**er uā egros iesu
one sanas multipliciter:
et hanc fac nos in agone
sic pugnare fortiter: qua in
celi regione letemur feliciter.
Patri dantur atq; pli.
In primo nocturno. añ. Se
minarum quodam cenobio
inuetū nabam qd̄ erat flu-
uio sancte fuit inhabitatio

ps. Bone dñs nr. añ. Pre-
cum nit us vigilis: semel
post anni circulus: sancti pe-
tri cū ali. bat oracu-
lum. ps. Celi enarrant. añ.
Preces crebo fletui iesu-
nās iungebat: et carne spi-
ritui seruire cōgebat. ps.
Dñi est terra. R. Specie
tua et pulchritudine tua.
R. Intēde p̄spere. Lcō. j.

Dillio beate herene
virginis et martiris
Tēpore nobilissimi
atq; christianissimi casti-
naldi: et casie cōiugis eius
qui principabantur apud
nabantia: fuit quedam mo-
nialis virgo herena nomi-
ne nobilis progenie: sed vir-
tutibus nobilior. Remigi?
nāq; monachus religiosus
et doctus docuerat: eam tā
litteras: q̄s mores sub gra-
tia nobiliū parentū suoz;
hermigi et eugenie: et dñi
abbatis selij qui frater eu-
genie matris ipsius virgi-
nis extitit. **T**u autē dñe. *R.*
herena vas repletum gra-
tia falsa mūdi cōtēpsit gau-
dia. p. Expedite curre; ad
premia sine carentia. R. In
agone stans christi famula
a secuta pellit obstacula. p.
Expedite. Lectio. ij.
Erat in cenobio mā-

gno beate virginis marie iuxta torrem qu. dicitur effron. Super hoc cenobiū versus aquilonem erat predicti Castinaldi palacij: cū villa pulcherrima dicta nabatia. Sub villa ista super nabatia viuebat sancta herena cū monialibus sacris quarum due sorores patris eius erant. scilicet. Casta et Julia que ibi postea fuerūt sepulte in singulis lapideis monumentis. Tu autē dñe. **R.** Adolescēs britaldus nose admirandā per pulchritudinē infirmatur. **p.** Defixo lumine in sc̃tā virgine. **v.** Adedele penitus hic opem perdidit amor illicitus quā egrum reddidit. **p.** Defixo.

Qui edificat. **Lcō. iij.** tū est opus parū et pulchrū in modū arcuate domus. Sancta vero herena cōsueuerat semel in anno ad ecclesiam beati petri cū alijs monialibus orationis causa venire. Que ecclesia erat iuxta palatium Castinaldi: vbi ipse fere oras audiebat. Quam virginē videns filius castinaldi vnicus nomine britald⁹ cōcupiunt: et amore eius egrotauit. Tu. **R.** Sunt parētes tristes obfiliū: sed

oni prōptus est ad auxiliū iuuat christus. **p.** Sic reddit gaudiū in mētes tristiū **v.** Adorbū sc̃tā nescit diuinitus tactus: eger sit sanus penitus. **p.** Sic reddit gaudiū in mētes. **v.** Gloria patri. **p.** Sic red. **In. ij. noct. an.** Temptatur remigiū qui sanctā iuxerat et ei⁹ ardentius amplexus desiderat. **ps.** Eructauit. **afia.** Pudor propulsatur: ven⁹ hūc estuat: sanctā deprecatur sibi qd̃ annuat. **ps.** De⁹ ñ. **iii.** Flūc minis alloquitur: nūc illi blandit: hec minis nō frangitur. nec blādiciis mollitur. **ps.** Magnus dñs. **v.** Adiuuabit eaz⁹ vultu suo. **R.** Deus in

dio eius non cōmouebitur **Q**ueruntur **Lcō. iij.** medici sed nō possūt scire causam egritudinis. Sancta vero herena sciēs diuinit⁹: vnde ipse infirmaretur visitauit eū. et consolatur: eū dissuadet ei quātū potest qd̃ cōcupierat. Tūc ipse. Si alij cōpleueris qd̃ mihi negas. te percutiam gladio. Et illa absit hoc a me frater mi: vt tuā vel alterius nefandā compleam voluntatē. Et impositis super eum manibus et orōne

facta rediit in domū suam.
Tu autem dñe. **R.** Herbe
succus impotū traditur cu
ius haultu virgo conspici
tur quasi pregnās: vulgus
decipitur. **p.** Subire falsa
dum virū creditur. **x.** Ac
tor mali verum hoc asserit
virginalis sic fama deperit

Tunc iuue. **lco. v.**
ne sanato: referunt
deo gratias et sancte here
ne: munera mittūt ei: post
hec biēnio elapso: intrat sa
thanas in remigium mona
chū magistrum eius: et cō
cupiscit eam: et modo blan
dicijs modo minis: nō ces
sat inquietare eam. Que
et acta respōdit ei: scio ma
ster bone: vsqz modo mi
nistrasti mihi veritatem: et
omne bonum: caue ne mihi
amodo munifres errorem
nequitiam diaboli. **T**u aut
dñe. **R.** In virginem sur
gunt obprobria: deuītatur
eius coll. quia. **p.** Nam pa
tebant cunctis iudicia: qđ
fuiſſet hominis conscia. **x.**
Virgo viris prorsus inco
gnita secum mirans sit val
de territa. **p.** Nam. **lco. vj.**

Tu autē vidēs se nī
hil proficere: ym^o her
be succum ei impotum de
dit ei mox intumuit venter

eius: ac si pregnans effeti
et sic infamata per eum ce
pit contemneret obprobrio
haberi. **gus.** vero admirās
se asseribat virum non co
gnouisse sed venter tumēs
maiorē fidez faciebat cre
dentibus. Quo comperto.
iterum pulsat eam minis et
precib⁹. Sed passus repul
sam: cuiādam militi decuria
patris sui amico suo specia
li mandauit eam gladio fe
riri: et infinium proſci: vt
sic tantum facinus melius
occultetur. **T**u autē dñe.

R. Nec brutalum factum
nō latitat: rursus illum ve
nus exagitat. **p.** Et nūc mi
nis virginem concitat: nūc
blādicijs flagitat. **x.** Ignē
fouens: illicitum sancte cu
pit concubitum. **p.** Et nūc

x. Gloria patri. **yn. iii. hoc**
turno. añ. Abinaldo moni
tus necat quidā miles san
ctam prorsus coitus nolē
tem virilles. **ps.** Cantate.
añ. In ozecarum fluuiū
it per nabam corpusculum
ex hoc transiit in aliū cui
tagus est vocabulum. **ps.**
Dñs regnauit exultet. **añ.**
Hinc miles. et remigijs
romā vadunt celerius vbi
sub penitencia migrant iu
uante gratia. **ps.** Cantate

te. *¶* Elegit eam deus. *zc.*
Secundum Bar. c. ii.

In illo tempore. Di-
xit *scilicet* discipulis
suis parabolam hanc
Simile est regnum celorum
thesauro abscondito in a-
gro: quem qui inuenit ho-
mo abscondit: et pre gaudio
illius vadit: et vendit vni-
uersa quae habet: et emit agrum
illum. Et reliqua. *¶* **Hom-**
ilia de historia. Lectio. vii.

Qui precepto eius ad-
quiescens: inuenit
foris iuxta fluvium post ma-
rutinas cum staret in ora-
tione: et decollatam sic in-
flumen profecit. Qui mor-
pensitens cum renigio mo-
nacho inierunt Romam ubi
ambo sub penitentia mor-
tui sunt. Deinde corpus san-
cte virginis per nabam in-
nozecarum et ex hoc intagum
iuxta montem qui dicitur
calabicastrum peruenit: ma-
nefacto queritur: sed non in-
uentum: cum aliquo recessisse
putatur. Tu autem domine. *¶*
Sancte sue non patitur vl-
tra deus obprobria verum
latens ostenditur: propulsa-
tur fallacia. *¶* Sic sepulta
laet nascitur: sepelitur in sa-
cra. *¶* Quid fuisset accuz
de virgine nostri abbas di-

uino flamine. *¶* Sic sepul-
ta laus. *¶* **Lectio octaua.**

Sed deus nolens earum
tam mala suspicionem
permanere: reuelat totum
factum abbati sellio. Qui
cum monachis: et militibus:
et alijs gentibus venit ad
locum predictum. Tunc ta-
go dei virtute collector: ad
se ex vna parte apparuit so-
lum illius quasi terra ar-
ida: ubi inuentum est sancto
corpori aptissimum sepul-
chrum. Tu autem domine
miserere nobis. *¶* **Locus**
ostentum celitus abbas: de-
poscit conficius. *¶* Ubi cor-
pus a populo repertum est
cum tumulo. *¶* Sancta
tem propalat virginis. *¶*
lum sic in aquis fluminis
¶ Ubi corpus a populo. *¶*
Gloria patri. *¶* Ubi cor-
pus a populo. *¶* **Lectio. ix.**

Ecce cum eam de lo-
co illo mouere non
possent: intelligen-
tes quod eam deus ibi vel-
let sepeliri: celebratis ere-
quijs eius cum honore de-
bito: ad propria remea-
runt. Tollentes autem se-
cum de reliquijs sancti
corporis ubi multi: ceci-
claudi: leprosi: et diuer-
sas infirmitates habentes

extactu reliquiarū: affectu
deuotionis deo adiuuante
curati sunt. Cui est honor
et gloria in secula seculorū
Amē. Tu autē dñe. *R.* Deo
gratias. Te deū laudam⁹.

A. In laudibus. Añā.

Adest dies gaudio mul-
tiplici pēna. i qua celi solio
locatur herena. *ps.* Dñs re-
gnauit. *cū reliquis. Añā.*

Paupertatis martiriū: de-
cus virginalē: virginē ad
gaudiū ducūt eternale. *añ.*

Dum aque tagi fluminis
cursum dimittunt propriū
de sanctitate virginis pa-
lā dāt testimoniū. *añ.*

Post certamē nobile celo corona-
tur: vbi delectabile lumen
co tēplatur. *añ.*

Per amo-
r. viculū herēs nato de: he-
rene vocabulū cōformauit
rei. *Caplm.* Fratres. Qui
glorietur in dño. *Hyman.*

In hac die recolatur
virgo cum leticia: in
qua demundo leuatur ad
regna celestia: vbi spōsum
amplētur: grata fruens
gloria. Virgo minas impio-
rū nō timens impelio: re-
nuendo viri thorum: vitā
fuit gladio: sic est nutritrix
in celorum sublimata solio

Quia gratis conseruauit
virginali liliū: atq; tan-

dei cōsumauit: vitā per
martiriū: bina suum des-
corauit: aureola premium.

Iesu beatus. *ecamur:* vt
herene precibus: in presen-
ti sic soluamur: a peccatis
nexibus: quod post mortē
conugamur: angelorū ceti-
bus. **P**atri dētur atq; pro-
li laus honor et gloria: cum

spīritu deo soli: per secula
perennia. cum herena quī
nos poli: perducit ad gau-
dia. amen. *x.* Ora pro nobis
beata herena. *R.* Ut digni

efficiamur promissionibus
chrīsti. *Ad benedictus añ.*

Implens sponsa sponsi cō-
silia. manū suā misit ad for-
cia mūdi: namque reliquit
omnia: sequens nuda mun-
di vestigia. *Oratio vt sup.*

Per horas dici añē d laud.

Ad. iij. vi. ix. Cap. 2 R. 12

breuia dicuntur de cōi. vir-

ginū. Ad rē. añā. Adesto

dies gaudio multiplici. cū

reliquis de laud. vt sup. ps

de virginibus. Cap. bññ.

et. x. dñr sicut i primis ves-

peris. vt supra. Ad magñ.

añ. Opudori: liliū martiris

rosa. x. tutū armarīū gēma

radiosa fac nostrū collegiū

prece preciosa frui post exi-

liū vita gloriosa. Dio De?

innocentie cultos. 2c. vñ.

In isto Crispin
z Crispiniani mart. i. s. sit
totum officium de comun
plurimorum, mart. i. preter
oratione et lectiones. Ora
io sequens.

Adesto dñe popu
lo tuo et beatorū
martirū tuorum
crispinū z crispinianū meri
ta preclara suscipiens: ad
impetrandā miam tuā sem
per eorum patrocinijs ad
iuuemur. Per dñz. **Lectio. i.**

Quoniam sub maximiano
et diocletiano qui si
mul imperio potiti potesta
te eadē: christi visi sunt ex
pugnare ecclesiam: crispi
nus z crispinianus suasio
nem ciuitatem hospitā sue
peregrinationis elegerunt
In qua ita pualuerat error
gentilium: vt hospitū eis
eo quod esset christiani ac
humilitas vetaretur. Tu
autem domine. **Lectio. ii.**

Aldies hec maximia
nus impius ad perfe
quendum eos rictionariū
dixit sue impietatis mi
nistrū. A quo exquisiti cal
ciamenta pauperum sunt i
predicta vrbe sarcietes re
perti. Quibus accersitis
proprijs appellās nomini
bus ait crispine z crispinia

ne cuius dei cultores: cui
religionis veneratores; vos
fatemini. Tu aut. **Lectio. iii.**

Sancti vero crispin
et crispinian quibus
erat fidei immobilis supra
petram solidissimā positū
fundamentum protestātes
se dei cultores dixerunt io
uem et apolinē mercuriū
ac saturnum aut quēlibet
horum quos deos creditis
gentiliū errore decepti: nec
collimus nec adoramus.
Tu autēz dñe. **Lectio. iiii.**

Tunc impij principis
minister impius pre
claros martires extensos
trocles cedi fustibus iussit
At hi in tormentis consti
tuti celestia contēplari
dicebāt. Respice in seruos
tuos et in opera tua dñe et
adinua nos: vt perficiam
op⁹ tuū sine macula. Tu.

Tunc rictio. **Lectio. v.**
narius furore insani
ens molas ad singulorum
colla iubet suspendi z hye
mis tēpore in quodā flumīe
cui⁹ vocabulum est arona
velut sub glatie demergi.
At illi scuto diuine pteci
virtutis dicebant dño leti.
Super aquam refectionis
educasti nos dñe. Tunc vi
des inimicus nihil se

tis aduersus christi mart.
res preualuisse supplicis
sele concite furēs rictiona
rius precipitauit in ignem
et ita morte pessima vitam
finiuit in dignam. **Tu aut.**

Quā iustū **Le. vi.**
mirūq; diuine equita
tis iudiciū: vt ille qui mul
tos christi martīres ad ce
lorum regna properantes
ignis interemit cruciatu:
ipse ad eterni ignis perpe
tuos cruciatus igni preci
pitaretur cōsumptus. Sed
maximian⁹ mox audita sa
tellitis sui rictionarij per
ditione vtrumq; videlicet
crispinum et crispinianum
gladio puniri precepit. Et
hī dictis amputatis capi
t.ous. Preciosa in conspe
ctu domini morte expiran
tes: et confortati christi dei
presidio: octauo kalendas
nouembriis consumauerūt
feliciter martiriū. **Tu au**
autem domine miserere no
bis. Tres vltimae lectiones:
leguntur de beata sancti
Gregori pape. super euan
gelium secundum lucam.
Cum audieritis prelia et
seditiones nolite terreri o
porter. (vt in communi plu
rimorum martirum.)

In festo sanctoꝝ
marci et vincēti. Sabine
chaillete. dicant oia de cōi
plurimū. et am. in u. preter
orationē et lectiones. 1210.

Qui beatus
vincentiūz a vin
culis absolutum
cū sorozib⁹ suis
vīrginibus chūsteta et sa
bina ad palmā martirij cō
uocasti: nostroz q̄s absol
ue vincula delictorū et ve
rā dilectionē et vnitatem in
tua ecclia cōcede. **p. 120. j.**

In diebus illis dacia
nus preses eboze cōs
cendit in aulam. Officiū
omne p̄monet suū: vt inda
gine premissa christianos
quoscūq; inuenissent: tribu
nali suo presenteret. Statū
q; repertū adolescentē quē
dam nomine vincentiū: cui
ius meritū nomini cōmitte
batur suo comprehensum
eius conspectibus sistunt.
Tu autem dñe. Le. 21. j.

Dacianus vero vin
centio dixit. Cuius
secte es? Vincentiūz san
ctus cuius spīr⁹ celo ha
bebat: respondēs dixit. Chri
stum colo: ex cuius nomine
christian⁹ vocor. Dacian⁹
preses dixit. Illū christū

27.06
tobis

colis quem, & facinorosis
suis iudei concuſerunt. Ci-
centius san- Do-
mutesce diabolice: non expro-
bare: quē colere deberes; si
demon non eſſes. Tu autē
domine miserere. *Lectio. iiij.*

Respectus indignatio
ne dacianus cū in gē-
ti voce officio dicit. A no-
uete ab oculis meis neſan-
diſſimū ſitum. Et edictum
ex tabula recitauit. Aut ſa-
crificet deo; ſonit: aut in eo-
dē loco ubi ſacrificare ne-
quiuerit: diuerſis penis edi-
ctum morte turpiſſima cō-
denate. Tu aut. *Lectio. iiii.*

Tunc ſabina et chriſ-
teta germane eius
celam vinculo: um eius in-
grediuntur. Silencio adhi-
bito: occasione reperta &
nullo aſtante: tales cū fletu
dabant voces. Parce no-
bis dñe: parce nobis. Jam
a patre matre qz orbate tu
nobis dñs: tu pater. tu eras;
et mater. Cui nos peritu-
ras relinquis? Paulisper
placata aure: audi lamen-
tabilem ſuggeſtionem noſ-
trā. Simulqz fugam arri-
piamus. Tu aut. *Lectio. v.*

Oſectus tandē fletib⁹
germanarū vincēt⁹
ſectus ceſſit. Pariterqz ſu-

gā arripiente; alacri pfectu
compeduz euectatione: a-
bulam cōfugiunt. Statim
qz eos inditio cuidam ſa-
rilego premiſſo velocior
equitatu cruentiſſimi per-
ſecutores perſequuntur.
Quos in memorata vrbe
reptos ſpoliantes crude-
liter vixerunt. Et extra
portam educentes in locuz
qui nunc veſtigia vocatur
ſigillatim ſurſum: ac deor-
ſum in eculeo extenſi: dila-
ceratis eorum compagib⁹
diuerſis eos diſſipauerunt
verberibus. Tu autem do-
mine miserere. *Lectio. vi.*

Oſiſtētes deum pa-
trem et filium ſum. I-
qz ſpiritum ſanctu
et colla lapidibus ſuper po-
ſitis: ſuſtes de ſuper cere-
bro illiſo: tali martirio con-
ſummati Vincentius. Sa-
bina: et Chriſteta: pariter
animas domino tradide-
runt. Qui inhumata mili-
tuz corpora relinquentes:
et ne ſepelirentur cōminan-
tes: ad dacianum ſummā
leticiam nunciantes regre-
diuntur: et licet mandenda
canibus corpora nullo te-
gente obſtaculo reliquiſ-
ſent: vt nec pia miſeratio
chriſtiana q̄ proueniſſe ſibi

martires gaudebat corpo-
ra custodiret. Tu autē dñe.
Tres vitime lectiones le-
guntur de homilia sc̃i gre-
gorij pape. super euāgelij
secundū lucā. Cū audieris
tis prelia ⁊ seditiōes nolite
terreri oportet. **ut in comu-
ni plurimorū martirum.**

C De sancta ⁊ admi-
rabili victoria christianorū
ad ṽs̃ añ. Precinxit se chri-
stus dñs. cū reliquis delau-
dibus. **ps.** Dixit dñs. cum
reliquis. **In fine. ps.** Lau-
date dñm oēs gētes. **Cap.**



Quomā dñs iesus
christus pro fide
pass⁹ est: humili-
ter christiani fid-
les udditare non debēt ei⁹
amore similia tollerare: ut
suo redēptos sanguine pia
foueat charitate. **R.** Deo
gratias. **Hymnus.**

Lesu saluator fidei:
qui uerinat⁹ es dei:
tuo redemptis sanguine:
belli sei opem agmine. **Q**u-
fideles demicarent: contra
mauros triumpharet: eos
christus liberauit: nigrum
drachonē prostrauit. **O**pa-
tur christus mirat: cōtra fu-
rēs ira christi: frameis igni-
tis agaretis cunctis trictis:

Et inuabit per hispanos
reges cunctos christianos
ergo christi ecclesia: secula
piallat per omnia. **Q**edat
christo machometus: iā tol-
lat peccatū vetus. nā chris-
ti est victoria: triūphantis
cū gloria. **D**eo pri sit glia
eius q̃ solis filio. **zc. v.** Eri-
puit nos christus. **R.** De
hostib⁹ iracundus. **Ad ma-
gnificat. añ.** Magnificet
iesus christus dñs dñorum
cuius virtute prostrat⁹ est
cetus agarenorū. **Oratio.**

Omnipotēs sempitern⁹
deus: qui filij tui
dñi nostri iesu christi adue-
tū per ipsius sanguinē pre-
ciosum pplm christianū a-
fauce liberali draconis: ita
tuorū fidelium christianorū
fidē exaltare. digneris: ut
gente sarracenorū barbari-
ca tua virtute prostrata: si-
deles tui quiete semper sa-
lubri ad laudē tuā nois per-
fruat⁹. **Per dñm. Ad ma-**

rutinū. Inuitatorij. Lau-
demus dñm iesum christū.
p. Qui suis cōtra mauros
christicolis mirandū dedit
triumphū. **ps.** Venite exul-
temus. **Hymnus.** Iesu sal-
uator. **ut supra. In. j. noct.**
añ. Tua est potentia tuum
regnū dñe iesu christe tu es

super oēs gentes. *ps.* re hēnuerunt. *an.* *¶* q̄ no-
tētes estote: parate vos ad
preliū qm̄ m̄. *¶* vobis
in bello mori q̄ videre gen-
tis obprobria. *ps.* Dñe qđ
multiplicati. *an.* Indulge-
tiā a xpo dño fufis lachri-
mis postulemus: vt nos a
gente dignetur barbarica
liberare. *ps.* Diligam te. *R.*
Liberator nŕ christus. *R.*
De inimicis nŕis iracūdis.
In nomine dñi Amen. In
sancta z admirabili victo-
ria christianorū qm̄ ex na-
ture fragilitate hominum
memoria labilis reperitur
ideo dignū extitit gesta q̄
hys temporibus. Era mil-
lessima. ccc. lxx. octob. vide
licet acciderunt de prelijs
christianorum z infidelijz
barbarorū sub certis titu-
lis ac scriptura memorie
perpetuo commēdare. De
victoria regis benemarim
contra reges et alios ba-
rones in africa vltra mare
Et de gallearum et nauū
captione et interitū admi-
rati castelle. *Lectio prima*

Tempore sanctissi-
mi patris domini
benedicti. xj. ac
regnātibus in his
panie partibus illustrissi-

mis principibus in regione
Portugalie Alŕso quar-
to. ac in regno castelle al-
fonso sexto regibus eodez
nomine nuncupatis. An-
no ab incarnatione dñi nŕi
iesu christi millessimo. ccc.
xl. Et iusta: morē hispanie
nationis erat cesaris Mil-
lessima. ccc. lxxviij. Fuit
quidā barbarus. Rex be-
namarim vocatus aliboba-
cem: qui sua potēcia plu-
ra regna z terras vltra ma-
re in africanis partibus oc-
cupauit. Multis per eū re-
gibus et magnatib⁹ inter-
fectis z capti ab ipso. Sed
hys oibus nō contētus trā-
sire presumpsit superbe ac
fatue citra mare versus
rope terre amene partes
cōtra patriā christianorū.
Mempe secūducēs infan-
tes filios regū plures infi-
ntosqz barones ac milites
cū nimia potestate tā equi-
tum q̄ peditum armatorū
barbare nationis. Quorū
numerus vir aquoqz pote-
rat extimari: z cum victua-
lium z thesaurorum copia
magna nimis. Tu aut dñe.
R. Congregati sunt inimi-
ci nostri barbari cōtere il-
los dñe iesu christe. *ps.* Ut
cognoscāt quia nō est alius
e

qui pugnet pro nobis in
tu deus noster. **R.** Proster
ne illos per signum crucis
tue sancte protector noster
dñe. **P.** Ut cognos. **Lectio. ii.**

R. Ex autē castelle illu
stris armatā cōtra ip
sos barbaros super mare
construxit in loco vbi mare
mediterraneū ab oceano
separatur: qđ dicitur stric
tū cepte. Sed hostium dñi
iesu christi potēs iniquitas
et altuta cū sua potenti gal
learum armata christiano
sefellit. Talliter qđ regis
castelle armatā versus ter
ram prope aliazir an agare
no:um urbē neq; arte pro
trahit. Ibiq; christianoꝝ
et lee castellanorū ac naues
cofracte ac capte fuere ter
ribiliter: omnes fere admi
rāte noīe alfonso iufre. Ca
stelle miserabiliter cū suis
fere oībus prohdolor inter
fecto. Cui⁹ caput et verili
lum rex benamarum: prefec
tus ad soldanum de babilo
nia vt fertur in signū victo
rie destinauit. Quod flēdū
doloreq; plenū erat fideli
bus nimis christiānis. Tu
autē. **R.** Obprobrium facti
sumus inimicis nostris vi
derunt nos inderisum facti
sumus eis. **P.** Adiua nos

in xpe. **R.** Locuti sūt
adue. Cum nos lingua dolo
sa mauri et iniquis operi
bus cū erūt nos. **P.**
Adiua nos. **Lectio. iii.**

R. Quq; rex benemari
dominaretur i parte
occeani supradicti. quod
nunq; vīsus fuerat: qđ aga
rem dominaretur in mari.
Atq; ad aliazirā urbē mau
roꝝ predictā: et castrū de gi
baltar passagiū grande fe
cissent. Quam terrā dicit⁹
barbarorū rex citra mare
regno castelle cōtiguā ob
tinet occupatā. Castrū siq;
dem quoddā regni castelle
nominatū. Tarifa qđ per
tres tātū distat leucas: ab
aliazira predicta tēptauit.
Rex mauroꝝ cū sua furio
sa potēcia et barbara obli
dere. Qua in obsidiōe per
seuerate predicta. Rex cas
telle illustris prefatus: cui
esset anxia perplexitate co
aptus decapitione castrī p
dicti nec nō totius regni ca
stelle subuersionē formidās
Maxime quia prefat⁹ bar
bar⁹ rex minas terribiles:
ac pestiferas specialiter cō
tra hispali et cordubā chris
tianoꝝ ciuitates egregias
et contra vniuersam hispa
niam inferebat. Suas ha

bitas vires et panem
rendo a regē portugalię
manere: auxilium postula-
uit. Qui subuenit eidē cum
fortium munimine galeaz
Que tā denobilibus q̄ de
remigeris hominibus quā
de armis q̄ de virtualibus
armate d̄ portugaliam reces-
serunt: ac versus castrum.
Tarife perrexerunt cū ga-
leis alijs plurib⁹ et nauib⁹
de castella contra perfidos
inimicos. Tu autē. *ix.* Adiu-
ua nos dñe iesu chris̄te p̄p̄e
gloriā noīis tui. *p.* Et nauī-
gātibus tempus prebe trā-
quillum. *p.* Ac eis salutis
portum indulge. *v.* Qui pe-
trū in fluctib⁹ direxisti ma-
rinis nos adiuuare digne-
ris. *p.* Et nauigantibus. *v.*
Gloria p̄ri. *p.* Ac eis. *In. ij.*
noctur. an. Tūc unq̄ in alio
spem habuimus dñe iesu
chris̄te qui irascaris p̄pi-
tius eris: peccata hominū
in tribulatiōe dimittes. *ps.*
Deus deus me⁹ respi. *an.*
Conforta nos rex iesu x̄pc
saluator n̄r dñe q̄: sanctorū
obtines p̄cipatū. *ps.* Do-
min⁹ illuminatio. *an.* Dñe
iesu chris̄te noli dērelinq̄re
nos sperātes in te sed hos-
tes atros humilia de virtu-
te p̄pria gloriātes. *pe.* Exal-

uato te dñe. *v.* Adiutoriu
m̄z a dñō. *R.* Qui celū ma-
re creauit et terrā. *2. co. iij.*
O Unq̄z p̄ dies aliquot
in mari galeaz p̄mora
ref armata. Et ne qd exer-
citū regis benamari de vl-
tra mare subsidū adueni-
ret pro virib⁹ ipedierēt ma-
ris tēpestas subito valida.
supuenit taliter q̄. viij. ga-
lee de castella et quattuor
naues. Et due galee d̄ por-
tugaliam terre ap̄inquā-
tes prope aliazir ā barbaro
rūvibē naufragio perierūt
Aliud vero nauigiū muni-
mina galeaz: vsq̄ ad car-
taginā. Castelle vrbē que
p̄pe gragonā cōsistit nul-
lū refugiū habuerūt. Mul-
ti autē xp̄ianorū pericli. n̄
cū galearū et nauū in ter-
ra sarracenorū in Ripa ma-
ris viui miserabiliter reman-
serunt. Nā eorū aliqui se p̄
virib⁹ defēdētes fuerūt ab
infidelib⁹ atrociter inter-
fecti. Alij vero capti q̄ ad
regē benamarim incredulū
ducti fuerē: eisq̄ diabolica
fraude incredul⁹ rex suavit
Quod intelligere poterāt
legē machometi: legē xp̄i p̄
hoc miraculū meliorē quia
fluctus maris ad man⁹ ab-
q̄ bello suas duxerāt chr̄i

rianos et quidam ex ip-
sorum mortē corporis potius q̄
anime formidantes suasio-
ne regis barbari macho-
meti dānatam sectam mise-
rabiliter elegerunt. Tu au-
tem dñe. **R.** Tribulatiōes
et dolores inuenim⁹ et no-
men dñi in pressura naufra-
gij clamantes inuocamus
quia circūdederūt nos ter-
rores mortis. **P.** Dñe aias
nostras a vijs inferni libe-
rare digneris. **R.** Quia p
fide tua mortē sustinuim⁹
fīrmo corde. **P.** Dñe. **lcō.v.**

Alij vero christi fidē
corde credentes ac
ore fideliter et publice cōfi-
tentes: pro ipso: corporum
mortem eligere maluerūt
cātes regnare cū christo
vt martires in eternū. Qui
fuerunt crudeli traditi mor-
ti statim. Ex hac occasiōe
dictus mauroz rex suos
seguaces in secta dānata
cōfirmās et ad eam christia-
nos debil⁹ s ducere satage-
bat. Ueritatis ignorās tra-
mitē ve. i dei dñi iesu chris-
ti: que fuit eidē post modū
in bello cāpestri primo ce-
leriter patefata. Nec illud
tamq̄z notissimū omitam⁹
q̄ quidā milles portugale-
sis. laurentius valasci de

vocatus. Tunc re-
gis castelle valascus: bone
cōseruatiōis et vite in qua-
dam castellanorum galeea
que in ripa maris totaliter
fracta fuit cū galee alie pe-
rierunt in parte galee mo-
dica per totā fere noctē ma-
ris fluctibus agitated nau-
fragium miraculo magno
dei misericordia sic euadēs
receptus extitit in galea re-
gis portugalie admirātis
cū alijs suis paucis hoī-
b⁹ a naufragio terribili di-
uino auxilio liberat⁹. Tu.

R. Ne formidemus hostes
terribiles dñi Iesu christi
sed fidei clipeo christianū
populū defendamus. **P.** Ex-
pugnare viriliter sataga-
mus vexillo preuio crucis
christi. **R.** Sicut voluntas
dñi iesu christi fuerit ita fi-
at. **P.** Expugnare. **Actō.vi**

Post hec aut rex castel-
le ad portugalie regē
predictū ipsius a vnculū
Reginā castelle serenissi-
mā vxore suam consilio du-
ct⁹ salubri destinauit. Que
regi portugalie necessita-
tes anxias regis ac regni
Castelle a toti⁹ patrie chri-
stianozū lachrimando indi-
care curauit. Supplicans
humūter et attente vt regi

et regno prefatis in o. anno
rium adueniret cetera perfidi
dos terribiles: et innumera
biles agam. uos. uicis xpi
veraciter inimicos. Quo
fermone intimo corde ac ig
nito percepto spūs scti gra
tia illustratus. idē portu.
rex proposuit illuc ire: diui
no spū inflamatus: et zelo
accensus fidei orthodoxe
barones vero. Port. mi
lites ac regis et regni ac cō
siliarij suadentes eidē: qd
ipm nō decebat pergere ta
lū extra regnū: maxime cū
gētes. port. nō haberet nec
habere posset in tā breui tē
pore paratas ad bella: ptra
perfidos et innumerabiles
sarracenos christi fidei in
imicos q̄ p̄opti erant arma
turis et gētib⁹: terribilib⁹ et
nigerrimis et innumerabilib⁹
adbellādū. Licet aut ei ta
lia rationabiliter suaderēt
ipsos tamen noluit ascolta
re: nec aures eorum sermo
nib⁹ adhibere. verbo adij
ciēs animoso: q̄ verus por
tugaleñ. ipsuz corde ac ope
re sequeretur: cōtra hostes
dñi nostri iesu christi. Tu.
ix. Ornauerunt faciē tem
pli coronis aureis in hono
rē dñi iesu christi obuian
tes famulo suo portugale

regi. **p.** Quia virtute dei o
drachonuz faucibus venit
christicolarū populū libe
rare. **x.** Et facta est leti
cia magna in populo auā
dalicis christianis. **p.** Quia
virtute. **x.** Gloria patri.
p. Quia. **In. iii. noct. aña.**
Dispergetur agerent: et fu
giant a facie crucis christi
ps. Exurgat de⁹. **añ.** In tu
bis ductilibus pfallite dño
iesu christo. **ps.** Lātate. ij.
añ. Inimicos crucis ad mi
hilū deduxit iesus christus
dñs de⁹ nr. **ps.** Paratū cor
x. In dño gaudebo. **ix.** Et
exultabo i deo iesu meo. **Se**

In illo **ci. dñ. iorāñ.**
tēpore dixit ies⁹ disci
pulis suis. Sic enim (le
xit deus mūdū vt filiū suū
vnigenitū daret. Ut ois q̄
credit in eū nō pereat: sed
habeat vitā eternā. Nō enī
misit deus filiū suū in mū
dū: vt iudicet mūdū: sed vt
saluetur mūdus per ipsum.
Qui credit i eū nō iudicet.
Qui aut nō credit: nā iud
cat⁹ est: qz nō credit in nōi
vnigeniti filij dei. Et reli.

Homilia d̄ historia. lc. vi.

Post modū aut rex cas
telle de sarracenoruz
multitudine stupefactus: et
de terre castelle subuersioe

formidās personaliter por-
tugalie regē aduinit predic-
tū: ad cuius regnū accedēs
ad castrū. Videlicet qđ d:
jurumenba i ripa fluminis
de odiana: qđ portugaliaz
diuidit a castella. Ubi rex
castelle Regē portugalie
rogauit militanter: vt in ad-
iutoriu adueniret cōtra pfi-
dos z innumerabiles sarra-
cenos: z in defensiōe redēp-
toꝝ sanguine iesu christi: z
exaltationē fidei christiane
vt superbia barbaroꝝ vir-
tute prostrata diuina fides
viueret in quiete. Rex autē
portu. sancti spūs igne suc-
cēsus: regi castelle sic igni-
to eloquio benigne respon-
dit. Qđ dñs nr ies⁹ christ⁹
missus a patre venerat in
mundū: per spūs sc̃ti missio-
nē in vtero b̃e marie virgi-
nis incarnat⁹: natus pass⁹
z resurgēs: ad celos ascēdēs
ap̃los confortās spūs sc̃ti
a missionē. Uēturus tā-
vivos z mortuos iudica-
re. Et qz mortē vltionis
cepit: pro humano gñe
dimendo: idē rex profide-
ra catholica mortē gra-
tis erat subire paratus: ac
ire obuiā pfidis sarracenis.
Quo leto sermone audito
statim rex. Castelle versus

impas. cursu festino ad frō-
tariā. Jeneriter remeauit: re-
gina castelle pfata in dicto
castro regis portugalie re-
manente: q̃ paucis post trā-
satis diebus a portugalie
regno recessit apsum patre
suo charissimo. Post. rege
vsqz ad hispalē: honorifice
comittāte. Tu autē dñe. **R.**
Impetū inimicorum neti-
mueritis memores estote
quomodo salui facti sūt pa-
ui vestri. **p.** Et cū victoria
magna abagarenis obti-
nuerūt terras ciuitates et
castra. **v.** Et nūc clamem⁹
in celum et miserebitur nrī
dñs iesus christ⁹. **p.** Et cū.
O Umqz rex **2. cō. viij.**
post. ciuitatē predi-
ctā hispalē intraret. Rex
castelle ac regni magnates
ei honorifice obuiā exierūt.
P̃rellati quoqz ac clerus
cū sanctis reliquijs de qb⁹
mēoria hominū vix existit
q̃ alicui regi ostēse fuisset.
z cū processione laudabilē
z deuota ipm honorifice re-
ceperūt. Simples ho bo-
mines: ac viri z femine ci-
uitatis: pueri parui z mag-
ni diuites z pauperes: de re-
gis aduentu gaudētes: et
formidolosi de furia innu-
merabilū barbaroꝝ: et de

fubuerfioe patrie. ¶ **M**entes, flentes clamabant dicētes. **B**eñdict⁹ rex qui uenit ī noīe dñi ad liberandum dei virtute populū christianū de faucibus draconū hostiū crucis christi. Et qz dū tribularētur ad dñm roce flebilī clamauerunt ipsos dñs iesus christ⁹ misericorditer et velocit̃ exaudiuit illec clamorē pauperū est oblitus sed ppter gemitū pauperū cōtra mauros pponetes fideles faucibus crudeliter atrocib⁹ deuorare dñs iesus christus breui momēto potēcialit̃ exsurxit. Tu aut. **R.** Refulsit sol inclipeos aureos; ⁊ resplenduerūt montes ab eis. **P.** Et fortitudo gētū mavorū est a christi fidelibus dissipata. **R.** Erat enī agarenorū exercit⁹ magn⁹ valdesed christiani reges pie liū obtinuerunt triūphāte dño iesu christo. **p.** Et fortitudo gentium. **R.** Gloria pii. **p.** Et fortitudo. **Lc. ii.**

cur ducti cōsilio assentes
castrum Tarise predictuz
regi dicto barbaro excōue
tiōe hui⁹ modi relinquerēt
vt idē barbarus ad terram
suā vltra mare rediret. Cū
q3 rex castelle huic fere cō
silio assentiret. Rex portu
galie supradict⁹ ip̄us sc̄ti
afflatu animose respondit.
Nō ppter hoc portugalie
regnuz exiuit: vt de christia
noz terra castrum vel ciui
tas perderetur: sed parat⁹
sum sicut christus p nobis
meū exponere corpus mor
ti. Et pro fide christi catho
lica ipsius inimicos ei⁹ vir
tute forti animo debellare.
Tunc rex castelle: ⁊ ipsius
regni magnates attēdētes
q̄ rex portu. dei spū dūces
bāt robur i cordib⁹ assumē
tes cōsilio salubri acquieue
rūt ip̄i⁹. Egrediētes autē
reges p̄dicti ciuitatē hispa
len. et p̄ castrū de exarez no
bile trāsēūtes: vsq3 ad turrē
dos vaq̄iros vocatā: et p̄
pe penā d̄ ceruoret vsq3 ad
ripā maris ppetarifā cu3
suo exercitu accesserūt: ibi
q3 tētoria sua fixere prope
ripā flumini vocati salado
et prope castrū. Tarise p̄e
dictū qd̄ per leucā a barba
ro: vni tētoris vix distabāt:

ac inde ad regē barbarum
z tirānū: suos nūcios solle
niter destinaverunt dicentes
q̄ nō decebat regē tñ z ita
potentē interrumpes z mon
tes in festos pugnare: sed i
cāpolato plano et belli pa
ro pro pugnare. Tu autē.
dñe. *R.* Deo gr̄as. Te deū
laudamus. *An laud.* *Añia.*

P Recurrat se christo do
min⁹ fortitudinē chri
sticolarū hostes. *ps.* Dñs
regnavit. *cum reliquis añ.*
Jubilet ois ecclesia de vi
ctoria mirabili christiano
rum. *añ.* Labia fidelū semp
iesum christū collaudabūt
añ. Te christum dñm fide
les benedicant in terris et
angeli te laudēt in excelsis
añ. Laus et perēnis gl̄ia
christo sit secula p̄terna.
Cap. Qm̄ dñs iesus. *hv⁹.*

Gratuletur hispania
de solenni victoria:
q̄s christianis dñs: cōtulit
vnus et trinus. Christi ma
ter precio⁹: plaudent celis
gloriosa: vbi tenet palacia
cū ingenti leticia. Angeli
collaudēt christū: q̄ mundū
redemit ūltum: draconēq̄
superavit: cū in cruce triū
phavit. Gratulentur apli:
qui iesum monstravit: colli
martirūq̄ confessorum: ac

genuū decori. *Do*
catidē catholica: macho
meto in vnica: in hac die vo
ce clara: psallat agarenis
amara. *Deo p̄rit gloria.*
R. Cātate dño chriticole
cāticiū nouū. *R.* Quia fecit
mirabilia in triūpho dñs
iesus christus. *Ad bis. añ.*
Angeli archangeli throni
dominationes potestates
cherubi z seraphin christo
semper iubilent de impēsa
victoria hispanis misericor
diter christianis. *Ofio. vi⁹.*
Per horas diei dñr añe.
laud. *Ad iii.* *Cap.* Qm̄ do
min⁹ iesus christ⁹. *R.* No
tū fecit dñs iesus christus.
alla. alla. *R.* Salutare chri
stianorum. *p.* Alla alla. *R.*
Gloria p̄ri. *R.* Jubilet ois
terra. *R.* Dño iesu christo.

Ad. vi. Capiculum.
Quoniam fideles contra
hostes preliaretur agarenos:
pro constantibus ies⁹
christus. astitit christianis
et inimici fidei p̄strati fue
re. *R.* Psallite dño christia
ni. *p.* Alla alla. *R.* In tubis
ductilibus et vocetube cor
nee. *p.* Alla alla. *R.* Gl̄ia. *R.*
Universe nationes. *R.* Ado
rēt dñz iesū christū. *Ad. vi.*
Ad nichilū de. *Capit.*
duxit dñs ies⁹ christ⁹

fidei catholice mī.
propter sectā eorū vt enu-
ynica die velocite. a ue-
rūt. **R.** In eternū regnabit
dñs iesus c. istns. **P.** Alla-
alla. **A.** Achometri dāna
ta secta prostrata. **P.** Alla-
alla. **A.** Glia pñi. **R.** Psal-
lāt et iubilēt dño iesu xpo.
R. Semp in leticia cuncte
gñs. **A.** **Antiph.** Precixit se
christ⁹ cū reliquis b laud.
vt s. ps. Dixit dñs. cū reli-
quis in fine. Credidi prop-
ter. **Cap.** **Hymn⁹** z. **R.** dñr
sicut in primis vespis. **vt s.**
Ad mag. añ. Sicut deus
dilexit mundū vt filiū suū
vnigemtū daret vt omnis
qui credit in eū non pereat
sed habeat vitam eternam
alleluya. **O.** **atio.** vt sup: 3.

**In vigilia sc̃i ge-
raldi archiepi bracharensis
Ad vesp̃as. añ.** Quam
glorios⁹ es dei. cū reliquis
de laud. **ps.** Dixit dñs. cū
reliquis. in fine. **ps.** Lau-
date dñm oēs gñs. **Cap.**
Ecce sacerdos magn⁹ qui
in diebus. **quare in cōmuni
vni⁹s cōfe. pñi.** **Hymnus**

A. Hec dies leticie: in
qua geraldus hodie:
coronatur in ethere: regno
positur glorie. **O.** **elozū gau**

ant. **gmina:** de cōfessoris
gloria: qui relinques terres
tiā: impetrādo celestia. **O.**
fessor dei inclitus: qui diē
sui obitus: prescinerat diuī-
nitus: et reuelauit oībus.
S. it pñi deo gloria: q̃ digne
pensas oīa: merentib⁹ dās
premia: z in eterna patria.
Almē. **R.** Amavit eū dñs z
ornauit eū. **R.** Stola glorie
induit eū. **Ad mag. añs.**

O. sancte geraldē o pastoz
ouīū quas tibi tradidit de⁹
q̃s vt intercedere digneris
ad dñm q̃ te elegit: vt oues
cūcte que tibi sunt tradite
a dño tua intercessione me-
reantur participes fieri te
cū: in eterna leticia. **O.**

P. Reciosa nos q̃s dñe
beati geraldī cōfēs-
soris tui atq; ponti-
ficis merita tueātur: ac ip-
sius precibus ecclia diriga-
tur quo patron⁹ z presule
glorietur. per dñz. **Ad ma-
g. añs.** **Inuitatorū.** Regē
regnum dñm adorare debe-
mus. **P.** Qui sc̃tum suū ge-
raldū digne hodie mirificā-
uit in celū. **ps.** Venite exu-

G. **Eraldus** **hymnus**
gēma presulū: z gai-
dīa sacerdotū: qui in sc̃tōz
numero: assumpt⁹ est a dño
P. **atronus** noster nobilis:

celi vrbis amabilis: zeta
cum leticia: hodie intrat in
ethera. **I**psē pro nobis dñō
intercedat cū gaudio: vt in
petremus gratiā: et pecca
tis veniā. **S**it patri deo glo
ria. **In primo noct. añ.** Sā
ctus geraldus a primitiua
sue etate altari beati petri
oblat⁹ est perpetuo dei ser
uitio **ps.** Beatus vir. **añ.**
Felix dei cōfessor: quē vir
ginalis corporis integritas
et animi castitas cōmēdāt
ps. Quare fremu. **añ.** Btūs
dei amicus geraldus qui
inter cōfessores ceteros di
gnitatē obtinuisti demoma
a corporib⁹ eijcere. **ps.** Dñc
qd multiplica. **ñ.** Almauit
eum dñs et ornauit eū. **ñ.**
Stolam glorie. **Lectio. j.**
Beat⁹ itaqz gerald⁹
nobilissimis ortus na
talibus: caturcensi regione
orūdu⁹ fuisse dignoscitur
cuius parētes seculari po
testate preclare deūqz timē
tes: anteqz cōuenirent pari
ter vouerunt dñō: qd primū
fructum quē de sua cōmix
tione perciperent dei serui
tio perpetuo manciparēt.
Tu autē dñe. **ñ.** Honora
bile festiuitatē dei hodie
ne corde et animo deuote
veneremur qua beatus ge

clasti confessor ex
seculo letus migravit
ad celos. **ñ.** Et cum christo
regnat i eternū. **ñ.** Beat⁹
itaqz gerald⁹, peracto sue
uite tepore celorū agmini
bus cōmitatur. **Lectio. ij.**
Dactus siquidem puer
ac nutritus feliciter
in ipso pueritie sue primor
dio: oblat⁹ est a parentib⁹
altari beati petri in quo
dā cenobio qd appellatur
moysiacu sub professione
monastica deo ppetuo ser
uiturus. Factus autē mo
nach⁹ ita etate ac sapiētia
nec non et regulari discipli
na inter alios cepit profi
ceret: ita immunē ab om
ni contagione carnis in eo
seruabat animā: qd infude
rat diuinitati omnipotētia
Tu autē dñe. **ñ.** Sanctus
itaqz nobilissima prolapia
procreatus: caturcensi re
gione ortus fore dignosci
tur: cuius parentes secula
ri potestati siue dignitati
preclari vouerūt primū fr
uctum de sua cōmixtione. **ñ.**
Perpetuo dei seruitio mā
cipare. **ñ.** Ortus puer et fe
liciter nutritus altari bea
ti petri in quodam cenobio
oblat⁹ est. **ñ.** Perpetuo
dei seruitio. **Lectio. iij.**

Quia vero diuinarum
scripturarum pabulis
aia iusti desiderabat refici
ad replendum in bonis desi-
derium eius: affuit cunctorum
bonorum institutor eorumque insti-
tuit custodem armarium: cuius
custodia multis annis lau-
dabiliter gerens: quod ex dile-
ctione sedula didicit mater
no affectu fratres edocere
curabat. **Tu autem. R. Moyses**
for dei geraldus uirginalis
integritate corporis insigni-
nis et animi puritate laudatus.
P. Lutus uita diuine
scientie cibo refici cupiebat
R. Quae deus tanta perfunde-
rat gratia ut consiliis et ex-
hortationibus suis preferre-
bat ceteris. **In. ij. noct. an.**
Hic est dei geraldus seruus
qui in obitu suo diabolo di-
micans eum diuicit. **Ps. Luz**
innocare. an. Scititate quo-
que plenus uirtute dei cecis
et surdis uisum et auditum
prebebat. **Ps. Verba mea. an.**
Quella quoque amens demo-
nis temptatione per deuia dis-
currens sensum recupera-
uit et dei uirtute a ueritate
diaboli geraldus eam libera-
uit. **Ps. Dne dñs. R. Elegit**
eius dñs sacerdotem sibi. **R.**
Ad sacrificandum ei hos-
tiam laudat. **Lectio. iij.**

Escet autem abbas et
fratres edificationem
et illuminationem de sua
sentirent presentia: concordia
ac tam salubri decreuerunt con-
silio: quod uirum dei ad uisitan-
das cellulas dirigeret: qui
pane celestis pabuli quo ip-
sos iam refecerat: fratri-
bus quos predictis cellulis
preferauerat ministraret.
Tu autem dñe. R. Henricus
comes qui tunc regno por-
tugaliae dominabatur et omnes
regni proceres cum eo exis-
tentes uimaranis ad celebra-
ndum colloquium et egeas pe-
lagum unus de illustribus re-
gum a longo tempore excor-
municatus: quem sanctus
geraldus ante altare uima-
ranensis ecclesie pontifica-
libus indutus ad celebra-
ndum missam intuens ait.
P. Secrestate egeam ab ec-
clesie alias missam amen hic
non audietis. **R. Abijcite**
illum extra ecclesiam tan-
quam in cestuosum publicum.
P. Secrestate. Lectio. v.
Quia igitur sub discipli-
na nostra studuerat et a
nobis semen quod seminabat
collegerat illi cum duobus
aliis secuti fuimus. **Ma** et
si disparis erat habitus ita
tamen uoluntas nostras

voluntati eius deus cōiur
rerat: q̄ in nullo penit⁹ dis
crepabat. Verū qm̄ ad sus
cipiendā saluatoris verbi
doctrinā tam deuotos tan
q̄ paratos perdictarū cel
lularū fratres reperim⁹: q̄
nō fuit ei visum necesse cir
ca eorū informationē morā
facere: sed tolosam venim⁹
propter quādā cellam siue
obedientiā mosaice monas
terij qđ sancta maria de au
rata vocatur: quā abbas ⁊
cōuentus sibi diligēter in
iunxerāt visitandam. Tu.

R. Suadēte diabolo: dict⁹
egeas cōtra sanctū dei gra
du precipiti incedens: ⁊ in
eū verbis iniquis prorum
p̄s: statiz verari a diabolo
cepit. **P.** Et extra eccliaztā
q̄s cadauer mortuū ad pe
des et manus asportat⁹ est.

R. Per acto mille officio
intuitu comitis et procerū
perrexerit ad milite beat⁹ ge
raldus e⁹ cunctis astātib⁹
et admirātibus demonem
abeo expulsi. **Lectio. vi.**

Ergo igitur tēpore eccle
sia bracharēsis pasto
re vocāte: cū pdict⁹ geraldus
in hispaniā descēdisset
auctoritate sedis aplice in
bracharēsi ecclia est in ar
chepiscopū post electionē ⁊

canonicā cōsecratus. Qui
tpc paschalis pape romā
adit: ⁊ ab eodem papa pas
chali honorifice susceptus
palliū et priuilegiū nec nō
et metropoleticā in itegrū
dignitatē recupauit: atqz
inlinodo palentina quā ve
nerabilis richardus cardi
nalis apostolice sedis lega
tus celebrādā duxerat: pri
uilegiū corā ep̄is: abbatib⁹
⁊ clericis recitauit. Et oēs
ep̄i ecclie bracharēsis. sus
fraganei qui tunc aderant
precipiēte iā dicto cardina
li: ei vt pote bracharēsi me
tropolitano: obediētā ⁊ re
uerenciā promittētes eū p
bracharen. puinciā incedē
tē in proprijs sedib⁹ honori
fice susceperūt. **R.** Eo nā
qz tēpore ictus dei gerald⁹
in hispaniā descēdēs vacā
te tūc ecclia bracharen. di
uino intuitu in archip̄sulē
assūpt⁹ ⁊ cōsecrat⁹. **P.** Et a
papa paschali honorifice
suscept⁹ pallij dationē obti
nuit. **R.** Priuilegia et imu
nitates ecclie nec nō ⁊ me
tropolitica in itegrū digni
tate adept⁹ ē. **P.** Et a papa

In. iii. noct. an. Beatus dei
p̄fessor febre preuēt⁹ obitu
suū ante presciu it̄po. Dñe
quis habitauit, **an.** Hodie

geraldus dei amicus celos
ingreditur ubi celestis re-
gni glorie potitur **ps.** Dñe
in virtute tua. **an.** Gaude
ciuitas bracharensis cū tā
to patrono quem deus sibi
sepeliri pmisit: pro quo im-
mensa miracula a deo obti-
nuisti. **ps.** Dñi est terra. **x.**
Tu es sacerdos in eternū
lx. Secundū ordinē melch.

I Secundum lucam.
Illo tempore dixit
iesus discipulis suis
Sunt lumbi vestri precinti
et lucerne ardētes in mani-
b⁹ vestris. Et reliq. **lc. vii.**

Sed quia lōgum esset
enumerare quot et quā-
ta deus propter ipsum mi-
raculorum fecit in sigma:
omissis q̄ per ipsum et pp-
ter ipsuz deus fecit in vita
sua miraculis: quis fuerit
finis sancti viri breuiter
pertractemus. Sanct⁹ ita
qz vir licet finem sue vite
spīritu reuelante adesse in-
telligeret quādā tamen gē-
tem incultā ad quam prop-
ter asperitatē locorū nōdū
venerat: visitare proposuit
malens inter abrupta mon-
tiū morituri corporis reso-
lutionē pati: qz multitudine
tanti populi insulsam
et incultam lupis relinqre

deuorandā. Tu autē dñe.
lx. Inclitus dei confessor
lucerna ardēs antedñz ho-
die coronatus celos ingre-
ditur cum quo celestes co-
hortes ouant. **p.** Ubi sine fi-
ne regnat cū chrīsto gēma
et vita prelatorum. **x.** Bea-
tus es vir dei qui pro terre-
nis celestia possides et in
angelorū collegio cōputa-
tus. **p.** Ubi sine. **Acto. viij.**

Sumpto itaqz vt pote
bonus pastor baculo:
ad pascendas oues petijt
loca dicta ubi ecclesias cō-
stitutas dedicādo populos
qz confirmando tota die ie-
iunius permanēs talis re-
dibat ad hospitium q̄ oēs
eū sequenti die surrecturū
nullatenus estimabant. Ip-
se autē carnem spīritui nō
spīritū carni assuetus sub-
icere ad quendā locū qui
dicitur bornes iā febre cor-
reptus: sed p̄ dedicāda ec-
clesia ibidem constituta: a
guorē dissimulas cū ma-
na venit multitudine: a
celebratis ex more dedica-
tione ipsius ecclesie et cō-
firmatione ingentis popu-
li qui ad ipsaz cōsecratio-
nem confluxerat morbus
inualuit: itaqz licet toto col-
lectus spīritu sepe conaret

surgere nequaquam potuit viribus corporis destitutus. **Tu autem.** Post obitum sancti viri adductum est corpus ad bracharensem ecclesiam: et depositum ante altare virginis gloriose: et dum ibi tractaret de eius sepultura: casu diuino et enarrabili in ecclesia bracharensi in capella sancti nicolai: quaz ipse construxerat: et consecrauerat adeit nobile sepulchrum marmoreum. **Quod a longo tempore in monasterio tibianensi honorifice custodiebatur.**

Quo sepulchro corpus eius mirabiliter tumulatum est pro quo usque in hodiernum immensa miracula de opere ratur. **Quod a longo tempore.** **Gloria patri.** **Ad.**

Mane autem **Acto. ix.** factus vir dei recepto rursus sacramento corporis et sanguinis iesu christi erecta manucunctis benedixit astantibus eosque crucis sanctificauit. signaculo et ad acis osculum cunctos sigillatim recipiens in virtute obediencie precepit oibus ne aliquis in exitu anime sue clamoribus lachrimosis percreperet: sed orantes et laudantes dominum ipsam animam de corporis extractam er-

gantulo deuotis ei precibus et orationibus commendaret. **Tu autem domine.** **In laud. an. 2.** Quam gloriosus es dei confessor: cum quo in celis gaudent agmina sanctorum. **ps.** Dominus regnauit. **cum reliquis an. 2.** In exalando spiritum tantus odor bonum turbam et domum perfudit ac si aromatum species interesset. **an. 2.** Virum ineffabilem quem ne fetor luxurie nec ambitiosa voluntas tetigerunt. **an. 2.** Corporis viribus destitutus rogauit circumstantes ne in anime sue exitu plagerent: sed precibus et orationibus suam deo commendaret. **an. 2.**

Sanctus geraldus in die sui obitus rogando dixit familiaribus et ceteris assistantibus qui deum diligunt potu et cibi et luxuria abstinere deberent. **Cap.** Ecce sacerdos magnus. **ymn.**

Opor geraldus tumulo refragrat bonis populo ac si essent aromatum: ita resulget feretrum. **O** bracharensis ciuitas: qua confessoris veritas: resulget in hoc seculo: et celi gaudet concilio regnum. **Portugalie:** de tanto gaude presule: quem tibi dei gratia: sublimauit ad ethera. **S**it pater in deo glo-

ria. **¶** Iustum deduxit do-
minus per vias rectas. **¶**
Et ostendit illi regnu dei.
Ad bñs. añs. Amicus dei
sanctus geraldus cū obitū
suū ante presciunt precepit
oībus circūstantibus vt in
exitu anime sue nō lachri-
mosis clamoribus perstre-
perent: sed omnes in oratio-
ne deū laudantes persiste-
rent: et anima eius ac cor-
pore egressa: et ab angelis
suscepta dom⁹ impleta est
ex odore suauissimo. alta.

Omnipotēs sem **Orō.**
piternē deus: qui hu-
lus die i festiuitatē ad lau-
dem cōfessoris tui geraldī
atq; pontificis venerari p-
cipisti: presta q̄s: vt quē pa-
tronū nobis in terris dedis-
ti: intercessorem nostrū lar-
giaris in celis. **¶** Per dñm.

¶ Per horas diei. añs. d lau-
dibus. **Ad. iij. vj. ix. Cap. 2**
Ria breuiā dñr de cōmuni
vniū cōfessoris pōtificis
Ad vs. añs. Quā glorios⁹
es dei. cū reliquis de laud.
ps. Dixit dñs. cū ceteris.
In fine. ps. Memento dñe
dauid. Caplin. bym⁹. 2. 8.
dñr. sicut in primis vespis
vt supra. Ad. magn. Añs.
Pater sancte geraldē bea-
tissime presulum gēma. cū-

etorum bonorū institutor:
vas totius sanctitatis ora
pro nobis ad deū qui te ele-
git in sacerdotē sibi: vt di-
gni efficiamur promissioni-
bus chasti. **Orō.** Omnipotēs
semperne deus. 2c.

**In festo sancte leo-
cadie virginis et martiris**
**Dicantur omnia de cōmu-
ni vniū virginis. preter**
orationē et lectiones. Orō

Quis qui nos bea-
te leocadie virgi-
nis et mrtiris tue
solemnitate letifi-
cas: cōcede ppitius vt ei⁹
adiuuemur meritis: cuius
castitatis irradiamur exē-
plis. **¶** Per dñm. **Lectio. j.**

Oleianus adueniens
toletanā vrbē ingres-
sus cepit sagaci in dagine
perquirere mēbra sanctorū
Ibiq; reperit deo dicatam
sanctam leocadiam generē
nobilissimā: nobiliori tamē
proposito mentis ornatam
que non diebus et nocti-
bus peruigili cura ab or-
tione cessabat. Tu autē
dñe miserere. **Lectio.**

Qui cū eam prese-
tari suis conspectu-
bus precepisset ita affatus
est. Cur te tā labilis et vana

deludit circumuentio: vt de
tam preclaro genere nata
derelinqs ceremonias deo
rum nostrorum: nescio cui
christo te proferas seruitu
ram. Cui beata leocadia
cū grandi audacia ita res
pondit. Nō me tua suasio
a pposito christi cui me in
tegrā voui reuocabit. Tu.

Non illusio *Lctō. iij.*
verborum tuorū nec
blandimenta nataliū qui
bus me suadere conaris re
trahent a seruitute vel pro
missiōe dñi nostri iesu chris
ti: qui nos precioso sangui
ne suo redimens magna in
duit libertate. Tu. *lctō. iij.*

Remēs itaqz dacia
nus precepit militib⁹
fortissimis vinculis beatā
leocadiam alligatā: in car
cerem trudi. Cogitās qua
libus tormentis vel penis
eā possit attingere. Tu aut.

Properans *Lctō. v.*
itaqz elboram: ingres
sus officium: premonet vt
indagine percurrente chri
tianos quoscūqz inuenis
sent: ei⁹ tribumali presenta
rent. Profectusqz ad elbo
ra: emeritensem ingredit⁹
ciuitatem. Illico tribunal
sibi preparari pcepit: mul
tosqz sanctorū crudeliter

celos transmissit ad dñm.

Tu autē dñe. *Lectio. vi.*

Uinqz in toletanā v
bem ad beatā leoca
diā percurrisset fama: ge
nibus in oratione positis.
in eodem quo reclusa tene
batur carcere confessionis
loco. Completa orōne suū
dño cōmendauit spīritum.
Qui martires ⁊ cōfessores
suos coronauit in pace. Ip
si honor ⁊ gloria virtus et
imperīū in secula seculorū.
Amen. Tu autē dñe. *Tres*
vitime lectiones leguntur
de homilia sancti gregori
pape super euangelīū secū
dū mattheū. Simile est re
gnū celorum thesauro abs
condito in agro, ⁊c. vt in
communium virginum.

In festo sancte eu
lalie virginis et martiris.
fit totū officīū de cōmuni
viri⁹ virginis. preter orōne
⁊ lctōes. *Oratio.*

Omnipotens sem
piterne deus: qui
infirma mūdi ele
gis: vt forcia queqz confu
das: concede propicius: vt
qui beate eulalie virginis
⁊ mtrīs tue solēnia colim⁹
ei⁹ apud te patrociniā sen
tiam⁹. Per dñm. *Lectio. j.*

20. de
cēbr.

Passio sancte ac beatissime eulalie virginis et martiris christi: quae passa est emerita in ciuitate sub daciano preside. iiii. idus decembris. In numerus populus et infinita est multitudo eorum: qui pro christi nomine crudelissimam mortem eterne vite compendii gratificantes animo sunt robustiore congressi. Tu autem. **lc. ij.**

Iter quos beatissima martir eulalia de victoriae felicitate in domino confidens: secunda de triumpho martiris certamen aggrediens palmam dignam promeruit. Quae nullis blandimentis inducta: nullis suasionibus prouocata: antiqui veteratorum cum suis artibus gloriosa calcauit. Tu. **lco. iij.**

Hec igitur virgo beatissima sanctimonialis puella deo timorata atque matrimonialiter edocta annorum circiter tredecim mente et corpora casta: religionem pudicam: castitatem firmissima: docebatur a donato quodam presbitero. Ab ipsis infantie rudimentis: ut fateretur christum amplius quam negaret: et indiuisam trinitatem qui deus est: mentis integritate confite

retur: usque aliud interioris hominis officio peragebat: nisi ut domino omnipotenti cui tota fuerat subiecta deuotione: intrepida cordis instantia deferiret. Tu autem domine misere. **Lco. iij.**

Que martir dum adulescentie annos fuisset ingressa: maiori crudelitatis cultu robustior fidem quam sancta deuotione conceperat: animo fortiori seruabat. Gouerat enim animam suam deo: eamque pro christo ponere contendeat: quod desideratam palmam martiris in venturam se feliciter congaudebat. Tu autem. **Lco. v.**

Igitur cum aceleratissimo daciano christiani persecutio fuisset imposita: et passionis dies superuenisset fortuito. Eulalia beatissima cuius et incola provincie lusitanie cum paulo longius ab urbe milario trigesimo fere et. viij. ultra emeritam ad villam nomine promprienam in finibus provincie betice: a quadam sorore pro affectu sanctimonij ipsius fuisset euocata: et ibidem in sanctis dei laudibus cum confessione felice et ceteris deum timens castissime moraretur

malum fama non tacuit: et
emeritensium urbē hostis
cruent⁹ intrasset. Tu autē.

Unciatūq; **2 cō. ix.**

Det brē eulalie super-
uenisse nūcios cum vehicu-
lo publico: qui eam ad eme-
ritam ducerent: ibiq; iam
patrē suū liberū cum ce-
teris confessionibus in car-
cere esse retrusū. Quo co-
gnito eulalia beatissima le-
ta ad passionem prosiluit
petens protinus ciuitatem
Et illico tunc arripens ve-
hiculum sibi iussit aprari.
Non illam congressus ite-
neris: nō patrimoniū abun-
dantis eximia: nō charo-
rum vnanimitas reuocauit: offi-
ciū virile pertentās: sic de-
uota ad talē gloriā destina-
ta toto animo festinabat:
vt si fieri posset tā longin-
quū iter inter vnā horam
transigeret. et ita ipsum ve-
gebat milionē in velocita-
te vehiculi omni animosita-
te festinās. Prestabat ei co-
mitatū atq; cōfortiū: iulia
conuiginalis eius. Et cum
iter ageret: dixit ad eā bea-
ta eulalia. Notū tibi sit do-
mina soror quia nouissima
vado sed prior patiar. Et
sic factū est: sicut beata pre-
dixit at eulalia. Cum ergo

emeritensū vrbē appropin-
quasset sancta eulalia: ob-
uiuit ei quidā iudeus: et
dixit ei. Bene venisti filia
vade thurifica: vt viuere
possis. Cum respondēs bea-
ta eulalia dixit. Augeat ti-
bi dominus annos nā ego
pro christo domino mori de-
sidero: et p̄trāsijt in veloci-
tate vehiculi. Quam respi-
ciens iudeus viuit fulgorē
eam comitatē velut flāma
ignis. Stupefactusq; inta-
li visu intelligit: q; angeli
dei iam protegebant illam.
Tu autē domine miserere.

**Tres vltime lectiones le-
guntur de homilia sancti
gregorij pape super euang-
gelium secundum mattheū**

**Simile est regnū celorum
thesauro abscondito i agro.
et in cōmuni virginum.**

Intertranslatiōe bea-
ti iacobi apostoli. Ad ves-
peras aīa. Tecum princi-
piū. cū reliquis. ps. Dixit
dñs cum reliquis psalmis
et aīis de manifestate dñi.
Capitulum. Fratres. Jam
non estis hospites. quere
in cōmuni apostolorum.

Oratio.

edz.

Hest dies leticie
beatus in quo ia
cobus: terris da
tur hispanie: dux
et patronus inclitus. **Q**ui
post christi supplicium: pri
mus passus preceteris: apo
stolis iudiciu celi dedit in
neris. **A**mus corpus disci
puli nocte leuantes media:
profani metu populi: petunt
ioppē presidia. **N**auis pa
rata mittitur: illis adeo ma
riu: corpus in ea ducitur:
per maris longum spaciū
Post dies septē hyrie: por
tū mirātes gaudio: omnes
celesti curie: laudes cātant
tripudio. **I**bi multa mira
cula: ostendūtur diuinitus
corpus ardēs vt faula: ful
gore fulget celitus. **G**loria
tibi dñe. et c. **V.** Ora pro no
bis beate iacobe. **R.** Et d i
gni. et c. **Ad mag. añ.** au
de felix tota hispania dig
na deo cātās precomia: sed
tu magis plaude galecia.
tanti patris dotata copia:
et tu secunda hyria: pange
tui ducis solennia. **Oratio.**
Deus cui⁹ dispositio
nem mirabili corp⁹ bea
ti iacobi zebedei apli tui d
hierosolymis ad hispaniā
trālatū: et in cōpostella glo
riose sepultū: cōcede nobis

q̄s vt ei⁹ meritis et precib⁹
post hui⁹ vite exiliū: in cele
sti hierl⁹ collemur. **Per.**
**Et sit comemoratio. de na
tiuita. et de sc̄to stephano et
de sc̄to iohanne. et de sc̄to
innocentiū. Ad matutinu.**
Inuitatoriū. Christū ple
bs hispanie. **p.** Venite a
dozemus. **ps.** Venite exul
temus dño. **Hymnus.**

Glaude felix hispania
letis exultās mētib⁹
tui ducis solennia: dignis cā
tādo laudibus. **H**ic est ille
magnificus: miles potens
certamine: primus palma
glorificus: apostolorū ag
mine. **Q**ui post mortis fen
tētiā: nauī deductus hy
rie: tibi dedit noticiā: mag
ne celestis curie. **U**t repro
baret idolat: cū oībus piacu
lis: iam fide facta credula:
mītis vīsīs miraculis. **N**ā
dracho magn⁹ rūpitur per
cussus a discipulis: signo
crucis obsequi⁹: turba
boū horribilis. **A**emento
pōs dissoluitur: turbe mer
gūtur flumine: fera matre
na vincit christi susceptio
ne. **C**orpus statim cond
tur: diuersis aromatib⁹:
cōpostelle ducitur: psalmis
hymnis celestibus. **U**bi se
pultū tumulto: mītis fulgēs

prodigijs: virtutibus vite
pabulo: nos regens et pre-
fidis. Gloria tibi dñe. *In*
primo noctur. añ. Multis
fulgēs miraculis dies hec
hodierna datur iocūda po-
pulis leticia superna. *ps.*
Celi enarrant. *añ.* In tene-
bris sedētibus obsessis vim-
bra mortis: lucis fulgēs si-
deribus patron⁹ datur for-
tis. *ps.* Benedicā dñm. *añ.*
Esto gaudēs hyspanie de-
posito merore: digna cātās
preconia tripudiās hono-
re. *ps.* Eructavit. *x.* In oēs
terram eruit sonus eorū.

R. Et in fines. *Lectio. i.*

Dñs saluatoris nostri
passionē eiusdemq;
gloriosissimū resur-
rectionis tropheū: mirabi-
lemq; ascensionē: qua pa-
ternū vsq; scandit ad solū
nec nō et paracleti pneuma-
tis flāmi formā super aplos
effusionē: sapientie radio
irradiat: ac celesti gratia
illustrat: passim gentibus
nationib;sq; quos idē ele-
gerat: christi nomen sua p-
licatione patefecerūt dis-
cipuli. Tu aut. *R.* Adest
vobis valde letabūda dies
precellētissimi apli iacobi.
p. Per cuius saluberrimā
translationē totius plebs

hispanie suscepit agnosce-
re redemptorē. *x.* Divini
muneris largitate presul-
gens terre hispanie quia
cū digno honore sepultum
brī iacobi corpus in te re-
quiescit. p. Per cuius. *lc. ii.*

Quorum preclueti nu-
mero mire virtutis
sanctus extitit iacobus: vi-
ta beatus: virtute mirific⁹
ingenio clarus: sermone lu-
culentus: cuius vterinos
ioannes habetur euangeli-
sta et apostol⁹. Tu aut. *R.*
Post passionē suā per dies
septē iacobus christi apo-
stolus per maris syndas na-
uigando a discipulis suis
in hispaniā translatus est.
p. Et in fine galecie ab eis
honorifice sepultus est. *x.*
Et intrātes hyspā pre gau-
dio cecinerūt: in mari iue-
tue et semite tue in aq; mul-
tis. p. Et in fine. *Lectio. ii.*

Hic nepe gratia fuit
tanta concessa divini-
tus vt etiam idem ineffabi-
li claritate coram eius visi-
bus super mōtē tabor tras-
figurari nō sit de dignatus
astantibus cum eo petro et
iohāne veridicis testibus.
Tu aut dñe. *R.* Subleuan-
tes aut discipuli sanctissimi
corpus apostoli nocte per-

uenerūt. **p.** Ad litt⁹ maris
in ioppem angelo comitan
te. **x.** Ibi vero preti...ore
iudeorū nūmū hesitantes
quid agerent: ecce nutu dei
affuit eis parata nauis. **p.**
Ad littus maris. **x.** Gloria
patri. **p.** Ad littus. **In. ij. no**
cturno. an. Per maris vn
das ducitur: post sacrā suā
mortem nauis parata mit
titur: secundū dei sortē. **ps.**
Omnes gñs. **an.** Quā in
trantes discipuli accedunt
deducētes corp⁹ secū apo
stoli pre gaudio psallentes
ps. Exaudi deus depre. **an.**
Post dies septē hyne ad
portū applicantes: ciuē ce
lestis curie deducunt exul
tātes. **ps.** Exaudi de⁹ oīo.
x. Cōstitues eos princeps
S. Ic vero alijs **lecō. iij.**
S. diuersa cōsistit: clima
ta adestibus nutu dei hes
perioris appulsus homi
nibus inibi de gentibus pa
triamq; incolentib;: ser
bum dei predicando: disse
rit intrepidus. Tu autem.
x. Humato corpore sanc
tissimo cecinerunt has lau
des domino. **p.** In memoria
eterna erit iustus abaudi
tione mala non timebit. **x.**
Cōstruentes sepulchrū la
pideo opere cauantes in al

tū arcuatam fecerunt do
mū ibiq; corpus apostolicū
condiderūt dicentes. **p.** In
memoria eterna. **Lectio. v.**

Ubi dum parua seges
que tūc excoli velet
inter spinas fructifica in
ueniretur: paululū cōmora
tus fertur septē clientulos
preelegisse christo inbñt⁹
quorū collegio lolium euē
lendo extirparet radicitus
verbiq; semina tellori diu
sterili permanenti cōmitte
ret propensius. Tu autē do
mine. **x.** Magnū dei mu
nus et admirabile donati
uū vt in finibus galecie si
cus aureū luceat in hispa
nia nouo lumine. **p.** Lūius
splēdor illuminat dei scōs
celos ⁊ mundū. **x.** Gaude
ergo hispania tuo exuta er
rore superstitiōis tripudia
tanta illustrata iubare lu
cis. **p.** Lūius. **Lectio. vi.**

Quāq; dies imineret
supremus hierosoli
ma tendit festinus a cuius
cōtubernali solario predic
torū vernularū nullus ex
tat subtractus. Quē sadu
cea ac pharisaica dum sti
pat manus improba: anti
qui serpentis illecta veru
cia in numerā opponit de
christo pōblemata. Verum

sancti spūs inebriatus gra-
tia: eius eloquentia a nemi-
ne est superata. **Tu** autem.
R. Sctā ⁊ pādmirāda fes-
tiuitas magnis glorie leta-
bunda tropheis. **p.** Quia
datus est hodie hispanis in-
clitus a deo patronus. **R.**
Urbibus felicior cunctis cō-
postella elegit ter: quia san-
ctissimus ille ideoq; gaud
p. Quia datus. **R.** Gloria.
p. Quia datus. **In iij. noc.**
an. A regelo us petitur in
quo sepe iatur cemetō pōs
dissoluntur turba flagellat.
ps. Confitebimur tibi. **an.**
Draco per ingens rūpitur
tauri foveas domātur: fera
matrona vincitur et loca
cōsecrantur. **ps.** Dñs reg.
crul. **an.** Visistantis mira-
culis matrona baptizatur
et reprobatis idolis sepul-
tura paratur. **ps.** Dñs reg.
mauit irascitur. **R.** Minis
honorati sunt amici tui de-
R. Minis confortatus est
principat. **Scōz matheū.**
In illo t̄pore. Accessit
ad dñm iesum mater
filiorū zebeder cū filiis suis
adorās et petens aliquid
abeo. Et reliqua. **Domilia**
sancte leonis pape de trāf
latiōe beati iacobi apostoli
Lectio septima.

Descat fraternitas ve-
stra dilectissimi rec-
tor. totius christianitatis
qliter in hispaniā integrū
corpus beatissimi Iacobi
apostoli translātū est: post
ascensionē nostri redēpto-
ris ad celos aduentūq; san-
cti spūs super discipulos
ab ipsa passione christi in
re uolutione duodecimi an-
nūtepus azunorū beatissi-
mus apls iacobus perlus-
tratis iudeorū sinagogis
hierosolimis capt⁹ ab abia-
thar pontifice simul: cū io-
sia suo discipulo iusu hero-
dis capite plerum est. **Tu**
autē dñe. **R.** Felix valde es
o terra hispanie rerum co-
pia plurimarum. **p.** Sed fe-
licior es beati iacobi dota-
ta p̄sentia. **R.** Olim tu quī-
dē pro columis herculis fa-
ma vane opiniōis gloriosa
eras: et q; in tua dulci tē-
perie assimulata es sacro
paradiso. **p.** Sed felicior.
Sublātū est. **L. cō. viii**
autē corpus ill⁹ san-
ctissimi Iacobi apostoli a
discipulis suis nocte preti-
more iudeorum: qui angelo
dñi comitante: peruenērūt
in ioppem ad littus maris:
Ibi vero hesitantes ad in-
uicem quid agere deberēt.

et ecce nutu dei affuit eis
parata nauis. Tu aut. *R.*
Alme perpetui luminis lux
apostole Jacobe obsce-
na tuorum intima famulorum
illumina. *P.* Ut valeat tem-
pora sic ducere seculi: quo
valeant gaudia captare vi-
te. *R.* Sedulus esto christi
benigne apostole intercessor
pro his quibus datus es
pater et pastor. *P.* Ut vale-
ant tempora. *R.* Gloria pa-
tri et filio. *Lectio nona.*

Qui gaudetes intrat
in ea portantes a lu-
mi christi nostri saluatoris
erectisqz velis simul cu pf-
peris ventis. cu magna tra-
quilitate nauigates super
vndas maris: collaudates
clementiam nostri saluatoris
byrie peruenerunt ad portu
Ibi pre gaudio cecinerunt
hunc daunticum versum.
In mari vie tue et semite
tue in aquis mltis. Tu au-
tem dñe. *R.* Deo gratias.
Te deum laudamus. *In*
laudibus. añ. Adest die le-
ticie beatus in quo iacobus
terre datur hispanie dux et
patronus inclitus. *ps.* Do-
minus regnavit. *cu reliqs.*
añ. Exultet hoc hispania
duce sublimata digna can-
tans preconia diu desolata

añ. Felix o tu galecia ma-
nibusqz plaudc tanti ducis
presencia digna omni lau-
de. *añ.* Sacra gaude copos-
tella: magis tu preceteris
cum sis digna facta cella
huius sancti corporis. *añ.*
O decus galecie o lumen
hispanie sidus aureu virtu-
te mundicie nobis regem
glorie demonstra placatus
Capitulum. Fratres. Jam non
estis hospites. *ymnus.*
Adest dies leticie. *R.* Ora
pro nobis beate iacobe. *R.*
Ut digni efficiamur pmis-
sionibus christi. *Ad lene-*
dictus. añ. Gaudeat ple-
bs galecianorum q tantu du-
cem ac pastorem meruit su-
scipere almu iacobum: exul-
tent gentes occidentales
omnesqz in sule illustrare ta-
to patrono: letet samaria
documentis eius imbuta
gratuletur hierosolima sa-
guine eius purpurata om-
nes festa eius celebrantes
dicant glia in excelsis deo.
alleluya. *Oratio.* vt supre
Et sic comemo. de natiui-
ta. et sancto stephano: et sa-
cto iohanne: et sanctoru
innocentium. Per horas
diei añe de laudibus. *Ad*
fin. rj. r. ix. Capitulum et
R. la breuia dicuntur de

cōmuni apłorū. **Ad vespas**
omnia fiant sicut in primis
vesperis: sed ad magū. añ.
O lux et dec? hispanie san-
ctissime Jacobe: qui inter
apostolos primatum tenes
primus eorū martirio lau-
reat? o singulare presidium
qui meruisti videre redēp-
torem nostrū ad huc morta-
lem in deitate trāsformatū
exaudi preces seruorū tuo-
rum et intercede pro nostra
salute: omnūq; populorū.
alleluya. **Oratio vt iupra**
in primis vesperis.

Incipit officiū bea-
te marie virginis: tempore
aduentū celebrandū dieb?
iab. Ad vs. añ. Missus est.
cū reliquis de laud. **ps. Di-**
xit dñs. cū reliquis. L. p. m.

Gredietur virga
de radice iesse: et
flos de radice ei?
ascendet: et requies-
cet super eū spiritus dñi.
Hy?. Au. maris. **h. Spe-**
te tua. R. Intēde pspere.
Id mag. añ. Spūs sc̃tus i
e descēdet maria. ne time-
re habebis in vtero filium

Deī alleluya. **Oratio.**
Deus qui o beate ma-
rie ṽrginis vtero verbum
tū angelo nūciāte carnez

in scioe voluisti: p̃sta suppli-
cib? tuis: vt qui vere eā dei
genitricē credim? ei? apō-
te intercessionibus adiuue-
mur. **Per. Ad m̃rtu. Inui.**
Aue Maria gratia plena.
Dñs tecū. **ps. venite exulte**
hy?. Quē terra pōtus. **In**
p̃mo noc. añ. B̃ndicta tu.
p̃ dñe dñs nr. **añ.** Sicut
myrba. **ps. Celi enar. añ.**
Ante thori. **ps. Dñi est. h.**
Specie tua. **R.** Intende.
Sermo. I. Aug. epi. A. cō. I.

O Altissimū marie vir-
ginis vtero spōse vir-
ginis clausum ṽtris cubi-
culū signatū: filiū virginis
cenaculū merito plenissime
collaudare: si messem mete-
re quā non seminare. Deni-
q; sic apłus dicit. Quēcū-
q; seminaverit homo: bec-
tmetet. **Uerū est. Omnino**
verū est: omnē hominē mete-
re quod seminavit. Tu. R.
Miss? est gabriel āgel? ad
maria ṽrginez despōsatā
iōsep̃ nūciās ei x̃bū: et ex-
pauescit ṽrgo de lumine:
ne timeas maria inuenisti
gratiā apō deū. Ecce cōcl-
p̃es et paries: et vocabitur
altissimi filius. h. Dabit ei
dñs de? sedē dauid p̃ris ei?
et regnabit in domo iacob i
eternum. **Ecce. Lectio. ii.**

Deus sol⁹ potest me-
tere quod nō semina-
uit: sicut ⁊ ipse filius virgi-
nis in qdā euāgelij lectio-
ne ait. **A**eto vbi nō semina-
uit: ⁊ colligo vbi nō esparsi
dicat solus: dicat natus ex
virgine fili⁹ marie. Dicat
spōs⁹ matri sue. **A**eto vbi
nō seminaui: ⁊ colligo vbi
nō sparsi. **T**u aut. **R.** Que
maria gratia plena dñs te
cū. spiritus sanctus super-
ueniet in te: ⁊ virtus altissi-
mi obūbrabit tibi. qđ enim
ex te nascetur sanctū: voca-
bitur filius dei. **R.** Quomo-
do fiet istud quoniam virū
nō cognosco: ⁊ respōdēs an-
gelus dixit ei. Spūs. **lc. iij.**

Marcatet maria. Ecce
ergo te filiū genera-
uit: sed virginitatē meā nō
violauit. Regnū tenui vir-
ginitatis: ⁊ regē genui ca-
stitatis. Ingrediētē ⁊ egre-
diētē habui in palatio vē-
tris filiū imperatoris: ⁊ de
manib⁹ meis nō amisi cla-
uem regni pudoris. Porta
facta sum celimanua facta
sum filio dei. Illa porta
facta sum clausa: quā in vi-
sione diuina Ezechiel vi-
dit propheta: de qua in me
idē dicit propheta. **Tu. R.**
Suscipe verbū virgo. **A**ba

tia quod tibi a dño p ange-
lū trāsimilium est: cōcipies
⁊ paries deū pariter ⁊ ho-
minē. **E**t benedicta semp
dicaris inter omnes mulie-
res. **R.** Paries quidē filiū
⁊ virginitatis nō patieris
detrimentū: efficieris gra-
uida ⁊ eris mater semp in-
tacta. **E**t bñdicta. **Glia** **E**t
In. ij. noct. añ Specie tua.
ps. Eructauit. **añ** Adiuua-
bit. **ps.** De⁹ nī refu. **añ.** Si-
cut letantiū. **ps.** Fundamē-
ta. **R.** Adiuuabit eā. **lcō. iij.**

Uidi portam in domo
dñi clausam. Et dixit
āgelus ad me. Porta hec
quā vides nō aperiet. Et
nō trāsiet homo per eā: quā
dñs solus intrabit ⁊ egre-
dietur per eā: ⁊ clausa erit
in eternū. **M**irabilis pphe-
te visio: sed mirabilior pro-
phetie adimpletio. Quid
est porta in domo dñi clau-
sa: nisi qđ maria virgo sem-
per erit intacta. Et quid ē
homo nō rrāsibit per eā: ni-
si qđ Ioseph non cognouit
eam. Et quid est: dñs sol⁹
intrabit ⁊ egredietur per
eā: nisi spūs sanctus impre-
gnabit eā: ⁊ angelorū dñs
nascetur per eam. Et quid
est clausa erit in eternū: ni-
si qđ maria virgo est ante

partum: virgo in partu: et
virgo post partu. *Tu. ix.*
Ecce virgo concipiet: et pa-
riet filium dicit dominus. Et vo-
cabit nomen eius admirabilis
deus fortis. *x.* Super solium
dauid: et super regnum eius
sedebit in eternum. *Et. lc. v.*

Osculat ergo Maria.
Porta facta sum celi
ianua facta sum filio dei.
Adimpleuit venter meus di-
uinitate: et venter meus non
euacuauit castitate: exiit
de vtero meo gigas occur-
su magnificus: et venter meus
non est pudore euacuatus.
Nec in conceptione inuenta
sum sine pudore: nec in par-
turatione inuenta sum cum dolo-
re. *x.* Egredietur virga de
radice iesse: et flos de radice
eius ascendet. Et erit iustitia
cingulum laborum eius: et fides
cinctorium renum eius. *x.* Et
requiescet super eum spiritus domini
spiritus sapientie et intellec-
tus: spiritus consilij et forti-
tudinis. Et erit. *Acto. vi.*

Maria laudabilis in-
ter feminas: que ab
angelo salutata: virgo sola
impregnata: nec vitata:
exonerata: nec auacuata:
quia fides ab angelo saluta-
ta: Que (inquit) gratia ple-
na dominus tecum. Felix ymbili-

cus castitatis: que amplexus
non tetigit maritalis. Confi-
dero conceptum tuum beata
virgo: et expauesco: itueor
partum tuum: et contremisco:
adoro filium tuum et reuuisco

x. Sancta et immaculata vir-
ginitas: quibus te laudibus
effera: nescio. Quia que ce-
li capere non poterat: tuo
gremio contulisti. *x.* Bendi-
cta tu in mulieribus: et bendi-
ctus fructus ventris tui. *Qz*
Elia. Quia. In. li. noc. an.
Gaude maria. *p.* Latate. *t.*
Dignare me. *ps.* Dominus reg-
na. exul. *an.* Angelus domini nu-
ciauit Mariæ: et concepit de
spiritu sancto alla. *ps.* Latate. *h.*

Elegit. *Scd. luc.*
In illo tempore missus est
angelus gabriel a deo in ciui-
tate galilee: cui nomen naza-
reth: ad virginem desponsatam
viro: cui nomen erat ioseph
de domo dauid: et nomen vir-
ginis maria. Et reliquum. *Mat.*
Mat. i. Ambrosius ep. lc. xiii.

Quatenus quidem diuina mister-
ia: nec facile iusta prophe-
ticum dictum: quisquam homi-
num potest scire consilium dei:
sed tamen ex ceteris factis
atque mandatis domini saluato-
ris: possumus intelligere: et hoc
appensionis fuisse consilij: quod
ea potissimum electa est: ut

desū pareret q̄ erat despōsa
ta viro. cur aut nō ātequē
despōsaretur: implet. *ait.*
Fortasse ne diceret q̄ cōce
perit ex adulterio. *L u. R.*
Cōgratulamini mihi oēs
qui diligitis dñm: quia cuz
essem paruula: placui altui
fino. Et de meis viscerib⁹
genui deū z hominē. *R.* Be
atā me dicet omnes: gñatio
nes: qz ancillā humilem res
pexit deus. *Et. Lctō. viii.*

Et benevtrūqz posuit
scriptura: vt z despō
sata esset z xgo. Virgo vt
expers virilis cōiortij vi
deret. Despōsata ne teme
rate virginitatis adureret
ifamia: cui grauis alu⁹ cor
ruptele videretur insigne
preferre. Baluit aut dñs
aliquos de suo ortu: q̄ de
matris pudore dubitare.
Sciebat enī tenerā esse vir
ginis verecūdiā z lubricā
famā pudoris: nec putauit
ortus sui fidē: matris iniu
rijs astruēdā. *L u. R.* Gau
de maria virgo cūctas be
refes sola interemisti: q̄ ga
brielis archāgeli dictis cre
didisti. Dū virgo deū z ho
minē genuisti: z post partū
virgo inuoluta permāsisisti
R. Gabrielē archāgelū cre
dū⁹ dñm: te esse affatū

uter z tuū de spū sctō cre
dimus impregnatū: erubesc
cat iudeus in felix qui dicit
christū ex ioseph semine es
se natū. Dum virgo. *lec. ix.*

Seruat itaqz scē mā
rie sicut pudore inte
gra: ita inuolabis opiniōe
xginitas. oportet enī scōs
z ab his testimoniū habere
qui foris sunt. Nec decuit
sinistra virginib⁹ opimone
viuētib⁹ velamē excusatio
nis relinqui: q̄ infamata
mater quoqz dñi videret.
Quid autē iudeis: quid be
rodi possit ascribi: si natuz
viderētur ex adulterio pse
cuti? Quēadmodū autē ip
se diceret: non veni soluere
legē: sed adimplere: si vide
retur cepisse a legis iniuria
cum part⁹ inupte lege dā
net. Quinetiā locupletior
testis pudoris maritus ad
hibetur: qui p. tulisset z do
lere iniuriā: z vindicare op
probrium si nō agnosceret
sacramētum. *L. R.* Mo
do veniet dñator dñs. Et
nomē ei⁹ emmanuel vocabit.
R. Quetur in dieb⁹ ei⁹ iust
cia z abundātia pacis. Et
Gloria. Et no. *An laud.*
p. boras. añ. **A**stus est
briel angel⁹ ad Mariā vir
ginē despōsatā ioseph. *ps.*

Dñs regñ. **cū reli. añ.** Que
maria gra plena dñs tecū:
bñdicta tu in mulierib⁹. **all.**
añ. Ne timeas maria: inue
nisti gratiā apud dñz: ecce
cōcipies ⁊ paries filiū. **all.**
añ. Dabit ei dñs sedē dauid
p̄ris eius ⁊ regnabit in eter
nū. **añ.** Ecce ācilla dñi fiat
mibi scōz verbū tuū. **Cap.**
Egredietur. hy⁹. **Q** gliosa
⁊. Diffusa. Ad bñs añ.
Quomodo fiet istud āgele
dei? q̄ virū in concipiēdo
nō ptuli. Audi maria chris
ti: spūs sc̄tus superueniet i
te. et virtus altissimi obū
brabit tibi: ecce ancilla dñi
oro. De⁹ qui de b̄tē. **Ad. iij.**
cap. Egredietur virga. ⁊.
Specie tua. cū reli. de coi.
virginū. Ad. vi. cap. Dabit
ei dñs sedē dauid p̄ris ei⁹
⁊ regnabit in domo iacob
in eternū: ⁊ regni ei⁹ nō erit
finis. **Ad. i. cap.** Ecce vir
go cōcipiet ⁊ pariet filiū: ⁊
vocabitur nomē eius ema
nuel: but p̄r ⁊ mel comedet
vt sciat reprobare malū et
eligere bonū. **Ad. vespas.**
añ. Absus est angel⁹. **cum**
reli. ps. Dixit dñs. **cū reli.**
cap. Egrediet virga. **hy⁹.**
Que maris. ⁊ Diffusa. Ad
mag. ā. Spūs sc̄tus supue
niet. **oro. De⁹** qui de b̄tē.

Officiū beate ma
rie virgi. diebus iab. ab oc
ta. natiui. dñi vsqz ad puri
fica. **Ad. vesp. añ.** **O** admira
bile. **cū reli. de laud. ps.** Di
xit dñs. **cū reli. cap.** Ab ini
tio. **hy⁹.** Que maris stel. **⁊.**
Specie tua. Ad mag. añ.
Magnū hereditati myste
riū tēplū dei factus est vte
rus nesciēs virū: nō est pol
lutus ex ea carnē assumēs
oēs gētes veniēt dicētes:
O glia tibi dñe. **oro.**
De⁹ q̄ salutis eterne
b̄tē marie virginitate secū
da humano gñi premia p̄
titisti: tribue q̄s: vt ip̄az p
nobis intercedere sc̄tiam⁹
per quā meruim⁹ authorē
vite suscipe. **Dñm nr̄z iesū**
christū filiū tuū. Ad mar. in
uita. Regē virginis filiū.
Venite adorem⁹ ps. Veni
te exul. **hy⁹.** Que terra pō
t⁹. **ā.** Bñdicta tu. **ps.** Dñe
dñs nr̄. **añ.** Sicut myrrha.
ps. Celi enar. **ā.** Ante tho
rū. **ps.** Dñi est ter. **⁊.** Spe
cie. **Sermo. f. aug. cōi. lc. i.**
Marra obsecro mibi
quomō meruisti dici
mater dñi: p̄p̄saqz filij dei:
Ad rogo indica mibi: sed
tamē loquēti tecū ignosce
mibi. Ignosce inq̄ mibi: vt
gaudeā seru⁹ atqz vtinā v̄l

bonus: et non inutilis et malus
seruus: quia non tecum cum tunc. et
loquor: ut seruus: ignosce
ergo mihi quod audeam cum spiritu
sancto domini mei fabulari. Et tunc
indica mihi: quomodo potue-
rit per te filius dei generari.
Tu. R. Congratulamini mi-
hi oes qui diligitis dominum: quia
cum essem paruula: placui al-
tissimo. **P.** Et de meis visce-
ribus genui deum et hominem. **V.**
Beata me dicent oes gene-
rationes: quia ancilla humi-
lisper sperit deus. **P. Li. 16. 11.**
A. Videte fratres audi-
te Mariam nobiscum lo-
quentem: carne absentem: et
spiritu presentem. Verecundia
virginitatis vultum auertente
a collocutore: et iudican-
tem quomodo impregnata sit
ad domino saluatorem. Eram [in-
quit maria] in domo mea
puella iudea ex semine Da-
uid regis generata. Adul-
tera facta sum et despósata. des-
pósata sum coniugii: et pla-
cui alteri. Non interueniente
adulterio: sed intercedente
spiritu sancto. Despósata
sum homini iudeo: et pla-
cui altissimo. Despósauit
me vir iudeus: et adamauit
me christus deus. **Tu. R.**
Confirmatum est cor virgi-
nis: in quo diuina misteria

angelus narrante concepit: the-
saurum pre filiis hominum cas-
tis visceribus suscepit. Et
benedicta in eternum deum no-
bis protulit et hominem. **V.** Do-
mus pudici pectoris: templum
repente fidei: in tacta nes-
cies virum: verbo concepit
filius. Et benedi. **Acto. 11.**
I. Ignorauit quidem io-
seph spiritus meus: quod
adamasset me deus meus: et
putauit quod de adulterio im-
pregnatus esset venter meus.
Nunc ignorante ioseph spon-
so meo: venit ad me quidam
magnus christi paranephus
non patriarcha primus aut
propheta egregius sed ga-
briel ille archangelus: facie
rutilans: veste coruscans. In-
cessu mirabilis: aspectu ter-
ribilis. Visitauit me: et per-
turbauit: salutauit et graui-
dauit. **Tu. R.** Sancta et ima-
culata virginitas: quibus te
laudibus effera nescio. Quod
quod celi capere non poterat
tuo gremio continui. **V.** Be-
nedita tu in mulieribus: et
benedictus fructus ventris tui
P. Quia. Gloria. **P. Q. 3. n. 1.**
noct. a. 11. a. Specie tua. **Ps.**
Eructauit. **an.** Adiuuabi-
eas. **ps.** Deus meus refu. **an.** Si-
cut letantis. **ps.** Fundamē-
ta eius. **V.** Adiuuabit eas.

Orit aut mibi. *lc. iiii.*
Que gra plena dñs
tecū. Dñs (inquit) tecū: sed
plus quā mecū. In me enī
licet sit dñs: per te enī na
citurus est dñs. Ita enim
est Maria dñs tecū: vt sit i
corde tuo: sit in ytero tuo.
Adimpleat mentē tuā: adi
pleat vētrē tuū. Procedat
formosus de ytero tuo: qua
si sponsus de thalamo tuo.
Procedat princeps ex au
la regalī: ita vt virginitatē
tuā non faciat violari. Tu
aut. *R.* Beata et venerabi
lis es virgo maria que sine
tactu pudoris inuenta es
mater saluatoris. *p.* Face
bat in presepio: et fulgebat
in celo. *R.* Dñe audiui audi
tū tuū et timui: consideraui
opa tua: et exaui in medio
duorū aialū. *p.* Face. *lc. v.*

Oritqz illi. Quomo
do fiet istud: vt i vte
ro grauescā: pudica et im
munis sima marito: cū vi
rū penitus nō agnosco: sed
si fieri potest vt cōcipiā in
tacta et generē clausa. In
dicta modū: et paratū inue
nies animū meū. Omnibus
enī modis exoro dñm meū:
vt et habeā prolē: et non per
dā pudorē. Refert angelus
Gabriel modū conceptio

nis: qz verbo fieret saluato
ris. *R.* Cōtinet in gremio
celu terramqz regentē vir
go dei genitrix: proceres
cōmitantur herile. *p.* Per
quos orbis ouās Christo
sub principe pollet. *R.* Vir
go dei genitrix: quē totus
nō capit orbis: i tua se clau
sit viscera factus homo.
p. Per quos. *Lectio. vi.*

O Inquit maria spōsa
dei: filia dei: mater
dei. Si hunc a me modū re
quiris quomodo virgo cō
cipias: virgo parias. et post
partū virgo perman eas:
vel quomodo fiet in te qui
fecit te: audi me et ne per
turberis in te. Spūs sc̄tūs
superueniet in te: et virtus
altissimi obūbrabit tibi: vt
nec estū patiaris libidinis
et mater iis creatoris. Tu.
R. Flescies mater virgo vi
rū peperit sine dolore sal
uatorē seculorū. Ip̄sū regē
ā gelo et sola virgo lactabat
vbere de celo pleno. *R.* Do
mus pudici pectoris: tem
plū repente fit dei: intacta
nescies virū verbo cōcepit
filīū. Ip̄sum. *In. iij. noct.*
an. Gaude maria virgo *ps*
Lātate. *an.* Dignare me.
ps. Dñe regna. exultet. *an.*
Post partū virgo. *ps.* Lāt

tate. *h. v.* Elegit eam deus

Lectio euāgelij secundū i. a.

In illo tēpore. Pasto-
res loq̄bantur ad inui-
cem dicentes. Trāseamus
vsque Bethleem: et videā-
mus hoc verbū quod factū
est: quod fecit dñs et osten-
dit nobis. Et reliqua. *h.*

milia sancti Ambrosij epi.

Et facta est *Lectio. vii.*

cum angelo multitu-
do celestis exercitus: laudā-
tium deum et discantium.
Gloria in excelsis deo: et in
terra pax hominibus bone
voluntatis. Bene angelorū
numeratur exercitus: qui
ducem militie sequebatur.
Cui igitur laudem angeli
nisi domino dicerent suo:
iusta quod scriptū est. Lau-
date dominum de celis: lau-
date eum in excelsis: lauda-
te eum omnes angeli eius.

Tu aut. h. Felix nanq̄ es
sacra virgo Maria et om-
ni laude dignissima. *p.*

*Q*uod ex te ortus est sol iustitie.

Christus deus nr. h.

*O*ra pro populo: interueni pro

clero: intercede pro deuoto

femineo sexu. sentiant om-

nes tuū adiūuamen quicū-

q̄ celebrā tuam sanctam

commemorationē. *p.* Quia

ex te ortus. *Lectio. viij.*

Et ait. Videamus

hoc verbū qd factum

est quod dñs ostēdit nobis.

Et venerūt festinātes. Vi-

des festinare pastores. Ne-

mo enim cum desidia. Chri-

stum requirit. Vides eos

angelis credidisse. Et tu

patri: filio: spiritui sancto:

āgelis. pphetis. apostolis

crede. vide q̄ signate scrip-

tura singulorū libret momē-

ta verborū. festināt. inquit

verbum videre. Et tenim cū

caro dñi videtur q̄ est dei

filius: nō mediocre fidei ti-

bi hoc videatur exemplū.

Non vilis persona pasto-

rum. Certe quo vilior ad sapien-

tia: eo p̄cisior ad fidē. Tu.

h. Gaude maria virgo cū

ctas hereses sola interemi-

isti: que gabrielis archāgeli

dictis credidisti. Dum vir-

go deū et hominē genuisti:

et post partū virgo inuola-

ta p̄māstisti. *h.* Gabriele ar-

changelū credimus diuini

tus te esse affatū vterū tuū

de spū sancto credimus im-

pregnatū: erubescat inde

infelix: qui dicit christū ex

ioseph semine esse natum.

Dū vir. Glia. Dū. vir. l. a.

Pastoribus et maria

fidē colligit: a pasto-

ribus populus ad dei reue-

rentiā cōgregatur. **M**ira
enim sunt de his q̄ dicebā-
tur a pastoribus ad ipsos.
maria autē cōseruabat om-
niā verba hec: conferēs in
corde suo. **D**icam⁹ sancte
virginis in omnibus casti-
tate: que nō minus ore pu-
dica qua corpore. **A**rgumē-
ta fidei cōferebat in corde.
Si maria a pastoribus di-
dicit: cur te declinas a sa-
cerdotib⁹ discere. **T**u autē.
In laud. 7. p. h. o. r. a. s. d. i. c. i. a. n.
Ad mirabile cōmertium:
creator generis humani:
animatū corpus sumēs: de
virgine nasci dignatus est
et procedēs homo sine semī-
ne: largitus est nobis suam
deitatem. **a. n.** Quādo natus ē
inescibiliter ex virgine: tūc
implete sūt scripture: sicut
pluuia in vellus descēdit:
vt saluū faceres genus hu-
manū te laudamus de⁹ n⁹
a. n. Rubū quē viderat moy-
ses incombustū: cōseruatā
agnouimus tuā laudabilē
virginitatē dei geni trix in-
tercede pro nobis. **a. n.** Ger-
minauit radix iesse: orta ē
stella ex Jacob: virgo pepe-
rit saluatōrē te laudamus
de⁹ noster. **a. n.** Ecce maria
genuit nobis saluatōrē: quē
iōānes videns ex. clamauit

dicēs: ecce agnus dei: ecce
qui tollit peccata mūdi all.
**Lap. Ab initio. p. 1. Aglo-
riosa. v. Diffusa. Ad hys.
a. n.** Mirabile mysteriū de-
claratur hodie: innouātur
nature deus homo factus
est: id quod fuit permāsit et
quod non erat assumpsit: nō
cōmixtionē passus nec diuī-
sionē. **o. r. o.** De⁹ qui sa. **Ad
iij. cap. Ab initio. h. breue.
Specie tua. cū rel. o. cōmu-
ni virg. Ad. vi. cap. Et sic
in sion. Ad. ix. cap. In pla-
teis. Ad. vel. a. n. A. d. mira-
bile. ps. Dixit dñs. cū rel.
cpm. Ab initio. v. 1. Que
maris stel. v. Diffusa est.
Ad mag. a. n. A. d. agnū bere-
ditatis mysteriū. v. 1. De⁹
qui salutis eterne.**

Incipit officiū bea-
te marie oieb⁹ sab. celebra-
dum. ab octaua penthecos-
tes vsqz ad aduentū. Et a
purificatione vsqz ad seriā
quartā maioris hebdoma-
de. **Ad vespas. a. n.** Assum-
ta est. cū reuquis cap. Ab
initio et ante secula. **h. 1. 1. 1.**
Que maris stella. v. Spe-
cie tua et pulchri. **Ad mag.
a. n. 2.** Virgo prudentissima
quo progredieris quasi au-
rora valde rutilas filia sūo

tota formosa et suavis es:
pulchra vt luna electa vt
sol. **Oratio.** Concede nos .a.
Ad matutinas inuitatorum.
Regem virginis filium. Cle
mente adoremus. **ps.** Venite
exultemus. **Hy.** Quē
terra pontus. **Sanctus.** noct. **an.**
Benedicta tu. **ps.** Dñe do
minus noster. **an.** Sicut myrrha
ps. Celi enarrat. **an.** Ante
thorum. **ps.** Dñi est terra.
h. Specie tua. **Sermo san**

cti hieronimi. **Lectio. j.**

Aultate fratres cha
rissimi ac gaudete: et
letetur omnis orbis: quia ho
die nobis omnibus interue
nientibus eius meritis sa
lus aucta est. Vobis quoque
diligentibus eam: honor et
virtus vna cum reliquis
virginibus sacris amplior
prestatur et gratia. Ideirco
dilectissimi letamini et lau
date: quia si deum ore pro
phético in sanctis suis lau
dare iubemur: multo magis
eum in hac celebritate beate
virginis matris eius: oportet
cum hymnis et canticis di
ligentius extollere: et dignis
deo iubilare preconijs: ac
misticis honorare muneribus.
h. Quidispecciosas sicut
colubam ascendentem de su
per riuos aquarum: cuius

inestimabilis odor erat ni
mis in vestimentis eius. Et
sicut dies verni circunda
bant eam flores rosarum et lilia
conualium. **h.** Que est ista
que ascendit per desertum
sicut virgula fumi ex aro
matibus myrrha et thuris
Et sicut. **Lectio. ij.**

Totum ad gloriam lau
dis eius pertineat. quicquid
digne genitrici sue impen
sum fuerit ac soleniter ex
hibitum. Ex quo timeo satis
et valde pertimesco: dum ves
tris cupio parere profecti
bus: ne forte sicut improbus
ita et indignus laudator
inueniat. Profecto cum nec
sanctitas vel facundia sup
petat: vt beatam et gloriosam
Virginem digne laudare queam.
Quoniam vt verum fatear: quic
quid humanis potest dici
verbis: minus est a laude ce
li: quia diuinus est et angeli
cis excellentius predicatur:
et laudata preconijs. **h.** Si
cut cedrus exaltata sum in
libano: et sicut cipressus in
monte sion: quasi myrrha
electa. Dedi suauitatem o
ris. **h.** Et sicut cinamomum
et balsamum aromatizans. **h.**

A Dedi. **Lectio. iij.**
Prophetis quidem

pre-nunciata a patriarchis
figuris et inigmatibus pre-
figurata ab angelis ex-
hibita et monstrata ab ange-
lo venerabiliter atque officio-
sissime salutata. Preterea
qualis et quanta esset: ab eo-
dem diuinitus declaratur
cum ait. Que gratia plena
dominus tecum: benedicta tu
in mulieribus. Talibus nam-
que decebat virginem oppig-
nerari muneribus: ut esset
gratia plena: que dedit ce-
lis gloriam: terris deum pacem:
que refudit: fidem gentibus
finem vitij: vite ordinem:
et moribus disciplinam. Tu
autem. *R.* Sancta et immacu-
lata virginitas quibus te
laudibus efferam nescio.
Quia quem celi capere non
poterat: tuo gremio contu-
luit. *R.* Benedicta tu in mu-
lieribus et benedictus fructus
utrisque tui. Quia que.
In ij. noctur. ant. a. Specia-
tua et pulc. *ps.* Eructant.
ant. Adiuuabit ea deus. *ps.*
Deus noster. *fu. ij.* Sicut
lerantibus. *ps.* Fundamenta.
R. Adiuuabit eam deus: vul-
tuo suo. Deus in medio eius
commouebatur. *La. ant. iij.*
G. Et bene angelus ad
virginem mittitur: quia
semper est angelis cognata.

virginitas. Profecto in car-
ne preter carnem vivere non
tenet: remota vita est: sed celestis.
Unde in carne angelicam
gloriam acquirere: maius
est meritum quam habere.
Esse enim angelum: felicitas
est: esse vero virginem:
virtutis. Dum hoc obrines-
se viribus nititur homo cum
gratia: quod angelus habet
ex natura. Utroque tamen
et esse virginem et angelum:
diuini muneris est officij:
non humani. Que inquit:
gratia plena: et bene plena:
quia ceteris per partes pre-
stat: Marie vero simul
se tota infudit gratie plen-
tudo. Hoc quippe est quod
David canit. Descendit si-
cut pluuia in vellus. *R.* Bea-
ta meditent omnes genera-
tiones. Quia fecit mihi ma-
gna qui potes esse et sanctum
nomen eius. *R.* Et miseri-
cordia eius a progenie in
progenies timentibus eum.
Quia fecit. *Le. ant. quinta.*
U. Ellus itaque cum sit de
corpore: nescit corporis
passionem: sic et virgini-
tas: cum sit in carne: vitia car-
nis nescit. Celestis plane
simber in virginem vellus:
placido se infudit elapsus: et
tota diuinitas vnda se con-

in natū fuisse. Et nos
extollamus voce cū
a catholica cui? et
typū gessit: extolla
t mentem de medio
ū: dicamusq; salua
eatus venter qui te
it: et ybera que sūxi
re enim beata parēs
que sicut quidā ait.
est puerpera regem
lum terramq; regit
ila. Cuius nomen ab
complectēs omnia
imperii sine fine ma
due vētre beato gau
atris habens cū vir
tis honore: nec pri
mitem visa est nec ha
equentem. At ille di
uinimo. beati qui au
verbum dei: et custo
illud. Pulchre salua
testatiōi mulieris an
non eam tantūmodo
um que verbū dei cor
liter generare merue
ed et omnes qui idem
um spiritaliter audi
dei conceperūt: et boni
is custodia vel in suo
n proximorū corde pa
et quasi alere studue
asseuerat esse beatos
ia et eadē dei genitrix
quidem beata: quia
i incarnandi ministra

est facta temporalis: sed in
de beatorū multo: quia ei
dem verbi semper amandi
cultos manebat eterna.
Qua sentētia sapientes in
deorum clam percutit: qui
verbum dei non audire et
custodire: sed negare et blas
phemare querebat. Et hoc
in loco beate dei genitricis
excellētia commendatur:
que in tante speculationis
custodiā famulabatur: qd
ipsius humilitati et sancti
tati: nullus sanctorum cō
paratur. Tu aut. **Ad lau.**
et per boras. an. Assumpta
est maria in celū: gaudent
angeli laudantes: benedi
cunt dominū. **ps.** Dñs re
gnauit. **cum reliquis. aia.**
maria virgo assumpta est
ad ethereum thalamū: in
quo rex regū stellato sedet
folio. **an.** In odorez vnguē
torum tuorū currimus: ado
lescentule dilexerunt te ni
mis. **an.** Bñdicta filia tu a
dño: quia per te fructum vi
te cōmunicauit. **12. an.** Pul
chra es et decora filia ier
usalē: terribilis vt castro
rum acies ordinata. **Cal.**
Ab initio et āte secula crea
ta sum: et vsq; ad futurum
seculum non desinam: et in
habitatione sancta coram

preunciata a patriarchis
figuris et inigmatibus pre
figurata ab euangelistis ex
hibita et monstrata ab ange
lo venerabiliter atque officio
sissime salutata. Preterea
qualis et quanta esset ab eo
dem diuinitus declaratur
cum ait. Que gratia plena
dominus tecum benedicta tu
in mulieribus. Talibus na
que decebat virginem oppig
nerari muneribus: ut esset
gratia plena: que dedit ce
lis gloriam: terris deum pacem
que refudit: fidem gentibus
finem vitij: vite ordinem
et moribus disciplinam. Tu
autem. **R.** Sancta et immacu
lata virginitas quibus te
laudibus efferam nescio.
Quia quem celi capere non
poterat: tuo gremio contu
luit. **R.** Benedicta tu in mu
lieribus et benedictus fru
ctus uteris tui. Quia quem
In h. noctur. ant. Specia
tua et pulc. **ps.** Eructant.
ant. Adiuuabit ea deus. **ps.**
Deus noster. **su. ant.** Sicut
letantium. **ps.** Fundamenta.
R. Adiuuabit eam deus vul
tu suo. Deus in medio ei
comouebitur. **Laod. iij.**
G. Et bene angelus ad
virginem mittitur: quia
semper est angelis cognata

virginitas. Profecto
ne preter carnem viue
re: rena vita est: sed ce
Unde in carne angel
gloriam acquirere: in
est meritum quam hal
Esse enim angelum: feli
tis est: esse vero virgi
nitatis. Dum hoc ob
re virginitatis nititur bon
gratia: quod angelus h
ex natura. Utroque ta
et esse virginem et ang
diuini muneris est offi
non humani. Que in
gratia plena: et bene pl
quia ceteris per partes
statutur: Marie vero fi
se tota infudit gratie p
tudo. Hoc quippe est q
David canit. Descend
cut pluuia in vellus. **R.**
tam edicent omnes gen
tiones. Quia fecit mihi
gratia qui potes est et fat
nomen eius. **R.** Et mi
cordia eius a progeni
progenies timentibus.
Quia fecit. **Leetio qui**
U. Ellus itaque cum si
corpore: nescit cor
ris passionem: sic et virgi
tas: cum sit in carne vita
nis nescit. Celestis pla
cider in virginem: vell
placido se infudit elapsi
tota diuinitas vnda se

dominē natū fuisse. Et nos
igitur extollamus voce cū
ecclesia catholica cui? et
mulier typū gessit: extolla-
mus et mentem de medio
turbatū: dicamusq; salua-
tori. Beatus venter qui te
portauit: et vbera que suxi-
isti. Vere enim beata parēs
christi: que sicut quidā ait.
Enixa est puerpera regem
qui celum terramq; regit
in secula. Cuius nomen ab
eterno complectēs omnia
giro: imperiū sine fine ma-
net. Que vētre beato gau-
dia matris habens cū vir-
ginitatis honore: nec pri-
mā similem visa est nec ha-
bere sequentem. At ille di-
xit. Quinimo. beati qui au-
diunt verbum dei: et custo-
diunt illud. Pulchre salua-
tor attestatiōi mulieris an-
nuī: non eam tantūmodo
beatam que verbū dei cor-
poraliter generare merue-
rat: sed et omnes qui idem
verbum spiritaliter audi-
tu fidei conceperūt: et boni
operis custodia vel in suo
vel in proximorū corde pa-
rere et quasi alere studue-
runt: asseuerat esse beatos
Quia et eadē dei genitrix
et ind. quidem beata: quia
verbi incarnandi ministra

est facta temporalis: sed in
de beator multo: quia eius-
dem verbi semper amandū
custos manebat eterna.
Qua sententiā sapientes in-
deorum clam percutit: qui
verbum dei non audire et
custodire: sed negare et blas-
phemare querebat. Et hoc
in loco beate dei genitricis
excellētia commendatur:
que in tante speculationis
custodiā famulabatur: qđ
ipsius humilitati et sancti-
tati nullus sanctorum cō-
paratur. Tu aut. **Ad lau.**
et per boras. an. Assumpta
est maria in celū: gaudent
angeli laudantes: benedi-
cunt dominū. **ps.** Dñs re-
gnauit. **cum reliquis. aia.**
maria virgo assumpta est
ad ethereum thalamū: in
quo rex regū stellato sedet
folio. **an.** In odorez vinguē-
torum tuorū currimus: ado-
lescentule dilexerunt te ni-
mis. **an.** Bñdicta filia tu a
dño: quia per te fructum vi-
te cōmunicauit. **17. an.** Pul-
chra es et decora filia ier-
usalē: terribilis vt castro-
rum acies ordinata. **Cal.**
Ab initio et āte secula crea-
ta sum: et vsq; ad futurum
seculum non desinam: et in
habitatione sancta coram

ipso ministravi. Deo gr̃as
hy? **D** gloriosa domina. **R.**
Diffusa est gratia i labijs
tuis. **R.** Propterea benedi
xit te deus in eternum. **Ad**

bñdi. añ. Bt̃a dei genitrix
Maria virgo perpetua tē
plum dñi: sacrariū spiritus
sancti: sola sine exēplo pla
cuisti dño iesu ch̃risto: ora
pro populo: interueni pro
clero: intercede pro deuoto
femineo sexu. **Oratio.**

Quonced nos famulos;
tuos q̃sum? dñe deus
perpetua mētis z corporis
sanitate gaudere: z glorio
sa beate marie semper vir
ginis intercessione a pre
fēti liberari tristitia: z eter
na perfrui letitia. **Per do**
minū. Ad. iij. c̃p. Ab initio
z ante sc̃la. **R. breue.** Spe
cie tua. **cū reliq̃ de cōi virgi.**

Ad vi. c̃p̃m. Et sic in syon
viq̃ de cōi mea. **Ad. ix.**
cap. In plateis sicut cina
momū. **Ad ves. añ.** Assum
pta est maria in celū. **cū re**
liq̃. ps. **R.** **xit dñs. cū reh**
quis consuetis c̃p̃m. Ab ini
tio et ante secula. **Hymin?**

Aue maris stella. **R.** Diffu
sa est gratia in labijs tuis.
R. Propterea benedi. **Ad**
magñ. añ. Beata mater et
imupta virgo gloriosa: re

gina mundi: intercede pro
nobis ad dñm. **Oratio.** **Lē**
ce. e nos famulos tuos q̃
sumus domine.

Incipit officiū bea
te marie virginis in dico
sabbati celebradū ab octa
pasche vsq̃ ascensionem
dñi. **Ad vesp̃as añ.** Le
tare mater nostra. **cum reli.**
de laudi. ps. Dixit dñs cū
reliquis cōsuetis. **Caplin.**

Apertū est tēplū
z visa est arca te
stamentū: z appa
ruit signum ma
gnū in eo: mulier amicta so
le: et luna sub pedibus ei?
z in capite ei? corona stella
rū duodecim. **Deo g. hy?**

Ad cenā agni prouidi
vocib? cordis intinū
laudes canamus virginis
matris dei laudabilis. **Qu**
ius corpus sanctissimū:
ch̃ristum portauit dominū:
qui cruce passus fieret: vt
omnes nos redimeret. **Pro**
tecti pasche vesp̃e: e laude
mus deuotissimū: cui? sur
rerit filius: natus ex ea ce
litus. **I**am pascha nostrū
ch̃ristus es: qui virgins fi
lius est: cuius cara sanctis
sima: deo fuit gratissima.
O vere digna hostia: et del

archa splēdida: tua sancta
suffragia: nos leuent super
etherā. **Q**uesumus mater
gratie: in hoc tuo solamine
vt tecū zleros facias: quos
tu ab hoste liberās. **G**loria
tibi dñe: cuius mater veris
sime dei fica a noscitur: cū
resurgenti iūgitur. **R.** Sā-
cta dei genitrix virgo sem-
per maria alleluya. **R.** In-
tercede pro nobis ad dñm
alleluya. **Ad magni. An.**

Sacrum armarū z spiri-
tus sancti sacrariū sancta
dei genitrix: in qua fides
non euacuauit: dū christus
in sepulchro iacuit: tu apta
dei archa in qua fuit fides
magna: nos instrue vt cre-
damus: et fideles inuenia-

Pmur alleluya. **Oratio**
Roset nobis qsumus
semper omnipotēs pater z
precipue inter hec pascha
lia filij tui solēnia: cōtinua-
ta dei genitricis marie me-
morā: que z assistit charita-
te vulnerata in cruce pedē
ti et astat a dextris regina
in celo regnāti. **Per eundē.**

Ad maturi. inuita. Exulte
mus cum maria virgine: q-
ei⁹ fili⁹ resurrexit mirifice
alla. **ps.** Venite exultate.

Auroa lucis rutilat:
dū virgo mater iubi

laticum illū cernit viuere:
qui passus fuit asperere. **Q**u-
rex ille fortissimus: resurre-
xit intrepidus: illa plus le-
ta creditur: qua ipse plus
diligitur. **I**lle qui clauus
lapides: surrexit auroa vir-
ginem matrem vidit: sed u-
lus ne tristaretur longius

Cristes erāt apostoli: quos
mulect mater dñi: cuius
plāctus obliuio: sit nati re-
urrectio. **Q**uesumus ma-
ter gratie. **G**loria tibi dñe
cuius. **ps. j. noc. añ.** **Q**uia p-
nobis virgo: gloria z hono-
re coronata: cū surrexit fi-
lius vt dictauerat lex dñi
immaculata alla. **ps.** Dñe

dñs nŕ. **L**eli enarrāt. **D**ñi
est ter. **R.** Specie tue z pul-
chritudine tua. **R.** Intede
pspe pcede z regna. **Ac.**

Sancta Maria virgo
virginū gaude resur-
gēte filio tuo: de cuius mor-
te doluisti z contristata fu-
isti. **C**onsolare virgo gra-
tia plena quia: surrexit
vite vena: quas totius per-
cusserat dolor: gladi⁹. **L**e-
tifica ergo nos gloriosa: in
hac resurrectione preciosa
tuum nobis prebendo sola-
tium simul et auxilium. **R.**

Cōgratulamini mihi oēs
q diligitis dñz z zgaudete

mecū. Quia quē lactaui di-
lexi: et in cruce asperire sur-
rerit intrepidus: mortis
fractis doloribus. alla alla

Ps. Gaudete in dñō: iterum
dico gaudete. Quia. **lec. ii.**

Sancta maria piāz pi-
ssima: et resurrectio-
nis christi credula: audi no-
stra suspiria: tu virgo bene-
dicta. Que nō dubitasti re-
surgere illū: quē concepe-
ras diuino spiramine. Adi-
tis polū nos trāsserre fata-
ge. Virgo que iuxta crucē
iesu assististi: et eiusdē disci-
pulo cōmissa fuisti: fac nos
carere crimine in hoc pas-
chali tempore. **R.** Virgo is-
rael vsquequo dolēs auer-
teris exue te stola luctus et
verationis tue: et indue te
decore et honore. Quia a
deo est tibi sempiterna glo-
ria alleluia alleluia. **R.** Ex-
ulta satis sula fiō. iubila si-
lia hierusalē. Quia. **lec. iij.**

Sancta dei genitrix q̄
dignū meruisti cōcipe-
re illū: quem mors dñi non
potuit comprimere. Tuo
pio enteruentu resuscita a
morte anime. Tu dei genit-
rix gloriosa: que iuxta cru-
cē christi fuisti anxia: conso-
lare et cōserua nos in ago-
nia. Tu fulgida stella ma-

ris: que prius illum cōtem-
platus fuisset resurre-
ctio: fac nos viuere et leta-
ri in tuo palatio. Tu autē.

R. Virgo parens christi:
quia resurrexit quē peperit
stū mortis destructo impe-
rio. Gratulare et iocūdare
in hoc paschali gaudio. al-
leluia alleluia. **R.** Gaude:
quia tui nati quem vidisti
mortē pati: fulget resurrec-
tio. Gratulare. Gloria pri-
bratu. **In. ii. noctur. anā.**

Speciosa forma cui astat
regina: resurrexit vt leo:
mortis separat a ruina ali-

ps. Eructauit. De⁹ noster
refugiū. Fundamenta eius

R. Adiuuabit eā deus vul-
tu suo. **R.** Deus in medio
ei⁹ nō cōmouebit. **Sermo**

Gloriosa. scilicet Angu.

O dei genitrix virgo sē-
per maria: quas tibi laudes
fragilitas humani generis
per soluet: que solo tuo cō-
mercio recuperandi aditū
inuenit? Accipe itaq̄ quas-
cūq; exiles: et quas cūq; me-
ritis tuis impares gratia-
rū actiones. Et cum susce-
peris vota: culpas nostras
orādo excusa. Admitte pre-
ces nostras intra sacrariū
tue exauditionis: et reporta
nobis antidotū reconcilia-

tionis. Sit per te excusabi
le: quod per te ingerimus.
Accipe quod offerim⁹ im
petra quod rogamus: excu
sa quod timem⁹. Quia nec
potentiorē meritis inueni
mus ad placandum nostri
iudicis irā: q̄ te que merui
sti fieri mater. **L u. R. Aue**
vulnerata charitate (in me
dio vterū habens dilecti).
sepulchrum ob mortis ama
rum. Redolēs myrrhe fasci
culū alleluja. **R. Sepulti**
resurrectio sit tibi botro ci
pri dulciordū gaudēt fon
tes ⁊ gaudet in gratia bal
sami hedos olētes leuari.
Redolēs. **Lectio quinta.**

Succurre ergo benigni
ssima miseris: iuua
pusillanimes: refoue flebi
les: ora pro poplo: interpel
la pro clero: intercede pro
monachorum choro: exora
p deuoto femineo sexu. Sē
tiant omnes tuū iuuamen
quicunq; deuote celebrant
tuam sanctā commemora
tionem. Sit tibi pia cōpas
sio super afflictos: sit pius
affectus super celosū per
egrim⁹: ⁊ cum te semper le
tantem aspicias fletus nro;
quesumus ad deū ipsa ad
mittas: propriūq; filium
pro nobis interpelles. Ob

secramus ergo te pia ⁊ be
atissima virgo. Offer nos.
christo pijs suffragiis: que
nescis inuidere suis: nec
attendas filiorū iniurias: a
quibus non vt dignum est
honoraris. tolera ergo pia
mater irreuerentiam filio
rum: que amore vinceris
generationū. fove itaque
nos miseros: et tāti meriti
indignos pijs orationibus
quos in vno genuisti: depre
care vnicūq; filiū tuum pro
excessibus multorum. **L u.**

R. Veniens de libano q̄
pulchra facta es alleluja.
Et odor vestimentorū tuo
rum super omnia aromata
alleluja. **R. Fau⁹ distillas**
labia tua: mel et lac sub lin
gua tua. Et odor. **L cō. vi.**

Suscipe quesum⁹ bea
tissima virgo nre fra
gnitati obsequia: ⁊ magna
nobis virtute succurre: vel
vt prepotens domina ma
terq; cunctorum pijsissima.
Impetra nobis ⁊ a vene
apud iesum christum filiu
tuū dominū nostrum. Mos
enim adhuc in hac terra af
fligimur: persequimur in iu
rijs. lacescimus opprobrijs
Esurim⁹ et sitim⁹: fomu
patimur: in carcere retine
mur. Tu vero in celestib⁹

regnis prelata es cunctis
virginibus choris. Tu agnus
quocumque perreuerit, seque-
ris: tu virginibus choros et
ab inuentione carnis illece-
bris alienos ad perenne vi-
tam inuitas. Tu in illa bea-
torum felicissimum regna pri-
mordij dignitate recepta:
plantis rosidis oberrans
inter paradisi amenitatem
agmineosque choros tagis
feliciter palmam. Tu autem. **R.**
Gaudeamus cum Maria
virgine: quia quem concepit
sine virili semine. In cruce
pendentem: vidit morien-
tem: et post triduum resur-
gentem cum gloria alleluia
alleluia. **R.** Exultant ange-
li: letentur omnes sancti:
quia quem virgo peperit.
In cruce. **In tertio noctur-
no. an.** Gaude maria virgo
decorata: quia regnat christus
et exultat omnis terra alle-
luia. **R.** Elegit eam deus
et prelegit eam. **R.** Et in
tabernaculo suo habitare
facit eam. **Scdm Joanne.**

In illo tempore. Sta-
bant autem iuxta crucez
jesu mater eius et soror ma-
tris eius maria cleophe et
marie magdalene. Cum vi-
disset ergo iesus matrem et
discipulum stantem quem

diligebat: dixit matri sue.
Mulier ecce filius tuus. De-
inde dixit discipulo: ecce
mater tua. Et ex illa hora:
accepit eam discipulus in suam.
Homilia lectionis ciuile.
Stabant autem iuxta crucez
jesu mater eius et soror ma-
tris eius marie cleophe et
marie magdalene. Hec
nimis est illa hora: de qua
jesus conuersurus aquam in
vinum dixerat matri sue.
Quid mihi et tibi mulier?
Nondum venit hora mea.
Hanc itaque horam predire
rat: que tunc nondum venerat
in qua deberet cognosci mo-
riturus de qua fuerat mor-
taliter natus. Tunc diuina
facturus non diuinitatis
sed infirmitatis matrem ve-
lut incognitam repellebat
Tu. **R.** Fidei firmamentum
maria sola laudamus: et
omnis fidelium spectaculum
spectamus. Gaudeat eccle-
sia catholica cum virgine in-
claya alla alla. **R.** Quare
vidit sepultum: non dubita-
uit resurrectum. Gaudeat.

Nunc autem. **Lc. viii.**
humana iam patiens: ex
qua fuerat factus homo:
affectu commendabat huma-
no. Tunc vero qui matrem
creauerat: inotescerebat vir-

tute. Nunc autem quem maris
pepererat: pendebat in cru-
ce. Moraliter ergo insinua-
tur locus. Facit quod facien-
dum admonet: et exemplo suo
instruit preceptor bonus:
ut ad filijs pijs impèdatur
cura parètib⁹. tanq̃ lignū
illud ubi erant mēbra fixa
morientis: et cathedra fue-
rit magistrī docentis. **L. u.**

R. Virgo clementissima
nra audi suspiria: tua pas-
chalia celebrantes festa in-
cunda. Jubila et exulta san-
cta et immaculata in filij vi-
ctoria alleluia alleluia. **R.** Re-
surrexit triūphās sanctoꝝ
sanctus mundū viuificās.
Jubila et exulta. **Lectio. ix.**

Et hac doctrina didi-
cerat paul⁹ apostol⁹
quod dicebat: quādo doce-
bat. Si quis autē suis et ma-
xime domesticis nō prouide-
ret: fidē negat: et est infide-
li deterior. Quid autē tam
cuiq̃ domesticū: q̃ parētes
filij: aut parentibus filij?
Hui⁹ itaq̃ tam saluberrimi
precepti ipse magister
sanctoꝝ de se ipso consti-
tuebat exemplū: quādo nō
ut famule deus quā creau-
rat regebat. Sed mater ho-
mo de qua natus fuerat et
quod relinquebat. Alteruz

pro se quodam modo filius
prouidebat. **N**ā cur hoc se-
cerit: quod sequitur indicat.
Aut enim euangelista. Ex
illa hora accepit illā disci-
pulus in suā. Sic quippe
cōmemorare se solet: quem
cū diligebat ies⁹: qui utiq̃
omnes: sed ipsum pre cete-
ris et familiarius diligebat
ita ut in cōmuni sup̃ peccat⁹
suum descumbere faceret.
Credo q̃ istius euangelij:
quod fuerat predicaturus.
diuinā excellentiā hoc mo-
do altius cōmendaret.

Sed in quo suā iōānes ma-
trē domini accepit? Nun-
quidem non ex eis erat q̃
dixerunt ei. Ecce nos relin-
quimus omnia et secuti su-
mus te. Sed ibi quoq̃ au-
dierūt: quicūq̃ ista demise-
rit propter me: accipiet in
hoc seculo ceteris cētū. Ista
bebat ergo ille discipulus
cētuplicitur tā plura q̃ di-
miserat. In quo suscepit
eius matrē quā illi donaue-
rat. Sed in eius societate
bñs iōānes: receperat cētū
plū: ubi nemo dicebat aliqd.
suū: sed erāt illis omnia cō-
munia: sicut in actib⁹ apo-
stoloꝝ scriptū est. Sic enī
erāt apostoli quasi nihil ha-
bētes: et omnia possidētes.

Quomodo matrē magistrī
dñi sui discipul⁹ accepit in
suā: vbi aliquid suū nemo
dicebat: aut qđ paulo post
in eodē libro legitur: quot
quot possessores prediorū
vel domorū erāt: videntes
afferebant precia illorum ⁊
ponebāt ante pedes disci-
pulorū: distribuebant autē
singulis. prout cuiq; opus
erat: qđ huic discipulo op⁹
erat vt illi ⁊ beate Aldarie
tanq; matri eius portio po-
neretur magisq; sic debe-
mus accipere: qđ dictū est.
ex illa hora accepit eā dis-
cipulus in suā: predia q̄ nul-
la possidebat propria. sed
officij dispēlatione exequē-
da curabat. **In laud ⁊ p ho-
ras. añ.** Letare mī nra: qz
resurrexit cū gloria Iesus
tuus fili⁹: qui per te sit no-
bis ppiti⁹ alla. **añ.** Virgo
mater dei: tu nos cōmēda
qui ei resurgēs magdalene
apparuit eiusq; pcta diluit
alla. **añ.** ⁊alue virgo cui⁹
fili⁹ auere dixit mulierib⁹
succurre peccatoribus bñdi-
cta in oībus alla. **añ.** Per
te genitrix christi qui post
triūphū illuxit petro trīti
protegāmur in aduersis ⁊
regnem⁹ in excelsis all. **añ.**
Virgo dei genitrix. cui⁹ fi

li⁹ post victoriā apparuit
discipulis in castrū eūtib⁹
ora pro nobis oīb⁹ alla. **cp.**
Apertū est tēplū. **Hyman⁹.**

Gloriosa dñā: cui⁹ de
uota: aīa cōcubuit de
vulnere christi isiro pectore
Quod eua tristis meruit tu
virgo cū pateris: p̄specto
p te filio i aspero patibulo.

Curegis mī fulgida: gau-
de nūc et tripudia: curato
tuo vulnere: in hoc pascua-
li tēpore. **C**u dei nri gloria
audi nostra suspiria: ostēde
tuū filiū nobis post exilium

Quesumus mater gratie.
Gloria tibi dñe: cuius ma-

requirit i primis vel. x. Cō-
uertisti plāctū meū in gau-
diū mibi alla. **℟.** Cōcidisti
saccū meū ⁊ circūdedisti
me leticia alla. **Ad bñd. añ.**

Regina celli letare alla.

Quia quē meruisti portare
alla. Resurrexit sicut dixit
alla. Ora p nobis deū. alla

Oratio. Prosit nobis que-
sumus semper omnipotēs
pater. **Ad. iii. cpm.** Apertū
est tēplū. **℟. ia breuia dicun-
tur de coirg. Ad. vi. cap.**

Iudicauit mibi dñs
dans mibi filiū: ⁊ hoc
p beatitudine mea: ex hoc
quippe beatā me dicēt oēs
mulieres. **Ad. ix. Caplm.**

Et audiui vocē quāsi
tuba magnē: sicut vo
cē aquarū multarū et dicen
cium alleluia: quoniam re
gnauit dñs noster: gaudea
mus et exultemus: et dem⁹
gloriā dño: quoniam vene
rūt nuptie agni: et sororei⁹
preparauit se. *Ad ves. añ.*
Letare mater nostra. cum
reli. de laud. ps. Dixit dñs
cū reli. cōueniens cap. Aper
tum est templū et visa est ar
cha. et c. *By⁹.* Ad cenā ag
ni prouidi. *✠.* Sancta dei
genitrix virgo semper ma
ria alleluia. *✠.* Intercede
pro nobis ad dñm alleluia
Ad magn. añ. O martir de
fiderio vulnerata: passiōis
christi gladio: o sanctissi
ma anima: quā et si perse
cutoris gladius nō abstu
lit: martyrii palmā nō ami
sit: tu que solē verum ex te
natū resurgētē videre me
ruisti: mortaliū primā: obti
ne vt visu glorię sue nos le
tificet in celis: quos cōpas
sos et congaudentes tibi
cernit in terris alleluia.
oro. Prosit nobis quesu
mus semper omnipotens.

Incipit officiū an
geli custodis regni ciuitati
vel loci. *Ad vespas. añ.*

Angeli virtutis
sue emisit dñs ex
hyō qui liberauit
ciuitatē nrā: de
medio inimicorū suorū. *ps.*
Dixit dñs. *añ.* Ecce nō dor
mitabit neq; dormiet āgel⁹
q̄ custodit ciuitatē istā: qm̄
ipse ē p̄tectio sup manū d̄x
terrā nrā. *ps.* Leuau ocu
los meos. *añ.* Nisi angel⁹
dñi custodierit ciuitatē no
strā in vanū laborauerunt
qui custodiūt eā. *ps.* Nisi
dñs. *añ.* In cōspectu ange
lorū psallam tibi deus me⁹
vt per eorū custodiā super
iram inimicorū meorū extē
das et saluū me faciat dex
tera tua. *ps.* Cōfitebor. *ij.*
añ. Cōfortauit dñs seras
portarū ciuitatis sue: et po
suit angelū ad pacē et custo
diā in simbus ei⁹. *ps.* Lau
da hier⁹ salē. *Cap.*

Ecce dñs de rege
assiriorū: nō ingrediet vrbē
hanc: nec mitter in eā sagit
tā nec occupet eā clipe⁹:
nec circūdabit eā munitio
✠. Deo grās. *By⁹.*
PAngel lingua gloriosi
preliū certaminis: principis
qz generosi gladiū tutami
nis: quo succūbunt vicioſi
sectatores demonis. Nobis
dat⁹ est a deo: presul sacer

angelus vt pſtetur dirus
leo: z ſaluetur pplus: dimitt
tutur noſe reo: ducis nſi p
cibus. **I**n ſuprema celi ſphe
ra z poloru culmine: aperi
tur ei ſera vt petat p hoie:
z aſportet nobis plera bo
na pro iuuamine. **V**erbum
caro nobis preſtat āgeli cu
ſtodia: vt ſi morib⁹ nos infe
ſtar: tollat peſtilētiā: ſiquid
vrbem hāc moleſtat: donet
patientia. **G**antū ergo ad
iutorē: veneremur laudib⁹
frequētemus ptectorē an
nuis carminib⁹: vt placem⁹
redēptorē p nſis criminib⁹

Genitori genitoqz la⁹ z iu
bilatio: ſalus bonor virtus
quoqz ſit z bñdictio proce
dēt ab vtroqz compar ſit
laudatio. **A**mē. **A**ngeliſ
ſuis mādanit de te. z c. **A**d
mag. an. **S**up muros tuos
hieſz poſui cuſtodes: q die
ac nocte nō ceſſabūt mag
nificare nomen dñi qz fecit
magna q potēs eſt z ſctūm
nomē ei⁹. **M**agnificat.

Omnipotēs ſempitern⁹ **D**eo.
ne deus qui angelicā
cuſtodia hominū z hominū
regnis: puincijs: z ciuitati
b⁹ cōtrūſti cōcede ppiti⁹:
vt noſtri regnī z ciuitatis
pſul z cuſtos āgel⁹ tuus ſā
ctus ipſū totū regnū ab inſ

tātib⁹ pīculis corpis z aſe
z naturis aduerſitatib⁹ p
tegat z defendat. p. **A**d ma
g. an. **V**enite adore
m⁹ ſaluatorē oīuz. **Q**ui no
bis ad cuſtodia putauit an
gelū. **P**s. **V**enite. exl. **I**er⁹.

Sacris ſolēnijs iūcta
ſint gaudia: bñis an
gelicis ſonēt pcomia: cātet
ecclia iclita gaudia: cōcōr
det ois aia. **N**octis recol
tur ducar⁹ populi: egypt⁹
ceditur p manū angeli: ma
re diuidit: trāſeūt ſinguli
tyro vndis imergit. **P**oſt
agni ſanguinē quo lumē tī
gitur: tollit eſur iē māna qd
traditur: colūna ducit pel
lēs formidīnē hec p cuſtodē
agitur. **D**edit fragilib⁹ du
cē fortiffimū: dedit z trūti
b⁹ micātē angelū: dicēs aſ
picite veſtrū pfortiū: oēs ex
hoc cōfidite. **S**ic ſacrificiū
veſtrū trāſmittite: p meum
nūciū z ſibi credite: mēte cō
ſcendite celū imperiū: vbi
corde quieſcite. **P**anis an
gelic⁹ datur de ſupis z mī
les celitus ſit comes hois:
princeps cherubic⁹ manet
in infimis: regēs pſul autē
ticus. **D**e trina deitas vna
qz poſcimus ſicut nos viſi
tas: ſicut te colim⁹: p tuas
ſemitas duc nos quo credi

mus ad lucē quā inhabitas
Amē. In .i. noc. an. Dirige
dñe p angelū tuū viā nrāz:
z scuto fortitudinis tue p-
tege suos tuos. **ps.** Verba
mea. **an.** Minuisti dñe ho-
minē paulomin⁹ ab āgelis
sed eoz custodia visitasti
eū: z in piculis multis me-
mor ei⁹ fuisti. **ps.** Dñe dñs
nr. **an.** Tu dñe seruabis et
custodies nos per angeluz
tuū ab oī praua gñatione
quia in circuitu nrō impij
ābulāt inimici. **ps.** Saluū
me fac. **i.** **Angelis suis**
mādaui de te. Et custo-
diāt te in oībus. **Lectio .i.**

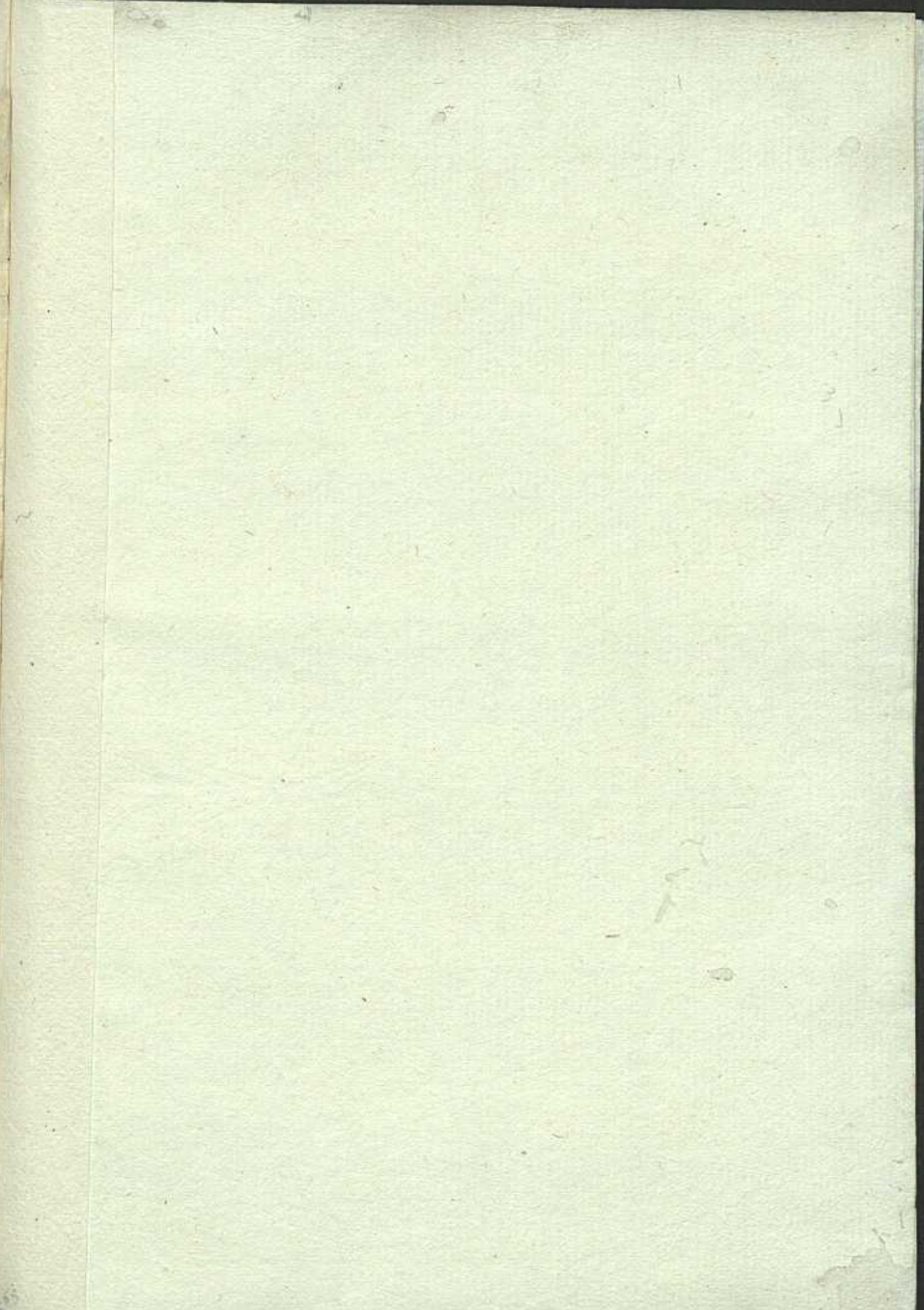
Ecce citat profecto fies
charissimī humanam
mentē in laudē creatoris: tā
toz beneficiorz liberalis ex-
hibitiō. Nec valet a laudi-
bus abstinere: cū cōtēplet
diuinā largitatē suis neces-
sitatib⁹ nō deficere. Quis
enī cogitare queat diuinā
illā erga gen⁹ humanū cha-
ritatē z diligētiam: cui nō
fuit satis hominē in tā no-
bili pdidisse naturā: nisi eū
miris auxilijs z a miniculi
subleuassz. Mouerat enī di-
uina puidētia hominē fata-
ne suggestiōe pstratū: mor-
tifero illo ātquo quoqz ve-
meno sauciātū: multipliciqz

hoste vndiqz in festū. Ideo
de āgelico suffragio atqz
cōsortio sibi statuit puidē-
diū. **Angelis suis** deus
mādaui d te. Et custodiāt
te in oībus vijs tuis. **In**
manib⁹ portabūt te: ne for-
te offendas ad lapidē pedē
tuū. Et custo. **lectio .ii.**

Mādaui qppe deus:
vt inqt ppheta āgelis suis
vt custodiant hoīez in oīb⁹
vijs suis ne forte in hac for-
midabili pegrinatiōe offen-
dat ad lapidē pedē suū. qui
enī p talē hui⁹ mūdi secur⁹
tētare īcederet: vbi inimici
nrī tā visibiles q̄ inuisibiles
tot scādala vt offendamus
abscondūt tot laqos: vt capī
amur extēdūt: nisi scōs an-
gelos adiutores z custodes
de sup nobis crederem⁹ esse
cōcessos. Hi sunt pfecto ci-
ues beati illi⁹ superne ciui-
tatis hierl⁹ q̄ in suz est ma-
ter nrā: oēs in ministerium
missi: ppter eos qui heredi-
tatē capiūt salutis: vt eos
liberēt ab inimicis z custo-
diāt in oībus vijs suis: cō-
fortēt: moneāt: doceāt: ora-
tiones quoqz offerāt in cōs-
pectu diuine maiestati. **In**
mittet angelū suū dñs
in circuitu timētū euz. Et
de oībus tribulatiōib⁹ suis

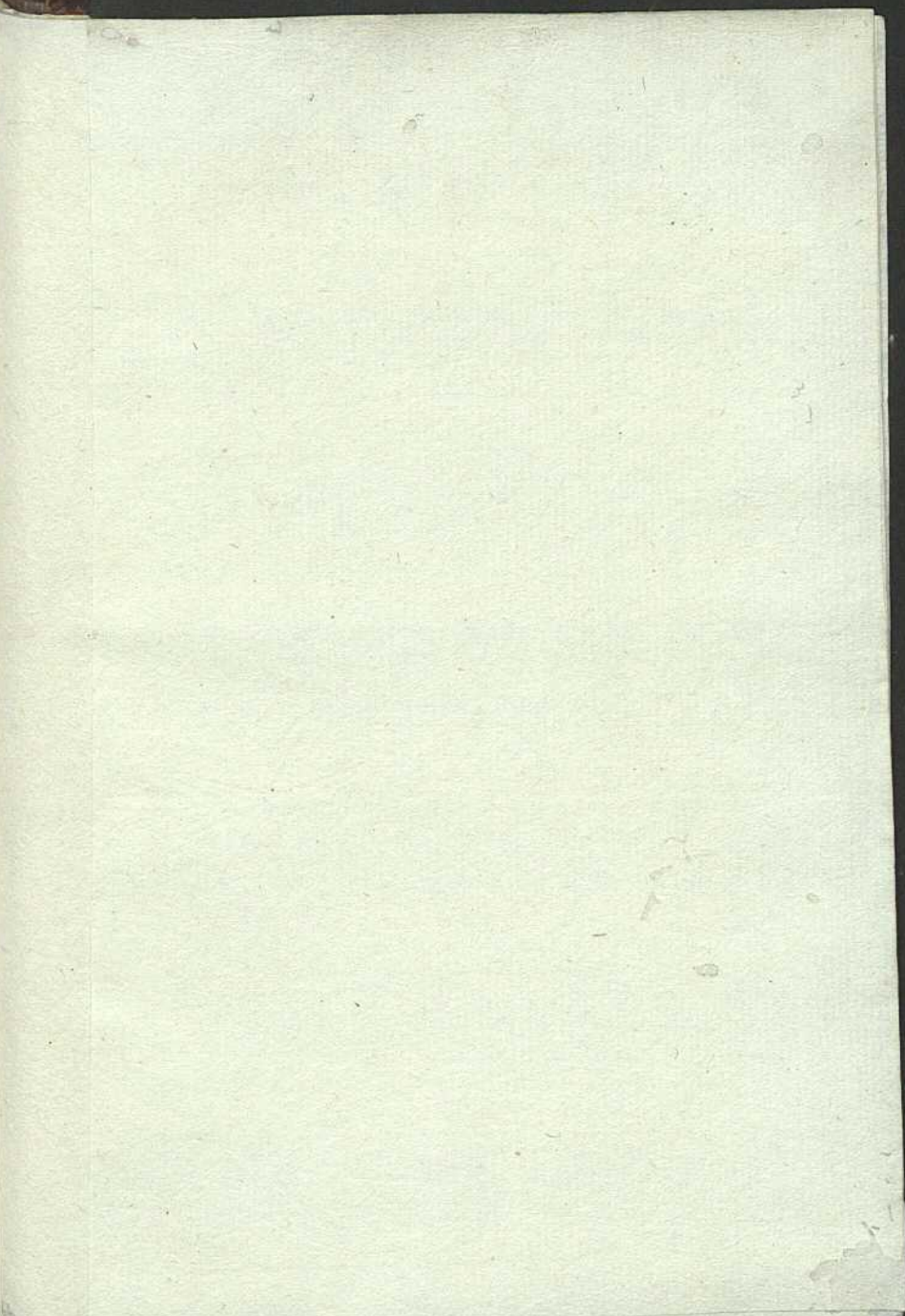
eripiet eos. **R.** Clamauerunt
iusti et dñs exaudiuit eos et
misit angelū suū. **Et. i. c. m.**
R. et etiam angeli deligunt ho-
mines concupes suos: per
quos sue ruine scissuras
vehementi charitate et affec-
tu expectant restaurari. ideo
non metuent imo pfecto gau-
det in illa eterna beatitudi-
ne nos semp secū habere cō-
fortes. Ideo ingēti cura vi-
gilantq; studio et sollicitudi-
ne assunt nobis in horis et lo-
cis puidētes et succurrētes
in oibus necessitatib⁹ et pe-
riculis nr̄is. Sunt etiā soli-
citi discurrentes inter nos et
deū: vt impetrēt nobis sue
benignitatis facillē propi-
tiationē: et referāt nobis di-
uine gratie bñdictionē. **R.**
Sup muros tuos hierusa-
lē posui custodes. Qui tota
die ac nocte non cessabunt
laudare nomē dñi. **R.** Pre-
dicabūt ppli fortitudinē
meā et annūciabūt gētib⁹
gloriā meā. Qui tota die.
Gloria pñi. Qui tota. **ps. ii.**
noct. an. Custodi nos dñe
vt pupillā oculi sub ymbra
alaz tuaz ptege nos. **ps.**
Exaudi dñe iustitiā. **ps.**
Adiut nobis dñe auxiliū
āgelicū de sc̄to et d syon tu-
ere ciuitatē nr̄az. **ps.** Exau

diat. **ps.** Qui tribulat nos
inimici nostri infirmati sunt
et ceciderūt: qz dñs pterit
nos p āgelū suū in avicōdi-
to tabernaculi sui. **ps.** Dñs
illuminatio. **R.** Dirige nos
dñe per āgelū tuū. **R.** Qm̄
tu es saluator nr̄i. **L. c. iii.**
R. ursus qz inter paganorū
et ceterorū inimicorū pra-
uas nationes nos hitare cō-
cernūt: ideo diligēti solici-
tudine et puidēcia nos tue-
ri cōtēdūt: iā ergo fratres
dilectissimi horū btissimorū
spūz auxiliō protecti et co-
mmutati eorūq; ope cōfisi nō
vereamur: nec dubitemus
inter huius mortalis vite
p̄trāsire plures nāq; nobis
cū sunt angeli defēsores q̄
sunt inimici demones ipu-
gnatores. Nō enī solū par-
ticularib⁹ hoib⁹ vey etia;
q̄buslibet societatib⁹ pplis
ciuitatib⁹ et regnis: vt ex sa-
cris litteris accepim⁹: sūmū
illū mūdi fabricatorē et rec-
torē de āgelorū custodia no-
uim⁹ puidisse. **R.** Adiut
dñs angelū suū et cōclusit
ora leonū. Et nō nocuerūt
mibi. **R.** Adiut dñs: mīaz suā
et fortitudinē suam: animā
meā liberauit de medio ca-
tulorū leonū. **Et. i. v.**
L. Legimus nempe in li



eripiet eos; **R.** Clamauerunt
iusti et dñs exaudivit eos et
misit angelū suū. Et. **ic. iij.**
R. etiam angeli deligunt ho-
mines concives suos: per
quos sue ruine scissuras
vedemētī charitate et affec-
tu expectāt restaurari. idō
nō metuūt imo pfecto gau-
dēt in illa eterna beatitudi-
ne nos semp secū habere cō-
fortes. Ideo ingēti cura vi-
gilātiq; studio et sollicitudi-
ne assūt nobis in horis et lo-
cis puidētes et succurrētes
in oibus necessitatib⁹ et pe-
riculis nr̄is. Sunt etiā soli-
citi discurrētes inter nos et
deū: vt impetrēt nobis sue
benignitatis facilē propi-
tiationē: et referāt nobis di-
uine gratie bñdictionē. **R.**
Sup muros tuos hierusa-
lē posui custodes. Qui tota
die ac nocte non cessabunt
laudare nomē dñi. **R.** Pre-
dicabūt ppli fortitudine;
meā et annūciabūt gētib⁹
gloriā meā. Qui tota die.
Gloria p̄ri. Qui tota. **ps. ij.**
noct. an. Custodi nos dñe
vt pupillā oculi sub ymbra
alaz tuaz ptege nos. **ps.**
Exaudi dñe iustitiā. **an.**
Mitte nobis dñe auxiliū;
āgelicū de sc̄to et d̄ syon tu-
ere ciuitatē nr̄az. **ps.** Exau-

diat. **an.** Qui tribulāt nos
inimici nostri infirmati sūt
et ceciderūt: qz dñs p̄erit
nos p āgelū suū in abscondi-
to tabernaculi sui. **ps.** Dñs
illuminatio. **R.** Dirige nos
dñe per āgelū tuū. **R.** Quia
tu es saluator nr̄. **L. cō. iij.**
R. ursus qz inter paganorū
et ceterorū inimicorū pra-
uas nationes nos hitare cō-
cernūt: ideo diligēti solici-
tudine et puidēcia nos tui-
ri cōtēdūt: iā ergo fratres
dilectissimi horū btissimorū
spūz auxilio protecti et co-
mitati eorūq; ope cōfisi ni-
vereamur: nec dubitemus
inter huius mortalis vit-
p̄trā fire plures nāq; nobi-
cū sunt angeli defēsores q̄
sunt inimici demones ipu-
gnatores. Nō enī solū par-
ticularib⁹ hoib⁹ vez etiā
q̄būlibet societatib⁹ ppli
ciuitatib⁹ et regnīs: vt ex s̄-
cris litteris accepim⁹: sūm-
illū mūdi fabricatorē et re-
torē de āgelorū custodia no-
uim⁹ puidisse. **R.** Misit
dñs angelū suū et cōclusi-
ora leonū. Et nō nocuerūt
mibi. **R.** Misit dñs mīaz su-
et fortitudinē suam: animā
meā liberauit de medio ca-
tulorū leonū. Et. **ic. iij.**
L. Egimus nempe in



eripiet eos. **R.** Clamauerunt
iusti et dñs exaudivit eos et
misit angelū suū. Et. **ic. iij.**
R. Item az angeli deligunt ho
mines concupes suos: per
quos sue ruine scissuras
vedemētī charitate et affec
tu expectāt restaurari. idō
nō metuūt imo pfecto gau
dēt in illa eterna beatitudi
ne nos semp secū habere cō
fortes. Ideo ingēti cura vi
gilātiqz studio et sollicitudi
ne assūt nobis in horis et lo
cis puidētes et succurrētes
in oibus necessitatib⁹ et pe
riculis nr̄is. Sunt etiā soli
citi discurretes inter nos et
deū: vt impetrēt nobis sue
benignitatis facilē propi
tiationē: et referāt nobis di
uine gratie bñdictionē. **R.**
Sup muros tuos hierusa
lē posui custodes. Qui tota
die ac nocte non cessabunt
laudare nomē dñi. **R.** Pre
dicabūt ppho fortitudinez
meā et annūciabūt gēnibus
gloriā meā. Qui tota die.
Gloria p̄ri. Qui tota. **ps. ij.**
noct. an. Custodi nos dñe
vt pupillā oculi sub ymbra
alaz tuaz ptege nos. **ps.**
Exaudi dñe iustitiā. **an.**
Aditte nobis dñe auxiliū
āgelicū de sc̄to et d̄ syon tu
ere ciuitatē nr̄az. **ps.** Exau

diat. **an.** Qui tribulāt nos
inimici nostri infirmati sūt
et ceciderūt: qz dñs p̄terit
nos p āgelū suū in abicōdi
to tabernaculi sui. **ps.** Dñs
illuminatio. **R.** Dirige nos
dñe per āgelū tuū. **R.** Qm̄
tu es saluator nr̄. **L. cō. iij.**
R. ursus qz inter paganorū
et ceterorū inimicorū pra
uas nationes nos bitare cō
cernūt: ideo diligēti solici
tudine et puidēcia nos tu
ri cōtēdūt: iā ergo fratres
dilectissimi horū btissimorū
spūz auxilio protecti et co
mitati eorūqz ope cōfisi nō
vereamur: nec dubitemus
inter huius mortalis vit
p̄trāfire plures nāqz nobi
cū sunt angeli defēsores q̄
sunt inimici demones ipu
gnatores. Nō enī solū par
ticularib⁹ hoib⁹ vep etiā
q̄buslibet societatib⁹ ppli
ciuitatib⁹ et regnis: vt ex fi
cris litteris accepim⁹: sūm
illū mūdi fabricatorē et re
torē de āgelorū custodia no
uim⁹ puidisse. **R.** Adit
dñs angelū suū et cōclusi
ora leonū. Et nō nocuerū
mibi. **R.** Adit dñs mīaz su
et fortitudinē suam: animā
meā liberauit de medio ci
tulorū leonū. Et. **ic. iij.**
L. E gimus nempe in

